



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 33] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 14, 1976 (श्रावण 23, 1898)
No. 33] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 14, 1976 (SRAVANA 23, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 जून 1976

सं० ए० 12026/1/76 प्रशासन-II—महालेखाकार, हरियाणा, चण्डीगढ़ के कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री एल० आर० सरीन को, 7 जून, 1976 के पूर्वार्द्ध से 3 वर्ष की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर वित्त एवं लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

बी० एम० जौली, अवर सचिव
कृते अध्यक्ष,
संघ लोक सेवा आयोग

सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० के० सामन्ता को, राष्ट्रपति द्वारा 1-7-76 से 31-7-76 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 15 मई, 1976 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एम० डी० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 1-7-76 से 23-7-76 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 जुलाई 1976

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 21-6-76 के अनुक्रम में संघ लोक

1-196GI/76

(6997)

प्रधाननाथ मुखर्जी, अवर सचिव

(प्रशासन प्रभारी)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 जुलाई 1976

सं० ए० 32014/2/76-प्रशासन I—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर्स सेवा संवर्ग के स्थायी वैयक्तिक सहायक (केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर्स सेवा का ग्रेड सी) सर्वश्री आर० एल० ठाकुर और के० सुन्दरम, जो इस कार्यालय की सम-संख्यक अधिसूचना दिनांक 24 अप्रैल, 1976 द्वारा 30 जून, 1976 तक वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर्स सेवा का ग्रेड बी) के रूप में तत्काल आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किए गए थे, को अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1-7-1976 से 31-7-1976, एक मास की अगली अवधि तक या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के उसी संवर्ग में उसी हैसियत से स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दे दी गई है।

2. सर्वश्री आर० एल० ठाकुर और के० सुन्दरम यह अवगत कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर्स सेवा का ग्रेड बी) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तत्काल आधार पर है और के० सं० स्टे० से० के ग्रेड बी० में विलयन और उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का उनका कोई हक नहीं होगा।

पी० एन० मुखर्जी,
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय

प्रवर्तन निदेशालय

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 19 जून 1976

सं० ए०-24/5/75—निम्नलिखित प्रवर्तन अधिकारी, मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के पद पर उनके द्वारा अपने-अपने पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से अगले आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप से नियुक्त किए गए हैं।

उनके नियुक्ति के स्थान और तारीख उनके प्रत्येक के नाम के सामने दी गई हैं :-

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति का स्थान	कार्यभार ग्रहण की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	श्री एच० सी० गुलाटी	मुख्यालय	2-6-76 (अपराह्न)
2.	श्री टी० एम० बी० चारी	कलकत्ता	20-5-76
3.	श्री एन० के० राय	त्रिवेन्द्रम	27-5-76

एस० बी० जैन,
निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1976

सं० ए०-11/10/76—श्री ए० के० लावण्डे, सहायक प्रवर्तन अधिकारी, गोवा उप-क्षेत्रीय कार्यालय को प्रवर्तन निदेशालय के कलकत्ता क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 14-6-76 से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 3 जुलाई 1976

सं० ए०-11/24/76—श्री बृज राज, पुलिस निरीक्षक, दिल्ली को प्रवर्तन निदेशालय के दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 16-6-76 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

जे० एन० आरोड़ा,
उप-निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1976

सं० ए०-31013/1/76-प्रशासन-I—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस० पी० भारद्वाज, स्थानापन्न अपर-विधि सलाहकार केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 19-2-76 (पूर्वाह्न) से मूल रूप में अपर-विधि सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 जुलाई 1976

सं० पी० एफ०/ए०-76/71-प्रशासन-1—महाराष्ट्र राज्य पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त महाराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी श्री ए० आर० खान को दिनांक 23-6-1976 के पूर्वाह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, बम्बई शाखा में अपने कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

विजय पाल पाण्डे,
प्रशासन अधिकारी (लेखा)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई 1976

सं० ए०-31013/2/75-प्रशासन-1—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री कृपाल सिंह, स्थानापन्न उप-विधि सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, जो आजकल प्रवर्तन निदेशालय में प्रतिनियुक्ति पर हैं, को दिनांक 19-2-76 (पूर्वाह्न) से मूल रूप से उप-विधि सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-31013/1/76-प्रशासन-1—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस० पी० भारद्वाज, स्थानापन्न अपर-विधि सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 19-2-76 (पूर्वाह्न) से मूल रूप में अपर-विधि सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नियुक्त करते हैं। (यह इस कार्यालय के दिनांक 15-7-76 की समसंख्यक अधिसूचना के अधिक्रमण में है।)

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई 1976

सं० ए०-19021/3/76-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से उत्तर प्रदेश संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी श्री एस० सी० जी० को दिनांक 8-7-1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना), नियुक्त करते हैं।

के० के० पुरी,
उप-निदेशक (प्रशासन)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1976

सं० 2/35/76-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्द्वारा श्री आर० के० शर्मा, आई० ए० एस० (मध्य प्रदेश), को 6 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक सचिव, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 जुलाई 1976

सं० 2/41/75-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्द्वारा श्री के० पी० चक्रवर्ती, आई० ए० एस० (1966) को, केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से 1-7-1976 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक विभागीय जांच आयुक्त नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 जुलाई 1976

सं० पी० एफ०/बी०/3-एन० जी०—पेंशन प्राप्ति की अवस्था होने पर श्री बी० के० भटनागर, केन्द्रीय सतर्कता आयोग में अनुभाग अधिकारी ने 30 जून 1976 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

श्री निवास,
अवर सचिव

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 14 जुलाई 1976

सं० डी० 1-3/74-स्था०-1—राष्ट्रपति, इन्टेलिजेंस ब्यूरो के श्री ए० एन० भटनागर, ए० सी० आई० ओ०-1 को प्रतिनियुक्ति पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में उप पुलिस-अधीक्षक (कंपनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर अस्थाई रूप में अगले आदेश जारी होने तक, नियुक्त करते हैं।

उन्होंने उप पुलिस-अधीक्षक (कंपनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद का कार्यभार 28वीं बाहिनी के० रि० पु० दल में 11-6-76 पूर्वाह्न को संभाल लिया है।

दिनांक 15 जुलाई 1976

सं० ओ०-11-8/76-स्था०—राष्ट्रपति श्री पी० सी० दास, असम संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स में इनकी प्रतिनियुक्ति पर महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री दास ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स के महानिरीक्षक, सेक्टर 4, शिलांग के पद का कार्यभार दिनांक 28 जून, 1976 के अपराह्न से संभाला।

दिनांक 20 जुलाई 1976

सं० ओ० टू० 426/69-ईस्ट०—श्री तसीब चन्द ने निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप 30 जून, 1976 के अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल की 23 बटालियन में सहायक कमान्डेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ा।

दिनांक 21 जुलाई 1976

सं० टी० नौ०-9/76-स्था०—श्री सोहन सिंह उप-पुलिस-अधीक्षक, जो कि अस्थाई रूप से अल्पकालीन रिक्ति के स्थान पर कार्य कर रहे थे, सूबेदार के पद पर 11-2-76 से प्रत्यावर्तित किए जाते हैं।

II

राष्ट्रपति, श्री सोहन सिंह को उनकी पदोन्नति पर अस्थाई रूप से अल्पकालीन रिक्ति के स्थान पर अगले आदेश जारी होने तक उप पुलिस-अधीक्षक (कंपनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर 14-4-76 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

पदोन्नति पर श्री सोहन सिंह उप पुलिस-अधीक्षक के पद पर तीसरी सिग्नल बाहिनी में तैनात किए जाते हैं। उन्होंने अपने पद का कार्यभार 14-4-76 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

सं० ओ०-11-18/70-स्था०—श्री रघुनाथ सिंह, भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी ने राजस्थान राज्य में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप 5 जून, 1976 के अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, महानिदेशालय, नई दिल्ली उप निदेशक (प्रशासन) के पद का कार्यभार छोड़ा।

ए० के० बन्धुगोपाध्याय, सहायक निदेशक (प्र०)

महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

सं० ई०-32015(3)/2/76-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, श्री एस० के० जयमन, सुरक्षा अधिकारी, हिन्दुस्तान जिक लिमिटेड, विशाखापट्टनम्, को के० औ० सु० ब० में स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं और उन्होंने दिनांक 10 जून, 76 के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार के० औ० सु० ब० यूनिट, भारी इंजीनियरिंग निगम, रांची में संभाल लिया।

ली० सि० विष्ट, महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 जुलाई 1976

सं० 10/19/75-म० पं० (प्रशा०-एक)—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक श्री ए० के० विश्वास को 24 जून, 1976 के अपराह्न से 9 अगस्त, 1976 तक उसी कार्यालय में पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर अनुसंधान अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री ए० के० विश्वास का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

बद्री नाथ,
उप महापंजीकार और
पदेन उप सचिव

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग
बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 18 जुलाई 1976

सं० बी० एन० पी०/ई०/स्पेशल/34—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बी०एन०पी०/स्पेशल/34 दिनांक 24-8-75 के अनुक्रम में प्रतिनियुक्ति पर आए श्री सी० एन० लक्ष्मणराव सहायक इंजीनियर (वातानुकूलन) की नियुक्ति दिनांक 31-7-76 तक बैंक नोट मुद्रणालय में बढ़ाई जाती है।

डी० सी० मुखर्जी, महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय महालेखाकार, पश्चिम बंगाल

कलकत्ता, दिनांक 9 जुलाई 1976

महालेखाकार, पश्चिम बंगाल ने एक स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री एस० चन्द्रशेखरन् को अस्थाई और स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर दिनांक 12-7-76 अथवा अगला आदेश जारी होने तक बहाली करने की कृपा की है।

इसकी पारस्परिक वरिष्ठता लेखा अधिकारी के पद पर यथा समय प्रकट की जाएगी।

बि० भट्टाचार्य,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार, बिहार
(स्थानीय लेखा शाखा)

स्थानीय लेखा परीक्षक, बिहार

रांची, दिनांक 12 जुलाई 1976

महालेखाकार, बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थानीय अंशेक्षण प्रशाखा के श्री कामदेव मिश्रा अनुभाग अधिकारी (अंशेक्षण) को दिनांक 12-7-76 पूर्वाह्न में अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षक के पद पर सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

महालेखाकार, बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थानीय अंशेक्षण प्रशाखा के श्री रामजी प्रसाद अनुभाग अधिकारी (अंशेक्षण) को दिनांक 12-7-76 पूर्वाह्न में अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक स्थानीय लेखा परीक्षक के पद पर सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

वे० रामनाथन,
स्थानीय लेखा परीक्षक,

कार्यालय महालेखाकार, केरल

त्रिवेन्द्रम-695001, दिनांक 14 जुलाई 1976

सं० एस्ट/एन्ट/6/10-3—महालेखाकार, केरल के कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री एन० कुलत्तु अय्यर और श्री पी० आर० रंगनाथन निवर्तन की आयु में ता० 30 जून 1976 अपराह्न को सेवानिवृत्त हो गए।

आर० सी० घई,
महालेखाकार, केरल

कार्यालय महालेखाकार, कर्नाटक

बेंगलूर, दिनांक 15 जुलाई 1976

सं० स्थापना 1/अ-4/76-77/322—महालेखाकार, निम्न-लिखित दो स्थायी अनुभाग अधिकारियों को उनके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले अगले आदेश जारी होने तक, बिलकुल अस्थायी क्षमता में लेखा अधिकारियों के पद में, वे उन पद का कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक से स्थानापन्न रूप में पदोन्नत करते हैं।

1. श्री बी० पद्मनाभन
2. एस० रामनाथन (1)

ई० बी० चन्द्रशेखरन्,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक,

नई दिल्ली-22, दिनांक 13 जुलाई 1976

सं० 18258/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री सी० जी० राम नाथन्, रक्षा लेखा सहायक महानियंत्रक को 28 फरवरी 1977 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तर्गत कर दिया जायेगा और उनका नाम विभाग की नफरी से निकाल दिया जायेगा।

एस० के० सुन्दरम्,

रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डेनैन्स फैक्टरियां

महानिदेशालय आर्डेनैन्स फैक्टरियां मुख्यालय सिविल सेवा

कलकत्ता, दिनांक 14 जुलाई 1976

सं० 48/76/जी—डी० जी० ओ० एफ० ने निम्नलिखित स्थायी अधीक्षकों को, मौलिक योग्यता के आधार पर, सहायक स्टाफ अफसर (द्वितीय श्रेणी राजपत्रित) के पद पर दिनांक पहली मार्च 1968 से नियुक्त करते हैं।

1. श्री समरेन्द्र नाथ मित्रा (अवकाश प्राप्त)
2. श्री विश्वनाथ चटर्जी (अवकाश प्राप्त)
3. श्री सम्भू नाथ सिंह (अवकाश प्राप्त)
4. श्री कृष्ण चन्द्र भट्टाचार्य
5. श्री धर्म चन्द्र वर्मा (दिवंगत)
6. श्री धीरेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव
7. श्री अली हसन (अवकाश प्राप्त)
8. श्री के० ए० बी० लिगम (अवकाश प्राप्त)
9. श्री मनोरंजन भट्टाचार्य (अवकाश प्राप्त)
10. श्री गोविन्द चन्द्र भट्टाचार्य
11. श्री मनमोहन लाल नन्दा
12. श्री अमूल्य कुमार घोष चौधुरी (अवकाश प्राप्त)
13. श्री रवीन्द्र नाथ बोस
14. श्री प्रकाश चन्द्र दत्त (अवकाश प्राप्त)

2. इस महानिदेशालय की गजट अधिसूचना सं० 12/76/जी, दिनांक 13 फरवरी, 1976 को रद्द किया जा रहा है।

सं० 49/76/जी—डी० जी० ओ० एफ० ने निम्नलिखित स्थायी स्थापनापत्र सहायक को स्थापनापत्र योग्यता से तदर्थ आधार

पर, सहायक स्टाफ अफसर (राजपत्रित वर्ग-II) के पद पर, प्रत्येक के सामने दिखालाई गई अवधि के लिए नियुक्त करते हैं :—

1. श्री नारायण गंगोपाध्याय दिनांक 7 अगस्त, 74 से 27 अक्टूबर, 74 तक
2. श्री विश्व रंजन गुप्ता (1) दिनांक 13 जून, 75 से 31 जुलाई, 75 तक
(2) दिनांक 2 अगस्त, 75 से 2 सरी अक्टूबर, 75 तक
3. श्री लक्ष्मी नारायण सामन्त दिनांक 5 जुलाई, 75 से 29 सितम्बर, 75 तक
4. श्री सुधीर कुमार दत्त दिनांक 5 जुलाई, 75 से 3 नवम्बर, 75 तक
5. श्री नितायी पद्म मुखर्जी (1) दिनांक 23 दिसम्बर, 74 से 14 फरवरी, 75 तक
(2) दिनांक 24 फरवरी 75 से 28 मई, 75 तक
(3) दिनांक पहली फरवरी, 76 से आगामी आदेश न होने तक
6. श्री अमल कुमार साहा दिनांक 13 जून 75 से 31 जुलाई 75 तक।

दिनांक 16 जुलाई 1976

भारतीय आर्डेनैन्स फैक्टरियां सेवा

सं० 50/76/जी—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर श्री एम० एल० खन्तर, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन), दिनांक 31 मई, 1975 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिल्लाय,
सहायक महानिदेशक, आर्डेनैन्स फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1976

आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण

स्थापना

सं० 6/393/56—प्रशासन (राजपत्रित)—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में श्री टी० जे० परासरम नियंत्रक, आयात-निर्यात को मूल विनियमावली के नियम 56 की धारा (जे) के अन्तर्गत 26 दिसम्बर 1975 के दोपहरबाव से सरकारी सेवा से निवृत्त होने के समय से पूर्व ही सेवा से निवृत्त कर दिया गया है।

सं० 6/574/59—प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति, श्री डी० एस० मोरक्कीमा, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, कानपुर को मूल विनियमावली के नियम 56 की धारा (जे) के अन्तर्गत 5-2-1976 (दोपहरबाव) से सरकारी सेवा से निवृत्त करते हैं।

दिनांक 19 जुलाई 1976

सं० 6/873/69-प्रशासन(जी०)—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में श्री एम० एम० शोलन्की सहायक लोहा एवं हस्पात नियंत्रक को जो निलम्बन के अधीन थे, 18 मार्च 1976 (दोपहर बाद) से सेवा निवृत्ति की अवधि से पूर्व ही मूल नियमावली के नियम 56 की धारा (जे) के अन्तर्गत सरकारी सेवा से निवृत्त कर दिया गया है।

सं० 6/1102/75-प्रशासन(राज०)—वाणिज्य मंत्रालय में, श्री ओ० पी० धवन केन्द्रीय सचिवालय आणुलिपिक सेवा वर्ग-I के अधिकारी और वरिष्ठ निजी सहायक को 29-5-76 (दोपहर बाद) से आगे के आदेश होने तक अस्थायी आधार पर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली के निजी सचिव (केन्द्रीय सचिवालय आणुलिपिक सेवा के वर्ग में वरण होने पर) के रूप में नियुक्त किया गया है।

पी० के० कौल,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 19 जुलाई 1976

सं० ई०एस०टी०-1-2 (472) वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई के सहायक निदेशक प्रथम श्रेणी (नान टेक्नीकल) श्री अ० नी० नारायणन् सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर 30 जून 1976 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

राजेन्द्र पाल कपूर,
वस्त्र आयुक्त

बम्बई-20, दिनांक 13 जुलाई 1976

सं० सी० ई० आर०/3/76—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर० 3/69 दिनांक 19 सितम्बर 1969 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात्:—

1. पैराग्राफ एक के उप-पैराग्राफ (2) में निम्न मद (एफ) के रूप में अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

“(एफ) कताई कारखाना न रखनेवाले विनिर्माता द्वारा उत्पादित वस्त्र जो किसी प्रोसेसर द्वारा और प्रोसेसिंग किया जाने वाला हो की दशा में निम्नलिखित पैराग्राफ तीन डी में निर्धारित मार्किंग को छोड़कर”

2. पैराग्राफ तीन सी में “वस्त्र के” ये शब्द “फेंदस और रेगज,” ये शब्द और चिह्न और “फेंदस और रेगज” ये शब्द तथा “जो भी लागू हो” ये शब्द निकाल दिए जाएंगे।

3. पैराग्राफ तीन डी के बाद निम्नलिखित स्पष्टीकरण के रूप में अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“स्पष्टीकरण—पैराग्राफ तीन डी के निमित्त “प्रोसेसर द्वारा प्रोसेस किया गया” इस उक्ति में कलेंडरिंग की प्रोसेस भी शामिल है।

गौरी शंकर भार्गव,
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

पटसन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 20 जुलाई 1976

सं० जूट (ए)/147/65—श्री डी० के० दत्त के दिनांक 15 जुलाई, 1976 को अर्जित अवकाश से लौटकर अपना कार्य पुनर्ग्रहण करने से श्री के० के० दास तदर्थ स्थानापन्न सहायक निदेशक (तकनीकी) का पद भार छोड़ कर दिनांक 16, जुलाई 1976 (पूर्वाह्न) से अराजपत्रित निरीक्षक (तक०) ग्रेड-I के अपने मौलिक पद पर प्रत्यावर्तित होते हैं।

एन० के० राय, प्रशासन अधिकारी
कृते पटसन आयुक्त

पूर्ति विभाग

मुख्य लेखा नियंत्रक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई 1976

सं० ए-32014/75-77/प्रशासन(समन्वय)/202-203—मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूर्ति, पुनर्वास तथा खाद्य और कृषि मंत्रालय नई दिल्ली ने अपने संगठन के श्री मीरेन्द्र नाथ सेन अनुभाग अधिकारी (वेतन तथा लेखा) को 14-6-76 पूर्वाह्न से वरिष्ठ उप मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूर्ति विभाग कलकत्ता, के कार्यालय में आगामी आदेश तक वेतन तथा लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

इनकी पदोन्नति से नामिका (पेनल) में इनसे वरिष्ठ व्यक्तियों के दावों और अधिकारों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है।

इनकी पदोन्नति मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी के संगठन (वेतन तथा लेखा अधिकारी) भर्ती नियम 1974 की शर्तों के अध्वधीन है।

सं० ए-32014/75-77/प्रशासन(समन्वय)/204-205—मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूर्ति, पुनर्वास तथा खाद्य और कृषि मंत्रालय नई दिल्ली ने अपने संगठन के श्री के० के० चौधरी, अनुभाग अधिकारी (वेतन तथा लेखा) को 23-6-76 पूर्वाह्न से उप मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, आवास और निर्माण विभाग, मद्रास के कार्यालय में आगामी आदेश तक वेतन तथा लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

इनकी पदोन्नति से नामिका (पेनल) में इनसे वरिष्ठ व्यक्तियों के दावों और अधिकारों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है।

इनकी पदोन्नति मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी के संगठन (वेतन तथा लेखा अधिकारी) अर्थात् नियम 1974 की शर्तों के अधीन है।

जे० बी० वत्ता,
लेखा अधिकारी

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 13 जुलाई 1976

सं० 2251 (एस० सी० एस० आई०)/19बी—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉर्पोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री एस० सी० एस० आर्यगर ने ट्रिलर के पद का कार्यभार, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में उसी क्षमता में, 26 मई, 1976 के पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

सं० 2222 (के० बी० एम०)/19ए—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉर्पोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री के० बी० मोहन ने सहायक भूवैज्ञानिक के पद का कार्यभार, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, उसी क्षमता में, 27 अप्रैल, 1976 के पूर्वाह्न से सम्भाल लिया।

बी० के० एस० बरदन,
महानिदेशक

भारतीय प्राणिविज्ञान सर्वेक्षण विभाग

कलकत्ता-12, दिनांक 20 जुलाई 1976

सं० एफ० 70-2/74-स्थापना/12969—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश के अनुसार, निम्नलिखित वरिष्ठ प्राणि विज्ञान सहायकों को, जो तदर्थ आधार पर सहायक प्राणिवैज्ञानिक के रूप में कार्य कर रहे हैं, उन्हें उसी विभाग में 21 जून, 1976 से आगामी आदेशों तक रु० 650-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक प्राणिवैज्ञानिक के रूप में स्थायी आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जा रहा है।

1. श्री एस० के० साहा
2. श्रीमती मनिशा सेन
3. श्री डी० एन० तिवारी
4. डा० जी० एन० साहा

डा० सं० खेरा,
संयुक्त निदेशक—प्रभारी
भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1976

सं० ए०-19012/10/76-स्टाफ-2—महानिदेशक दूरदर्शन, श्री ई० रामास्वामी, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक को 2-6-1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक दूरदर्शन केन्द्र मद्रास में सहायक अभियन्ता संवर्ग अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

रा० कृ० खट्टर,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 7 जुलाई 1976

सं० ए०-19012/4/76-सिबन्दी-1—डिफेंस एकाउन्ट डिपार्टमेंट के लेखाधिकारी श्री एन० सोमसुन्दरम को फिल्म प्रभाग बम्बई में स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर दिनांक 1-7-1976 के पूर्वाह्न से प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया है।

श्री के० एस० नायर, स्थानापन्न लेखाधिकारी दिनांक 1-7-1976 के पूर्वाह्न से प्रमुख लेखाधिकारी के पद पर प्रत्यावर्तित माने जायेंगे।

दिनांक 13 जुलाई 1976

सं० ए०-19012/5/76-सिबन्दी-1—डिफेंस एकाउन्ट के लेखाधिकारी, श्री रामनाथ को फिल्म प्रभाग बम्बई में स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर दिनांक 9-7-1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया है।

श्री बी० आर० पेसवानी, स्थानापन्न लेखाधिकारी दिनांक 9-9-1976 के पूर्वाह्न से अधीक्षक के पद पर प्रत्यावर्तित माने जायेंगे।

सं० ए०-19012/1/76-सिबन्दी-1—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री सी० जे० रेड्डी को फिल्म प्रभाग बम्बई में दिनांक 7-7-1976 के पूर्वाह्न से न्यूजरील अफसर के पद पर नियुक्त किया है।

एम० के० जैन,
प्रशासकीय अधिकारी
कृते प्रमुख निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1976

सं० 20/1 (26)/75-सी० जी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० टी० एम० कुरियाकोस को 15 जून, 1976 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, हैदराबाद में होम्योपैथिक चिकित्सक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सं० 20/1 (26)/75-सी० जी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० श्रीराम त्रिवेदी को 21 जून, 1976 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, हैदराबाद, में आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सं० 21/6 (1)/75-सी० जी० एच० एस०-1—डा० एस० एच० केरोसेनवाला, जी० डी० ओ० ग्रेड-2 (तदर्थ) ने अपना इस्थीपा मंजूर हो जाने के फलस्वरूप 1-5-75 को कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

राज कुमार जिन्दल, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1976

सं० ए०-32013/3/76 (जे० आई० पी०) एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी के प्रदर्शक डा० एस० कासीनाथ को 23 जून, 1976 के अपराह्न से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में प्राणि विज्ञान के प्राध्यापक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल, उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1976

सं० 5 (2)/71-स्थापना (1)—खाद्य विभाग के अन्तर्गत सहायक निदेशक (प्रचार) के पद से पदावसान होने पर श्री एस० के० एस० धारीवाल ने विस्तार निदेशालय में 5 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से सहायक प्रदर्शन अधिकारी (प्रथम ग्रेड) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

विश्व मित्र कैलाश, उप निदेशक प्रशासन
कृते प्रशासन निदेशक

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान कार्यालय)

एन० एच०-4 फरीदाबाद, दिनांक 21 जुलाई 1976

सं० 3-13 (3)/75 प्र०-1—श्री राम रतन सिंह को विपणन और निरीक्षण निदेशालय में दिनांक 29 अप्रैल, 1974 से सांख्यिकीय अधिकारी के स्थायी पद पर भूल रूप में नियुक्त किया जाता है।

रामाधार, कृषि विपणन सलाहकार

वन साधनों का निवेशपूर्व सर्वेक्षण

देहरादून, दिनांक 14 जुलाई 1976

सं० 4-6/72-प्र०—श्री पी० के० ओनियल को अपने पद सहायक वनपाल, केन्द्रीय अंचल, वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण,

नागपुर से प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त होने पर दिनांक 21 मई, 1976 अपराह्न में कार्यभार मुक्त कर दिया गया है। उनकी सेवाएं 22-5-1976 से 21-6-1976 तक अर्जित अवकाश की समाप्ति पर मध्य प्रदेश सरकार के वन विभाग को पुनः सौंप दी गईं।

रोमेश चन्द्रा, मुख्य समन्वक

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 14 जुलाई 1976

सं० ई० (1) 04260—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री टी० एम० सांबामूर्ति को 16-6-76 के पूर्वाह्न से 12-9-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री टी० एम० सांबामूर्ति, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04321—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली के व्यावसायिक सहायक श्री के० एम० बी० राजगोपालन को 1-7-76 के पूर्वाह्न से 27-9-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री राजगोपालन, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 17 जुलाई 1976

सं० ए० 12026/1/76-ई०-1—अपने-अपने महालेखापालों द्वारा कार्यमुक्त किए जाने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों ने भारत मौसम विज्ञान विभाग के अधीन वेतन और लेखा कार्यालयों में उनके नामों के सामने लिखी तारीखों से कार्यभार संभाल लिया है।

नाम	कार्यभार संभालने की तारीख	तैनाती कार्यालय
1. श्री ए० सी० चक्रवर्ती (महालेखापाल, पश्चिमी बंगाल से)	1-4-1976 (पूर्वाह्न)	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता।
2. श्री आर० वेंकटरमण (महालेखापाल-1, तमिलनाडु से)	1-4-1976 (अपराह्न)	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास।
3. श्री एम० बी० महाजन (महालेखापाल, महाराष्ट्र से)	1-5-1976 (पूर्वाह्न)	वेधशालाओं के उप महानिदेशक का कार्यालय (जलवायु विज्ञान व भू-भौतिकी, पुना)

सं० ई० (1) 00902—महालेखापाल, वाणिज्य, निर्माण तथा विविध, नई दिल्ली के कार्यालय से कार्यमुक्त होने पर श्री एस० के० श्रोडा ने पहली अप्रैल, 1976 के पूर्वाह्न से लेखा अधिकारी के रूप में केन्द्रीय वेतन और लेखा कार्यालय, भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली में कार्यभार संभाला।

सं० ई० (1) 04261—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के उपमहानिदेशक (जलवायु व भू-भौतिकी) पूना में व्यावसायिक सहायक श्री बी० गोपीनाथ राव को 1-7-76 के पूर्वाह्न से 27-9-76 तक नवार्सी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री गोपीनाथ राव, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ वेधशालाओं के उपमहानिदेशक (जलवायु व भू-भौतिकी) पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मणियन, मौसम विज्ञ
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 जुलाई 1976

सं० ए०-32013/9/75-ई० एस०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित विमान निरीक्षकों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से तथा अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न करिष्ठ विमान निरीक्षकों के रूप में नियुक्त किया है :—

क्रम संख्या	अधिकारी का नाम	पदोन्नति की तारीख	तैनाती स्टेशन
1.	श्री मान सिंह, निरीक्षण कार्यालय, पटना	16-6-76 (पूर्वाह्न)	नागर विमानन महा-निदेशालय, नई दिल्ली।
2.	श्री एम० एम० इब्राहीम, निरीक्षण कार्यालय, बेगमपेट।	31-5-76 (पूर्वाह्न)	निरीक्षण कार्यालय, कलकत्ता।
3.	श्री वी० आर० आर० अशबा, निरीक्षण कार्यालय, बेगमपेट	24-5-76 (पूर्वाह्न)	निरीक्षण कार्यालय, कानपुर।

सुरजीत लाल खंडपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1976

सं० ए०-32013/5/75-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री एस० के० नियोगी, नियंत्रक संचार को 1 जून, 1976 से 30 सितम्बर, 1976 तक की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इन में से जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर निदेशक वैमानिक संचार के पद पर नियुक्त किया है। यह अधिसूचना इस कार्यालय की तारीख 26-3-1976 की अधिसूचना सं० ए०-32013/5/75-ई० एच० के क्रम में है।

टी० एस० श्रीनिवासन, सहायक निदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

2-196GI/76

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1976

सं० ए०-32013/14/75-ई० सी०—इस विभाग की तारीख 23-2-1976 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/14/75-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने सर्वश्री पी० पालोज तथा आर० एच० सुब्रह्मण्यम् की संचार अधिकारी के रूप में तदर्थ पदोन्नति 1-5-1976 से 16-5-1976 तक की अवधि के लिए और बढ़ा दी है तथा उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए०-32013/6/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित सहायक संचार अधिकारियों को प्रत्येक के सामने दिखाई तारीख से तथा अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है तथा उन्हें नीचे दिखाए स्टेशनों पर तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम तथा पदनाम	तैनाती का वर्तमान स्टेशन	स्टेशन जहाँ अब तैनात किया गया है	तारीख
1.	श्री जे० सी० दास, सहायक संचार अधिकारी	कलकत्ता	कलकत्ता	30-6-76 (पूर्वाह्न)
2.	श्री बी० एम० बरारी, सहायक संचार अधिकारी	कलकत्ता	कलकत्ता	30-6-76 (पूर्वाह्न)

सं० ए०-32013/11/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित तकनीकी अधिकारियों को, प्रत्येक के सामने दिखाई तारीख से 31 दिसम्बर, 1976 तक अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्तियां होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर करिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है तथा उन्हें प्रत्येक के सामने दिखाए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम तथा पदनाम	तैनाती का वर्तमान स्टेशन	तारीख	स्टेशन जहाँ अब तैनात किया गया है
----------	---------------	--------------------------	-------	----------------------------------

- | | | | | |
|----|-------------------------------------|--|---------|------------------------------------|
| 1. | श्री एन० आर० स्वामी, तकनीकी अधिकारी | क्षेत्रीय निदेशक सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली | 24-6-76 | हैदराबाद |
| 2. | श्री प्रवीण सेठ, तकनीकी अधि-कारी | रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली | 11-6-76 | डी० जी० सी० ए० मुख्यालय, नई दिल्ली |
| 3. | श्री रिसाल सिंह, तकनीकी अधिकारी | रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली | 30-6-76 | वैमानिक संचार स्टेशन नागपुर |

दिनांक 2 जुलाई 1976

सीमा शुल्क सिम्बन्धी

सं० ए-32014/2/75-ई० सी० :—महानिदेशक नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, बेलगांव के श्री ए० के० मिश्र, तकनीकी सहायक को 25 मई, 1976 (पूर्वाह्न) से तथा अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद में नियुक्त किया है।

विश्व विनोद जोहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता-कार्यालय इलाहाबाद

इलाहाबाद, दिनांक 3 जुलाई 1976

सं० 35/1976—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता कार्यालय मुख्यालय, इलाहाबाद में स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के पद पर तैनात और इस कार्यालय के पृष्ठांकन पत्र, संख्या 11(3) 141-स्था/76, दि० 7-5-1976 के अन्तर्गत जारी किए गए स्थापना आदेश सं० 123/1976, दि० 7-5-1976 के अनुसार, अगला आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन-मान में स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी के रूप में नियुक्त श्री दिनेश चन्द्र वर्मा ने दिनांक 31-5-76 को (दोपहर से पहले) श्री बीकाराम, अधीक्षक, वर्ग 'ख' को उनके अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय (आई० डी० प्रो०), मिर्जापुर में प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मिर्जापुर के कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

एच० बी० दास
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, इलाहाबाद

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय, पटना

पटना, दिनांक 9 जुलाई 1976

सं० III(7) 5-स्था०/75/6562—बोर्ड के पत्र एक० सं० ए-12026-8/75-सी० ई० आर० सी० (प्र०) दिनांक 30-3-76 तथा इस कार्यालय के पत्र सं० 11346 स्था/76/3578-80 दिनांक 26-4-76 के द्वारा श्री रामअधर सिंह, वरिष्ठ अनुवादक केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो (गृह मंत्रालय) के 76, हीणखास नई दिल्ली-110016 को रु० 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों के सहित के वेतनमान में हिन्दी अधिकारी के रूप में अगले आदेश तक अस्थायी एवं तदर्थ रूप से नियुक्त किया गया था, के अनुसरण में श्री राम अधर सिंह, हिन्दी अधिकारी केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क मुख्यालय पटना में दिनांक 14-6-76 (पूर्वाह्न में) कार्यभार ग्रहण किया।

ह० अपठनीय
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद, पटना

कलकत्ता-1, दिनांक 13 जुलाई 1976

सं० एस० 34-67/54 अधिनियम—कस्टम हाउस कलकत्ता के निवारक अधिकारी ग्रेड 1 (वरण श्रेणी) श्री एस० सी० दत्त की पदोन्नति दिनांक 21-5-75 (दोपहरपूर्व) से स्थानापन्न निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

कस्टम हाउस कलकत्ता निवारक अधिकारी ग्रेड 1 (वरण श्रेणी) श्री बी० एस० हांडा की पदोन्नति दिनांक 28-5-75 (दोपहर बाद) से स्थानापन्न निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

कस्टम हाउस कलकत्ता निवारक अधिकारी ग्रेड 1 (वरण श्रेणी) श्री एन० बारा की पदोन्नति 4-7-75 (दोपहर पूर्व) से स्थानापन्न निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

कस्टम हाउस कलकत्ता के निवारक निरीक्षक श्री जे० सी० सेन 31-12-73 (दोपहरबाद) से सेवा से निवृत्त हुए।

कस्टम हाउस कलकत्ता के निवारक निरीक्षक श्री आर० फरदाडो 9-7-74 (दोपहर बाद) से सेवा से निवृत्त हुए।

कस्टम हाउस कलकत्ता के निवारक निरीक्षक श्री पी० के० गोस्वामी 30-4-75 (दोपहर बाद) से सेवा से निवृत्त हुए।

कस्टम हाउस कलकत्ता के निवारक निरीक्षक श्री बी० अरोरा 30-6-75 (दोपहर बाद) से सेवा से निवृत्त हुए।

कस्टम हाउस कलकत्ता के निवारक निरीक्षक श्री एस० के० वेनर्जी 31-1-76 (दोपहर बाद) से सेवा से निवृत्त हुए।

डी० एन० लाल
सीमा शुल्क समाहर्ता, कलकत्ता।

केन्द्रीय जल प्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई 1976

सं० 19012/454/73-प्रशा० पांच—श्री आर० के० खन्ना, अतिरिक्त सहायक निदेशक के जल और विद्युत् विकास परामर्शी सेवाएं (भारत) लिमिटेड के अन्तर्गत विदेश सेवा पर चले जाने के परिणामस्वरूप उन्होंने दिनांक 6 जुलाई, 1976 के अपराह्न से केन्द्रीय जल प्रायोग में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी० जी० मेनोन
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल प्रायोग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई 1976

सं० 1/327/69-ई० सी०-9—इस विभाग के श्री जे० एल० सहगल, वरिष्ठ वास्तुक का 12 जून, 1976 को देहान्त हो गया।

श्री० पी० सी० वर्मा
प्रशासन उप-निदेशक

रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 14 जुलाई 1976

सं० 73/डब्ल्यू०-6/टी० के०/34—रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के निम्नलिखित रेलपथ के अनुरक्षण का काम उत्तर रेलवे से पश्चिम रेलवे को हस्तान्तरित कर देने का अनुमोदन किया है, लेकिन कोई कर्मचारी स्थानान्तरित नहीं किया जाएगा :—

फुलेरा-कुचामन रोड खण्ड पर किलोमीटर 1/7-8 से किलोमीटर 1/10 तक का मीटर लाइन रेलपथ। सीमांकन बिन्दु अब किलोमीटर 1/10 होगा।

ये समायोजन रेलपथ के समुचित अनुरक्षण की दृष्टि से किये गये हैं।

रेल प्रशासन सभी आवश्यक परिशोधन कर लें।

बी० मोहन्ती
सचिव, रेलवे बोर्ड
एवं भारत सरकार के पदेन संयुक्त सचिव

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी ला बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 धारा 445 के अन्तर्गत और चैम्बर आफ कामर्स, अलीगढ़ के सम्बन्ध में

कानपुर, दिनांक 14 जुलाई 1976

नोटिस

सं० 1487/2180-लिक्वीडेशन—बहुकम हाई कोर्ट इलाहाबाद दिनांक 17-4-1974 जो कि कम्पनी पिटीशन नम्बर 27 वर्ष 1973 के अनुसार हुआ है।

चैम्बर आफ कामर्स, अलीगढ़ के कार्यों को बन्द किया जाता है और उसके कार्यों की देखभाल आफिसियल लिक्वीडेटर, इलाहाबाद को सौंप दिया गया है।

एस० नारायणन
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
उत्तर प्रदेश, कानपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं अवधुत महाराष्ट्र श्रुगरकेन इन्डस्ट्रीज लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1976

सं० 5688/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि अवधुत महाराष्ट्र श्रुगरकेन इन्डस्ट्रीज लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं प्रेसीडेन्सी इन्डस्ट्रियल बैंक लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1976

सं० 2566/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि प्रेसीडेन्सी इन्डस्ट्रियल बैंक लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं गंगलीलीओ इन्स्ट्रूमेंट्स लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 15 जुलाई 1976

सं० 12347/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि गंगलीलीओ इन्स्ट्रूमेंट्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं फोरमोस्ट एजेन्सीज लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 15 जुलाई 1976

सं० 15763/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि फोरमोस्ट एजेन्सीज लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

पी० टी० गजवाणी
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स दामजी जेठाभाई एन्ड ब्रदर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1976

सं० 560/850—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास अवसान पर मैसर्स दामजी

जेठाभाई एन्ड ब्रदर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 (2) के अधीन सूचना : मैसर्स संकेत प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21 जुलाई 1976

सं० 2174/लीक्वीडेशन—कम्पनी अरजी नं० 30/1975 में अहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 19-4-76 के आदेश द्वारा मैसर्स संकेत प्राईवेट लिमिटेड का परिसमापन का आदेश दिया गया है।

जे० गो० गाथा
प्रमंडल पंजीयक
गुजरात।

कम्पनी अधिनियम 1956 और लन्डन क्लीनर्स एण्ड डायर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 21 जुलाई 1976

सं० 24069/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर लन्डन क्लीनर्स एण्ड डायर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० सी० नाथ
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

आयकर आयुक्त का कार्यालय

मेरठ, दिनांक 5 अप्रैल 1976

सं० 98/75 आर० ई० सी० वाई०—भारत सरकार का चूँकि यह मत है कि जनहित में यह आवश्यक तथा उचित है कि उन व्यक्तियों के नामों और अन्य विवरणों को प्रकाशित कर दिया जाये जिनको वेल्थ टैक्स ऐक्ट, 1957 (27 आफ 1957) के अधीन वित्तीय वर्ष 1974-75 की अवधि में 10 लाख रुपये से अधिक शुद्ध वेल्थ पर आंका गया है।

और अतः वेल्थ टैक्स ऐक्ट 1957 (27 आफ 1957) की धारा 32 ए० के अधीन अधिकारों का प्रयोग करते हुए निर्देश दिया जाता है कि उपरोक्त करदाताओं के नाम और अन्य विवरण प्रकाशित किए जायें।

मैं आयकर आयुक्त, मेरठ अतः वे नाम और अन्य विवरण उपरोक्त करदाताओं जो मेरे अधिकार क्षेत्र में हैं इस विज्ञप्ति में दिए 'संलग्न' के अनुसार प्रकाशित करता, हूँ।

परिशिष्ट

नीचे लिखी सूची उन करदाताओं के नाम और पते प्रदर्शित करती है जिनकी (ए) वेल्थ टैक्स ऐक्ट 1957 (27 आफ 1957) के अधीन वित्तीय वर्ष 1974-75 के अधीन 10 लाख रुपये से अधिक शुद्ध आय पर आंका गया है, (बी) दर्जा (सी) आयकर का वर्ष (डी) वेल्थ घोषित (ई) वेल्थ आंकी गई (ए) देय कर (जी) कर भुगतान—

(1) श्रीमती राजकुमारी अग्रवाल, मोदी नगर, (बी) व्यक्तिगत (सी) 1974-75 (डी) 10,35,022 रु० (ई) 10,44,200 रु० (एफ) 16,326 रु० (जी) 16,326 रु०।

(2) श्री नासिर अली, तिलक रोड, मेरठ (बी) व्यक्तिगत (सी) 1973-74 (ई) 10,20,340 रु० (एफ) 10,20,340 रु० (जी) 15,609 रु० (एच) 15,609 रु०।

(3) श्री नासिक अली, तिलक रोड, मेरठ (बी) व्यक्तिगत (सी) 1972-73 (डी) 9,914,700 रु० (ई) 11,03,200 रु० (एफ) 18,096 रु० (जी) 18,996 रु०।

सं० 98/75 (रिकवरी)—चूँकि भारत सरकार का मत है कि जनहित में यह आवश्यक तथा उचित है कि उन व्यक्तियों के नाम और अन्य विवरण जो कि परिशिष्ट 1, 2, 3, 4 व 5 में दिए हुए हैं प्रकाशित कर दिए जायें।

अतः, आयकर कानून 1961 की धारा 287 की उपधारा (1) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए निर्देश दिया जाता है कि उपरोक्तानुसार आयकर दाताओं के नाम और अन्य विवरण प्रकाशित कर दिये जायें।

मैं आयकर आयुक्त, मेरठ ऐसे करदाताओं के नाम और अन्य विवरण उपरोक्तानुसार प्रकाशित करता हूँ। जो मेरे अधिकार क्षेत्र में हैं तथा इस विज्ञप्ति के परिशिष्ट में हैं।

परिशिष्ट-1

नीचे लिखी सूची उन व्यक्तियों को दर्शाती है (ए) नाम और पते उन करदाताओं के जो व्यक्तिगत या हिन्दू अविभाजित परिवार हैं तथा जिनकी शुद्ध आय एक लाख रुपये से अधिक है 1974-75 वित्तीय वर्ष में आंकी गई है (बी) दर्जा (सी) कर का वर्ष (डी) आय जो आंकी गई (एफ) देयकर (जी) का भुगतान।

(1) बी० एस० मोदी एण्ड सन्स मोदी नगर (बी) हिन्दू अविभाजित परिवार (सी) 1974-75 (डी) 1,28,830 रु० (ई) 1,29,600 रु० (एफ) 97,032 रु० (जी) 1,06,549 रु०।

(2) श्री राधे मोहन खन्ना मारफत मिट्ठन लाल एण्ड सन्स गाजियाबाद (बी) व्यक्तिगत (सी) 1974-75 (डी) 1,28,830 रु० (ई) 1,29,600 रु० (एफ) 87,032 (जी) 87,032 रु०।

(3) श्री बी० एल० कपूर, जनरल मैनेजर, मवाना शुगर वर्क्स, मवाना (बी) व्यक्तिगत (सी) 1974-75 (डी) 1,38,482 रु० (ई) 1,40,680 रु० (एफ) 87,226 रु० (जी) 97,226 रु०।

(4) श्री शादी लाल एन्ड संस, शामली (बी) हिन्दू अवि-भाजित परिवार (सी) 1972-73 (डी) 1,42,457 रु० (ई) 1,42,460 रु० (एफ) 65,075 रु० (जी) 65,075 रु०।

(5) नरेन्द्र लाल शादी लाल शामली (बी) व्यक्तिगत (सी) 1972-73 (डी) 1,20,110 रु० (ई) 1,20,110 रु० (एफ) 61,523 रु० (जी) 61,523 रु०।

(6) मुशीला देवी राजेन्द्र लाल, शामली (बी) व्यक्तिगत (सी) 1972-73 (डी) 1,46,022 रु० (ई) 2,90,850 रु० (एफ) 2,20,319 रु० (जी) 2,20,319 रु०।

परिशिष्ट 2

नीचे लिखी सूची दर्शाती है (ए) नाम और पते उन कर दाताओं के जो कि फर्म ए० ओ० पी० या कम्पनियाँ हैं तथा वित्तीय वर्ष 1974-75 की अवधि में उनकी शुद्ध आय 10 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है (बी) दर्जा (सी) आय का वर्ष (डी) आय घोषित (ई) आय जो आंकी गई (एफ) देय-कर (जी) कर भुगतान किया गया :—

(1) रोहम एन्ड हैस कम्पनी, फिलडेलफिया, यू० एस० ए० मार्फत एलकजेन्डर एन्ड कम्पनी बम्बई (बी) कम्पनी (सी) 1974-75 (डी) 34,49,500 रु० (ई) 34,49,500 रु० (एफ) 25,35,378 रु० (जी) 25,35,378 रु०।

(2) मैसर्स दिल्ली आयरन एन्ड स्टील कम्पनी प्राइवेट लि०, गाँजबाबाद (बी) कम्पनी (सी) 1973-74 (डी) 17,34,230 रु० (ई) 17,80,900 रु० (एफ) 10,69,467 रु० (जी) 10,69,467 रु०।

(3) अपर दो आय शुगर मिल्स लि० शामली (बी) कम्पनी (सी) 1972-73 (डी) 25,52,570 रु० (ई) 57,16,159 रु० (एफ) 32,21,015 रु० (जी) 32,21,015 रु०।

(4) जानकी शुगर मिल्स, डोईवाला (देहरादून) (बी) आर० एफ० (सी) 1974-75 (डी) 14,46,155 रु० (ई) 14,60,440 रु० (एफ) 4,17,320 रु० (जी) 1,59,425 रु०।

परिशिष्ट 3

नीचे लिखी सूची दर्शाती है (ए) नाम और पते उन आयकर दाताओं के जिन पर 5,000 रु० से कम पैतलटी वित्तीय वर्ष 1974-75 में नहीं लगी हो (बी) दर्जा (सी) कर वर्ष (डी) पैतलटी की राशि।

(1) जानकी शुगर मिल्स, डोईवाला (देहरादून) (बी) आर० एफ० (सी) 1970-71, (डी) 5,000।

(2) श्री राम सरन मालिक मैसर्स सुनील टैक्सि सर्विस, 65, गान्धी रोड, देहरादून, (बी) व्यक्तिगत (सी) 1970-71 (डी) 6,120 रु०।

परिशिष्ट-4

नीचे लिखी सूची दर्शाती है (ए) नाम उन व्यक्तियों के जिन्होंने 9 माह में अधिक परन्तु 1 वर्ष 3 माह से कम अवधि देरी की (बी) दर्जा (सी) कर का वर्ष (डी) भुगतान जो अभी बाकी है :—

1. श्रीमती भगवती देवी, डोईवाला (देहरादून) (बी) व्यक्तिगत (सी) 1972-73 (डी) 54,211 रु०।

(2) श्री माधोलाल, डोईवाला (देहरादून) (बी) व्यक्तिगत (सी) 1972-73 (डी) 47,319 रु०।

परिशिष्ट-5

नीचे लिखी सूची उन व्यक्तियों की है जिन्होंने 2 वर्ष 3 माह की देरी की (बी) स्टेटस (सी) कर का वर्ष (डी) भुगतान जो बाकी है :—

(1) के० एम० रशीद अहमद 77 बक स्ट्रीट मेरठ (बी) व्यक्तिगत (सी) 1946-47 (डी) 2,87,357 रु०।

(2) डी० पी० भटनागर, खैरनगर मेरठ (बी) व्यक्तिगत (सी) 1945-46 (डी) 37,637 रु०।

(3) मनमोहन सेहगल, नाज मन्डी, मुजफ्फरनगर (बी) व्यक्तिगत (सी) 1947-48 से 1958-59 तक (डी) 1,44,095 रु०।

4. कृपाराम श्रीगोपाल, नाजमन्डी, मुजफ्फरनगर (बी) यू० आर० एफ० (सी) 1956-57 से 60-61 तक (डी) 2,25,244 रु०।

(5) कृपाराम मार्फत मैसर्स कृपाराम श्रीगोपाल, नाजमन्डी, मुजफ्फरनगर (बी) व्यक्तिगत (सी) 1960-61 से 1962-63 तक (डी) 1,75,510 रु०।

बी० पी० शर्मा
आयकर आयुक्त
मेरठ

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1976

सं० जुरि०-दिल्ली/2/76-77/15116—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय में पहले के सभी आदेशों में संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उक्त अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्ट/सर्किल के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्रों, व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के संबंध में उक्त अधिनियम के अन्तर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के समस्त कार्य करेंगे।

अनुसूची

रेंज	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
1	2
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-2-ए, नई दिल्ली।	कंपनी सर्किल—1, 4, 5, 8, 9, 11 और 21, नई दिल्ली।
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-2 बी, नई दिल्ली।	1. डिस्ट्रिक्ट-6 (1), 6 (2), 6 (3), 6 (4), 6 (5), 6 (6), 6 (7), 6 (8), 6 (9) और 6 (10). नई दिल्ली।
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-2, सी-व-संपदा शुल्क, नई दिल्ली	1. कंपनी सर्किल-6, 17, 18 और 22 नई दिल्ली 2. स्पेशल सर्किल-1 और 1 (एडीशनल) 2, 2 (एडीशनल) और 7, नई दिल्ली। 3. ठकेदार सर्किल, वार्ड ए, बी, सी, डी और ई नई दिल्ली। 4. वकील सर्किल 1 और 2, नई दिल्ली। 5. संपदा शुल्क-व-आयकर सर्किल और एडीशनल संपदा शुल्क-व-आयकर सर्किल, नई दिल्ली।

यह अधिसूचना 19-7-76 से लागू होगी।

सं० जुरि०-दिल्ली/2/76-77/14665—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों

का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि 19-7-76 से निम्नलिखित आयकर रेंज बनाया जायेगा :

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, दिल्ली रेंज-2 सी-व-संपदा शुल्क, नई दिल्ली।

टिप्पणी : निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-2 बी-व-संपदा शुल्क, नई दिल्ली का पदनाम अब निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-2 बी, नई दिल्ली होगा।

जगदीश चन्द्र
आयकर आयुक्त
दिल्ली-2, नई दिल्ली।

वाणिज्य मंत्रालय

कण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र

गांधीधाम कच्छ, दिनांक 1 जुलाई, 1976

साधारण केन्द्रीय सेवा (अस्थायी सेवा) कानून 1965 के कानून 5 के उपकानून (1) के अधीन सेवाओं के समाप्ती का आदेश जारी किया

नं० एफ० टी० जेड० /स० स०/गुप्त/1/75/9692:—
साधारण केन्द्रीय सेवा (अस्थायी सेवा) कानून -5 के उपकानून (1) के अनुसरण में, मैं श्री कृष्ण प्रताप सिंह चौहान इस प्रशासन के उच्च श्रेणी लिपिक की सेवाओं को इस प्रशासन से समाप्त करता हूँ। और आदेश देता हूँ कि वह वेतन व भत्ते जिस दर पर वह सेवाओं की समाप्ती के शीघ्र पहले वेतन पाता था के बराबर की रकम को पाने का शीघ्र अधिकारी है।

एन० बिठूल
विकास आयुक्त

श्रम मन्त्रालय

श्रम ब्यूरो

शिमला-171004, दिनांक 14 अगस्त 1976

नं० 23/3/76-सी० पी० आई०—जून, 1976 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार 1960=100) मई, 1976 के स्तर से एक अंक बढ़कर 291 (दो सौ इक्कानवे) रहा। जून, 1976 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 354 (तीन सौ चौवन) आता है।

के० के० भाटिया,
संयुक्त निदेशक

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 6 जुलाई 1976

निदेश सं० एल० डी० एच०/सी०/1720/75-76:—अतः

मुझे, ग० प० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य बाजार 25,000/-र० से अधिक है

और जिसकी सं० खाली जमीन जो कि 1 बीघा 12 बिस्वे 0 विसवान्सी है अतः अम्बाला जालन्धर बाईपास से लगभग 2 फर्लांग दूर है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सरदारा सिंह, पुत्र श्री करम सिंह, निवासी ग्राम जोधवाल तहसील लुधियाना (अन्तरक)

(2) मै० सरदार कोल्ड स्टोरेज एण्ड राईस मिल्ज, ग्राम सेखेवाल, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली भूमि जो कि 1 बीघा 12 बिस्वे 0 विसवान्सी है अतः अम्बाला जालन्धर बाईपास से लगभग 2 फर्लांग दूर ग्राम जोधवाल तहसील लुधियाना में स्थित है।

खसरा नं० 985/26, खाता नं० 438/466 जमाबन्दी नं० 1970-71।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6452 दिसम्बर, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय लुधियाना, में लिखा है)।

ग० प० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 6 जुलाई 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 6 जुलाई 76

निदेश सं० लुधियाना/सी० /1707/75-76:—यतः
मुखे, ग० प० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 11-एच०, सरायानगर, है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रोशन लाल खन्ना पुत्र श्री गोपी चन्द, द्वारा मैं० गोपी चन्द रोशन लाल, जी० टी० रोड लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश कुमार गोयल, पुत्र श्री बाबू राम निवासी नीलकण्ठा सिनेमा रोड, गोयल बिल्डिंग लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा रही हैं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 11-एच०, सरायानगर, लुधियाना (जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 6374, दिसम्बर, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है ।)

ग० प० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 6 जुलाई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री कुलदीप सिंह जोहर पुत्र श्री नारायण दास निवासी सी०/5/5, सफदरजंग ऐनकलेब डबैलपमेंट एरिया नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ- (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 5 जुलाई 1976

निदेश सं० पटियाला/1507/75-76:—यतः मुझे, ग० प० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 6-बी, माडल टाउन है तथा जो पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
3—196 GI/76

(2) श्रीमती प्रकाश बति, पत्नी श्री सतिन्दर प्रकाश निवासी 6 बी, माडल टाउन पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 6 बी०, माडल टाउन पटियाला (जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के बिलेख नं० 3466 दिसम्बर, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है ।

ग० प० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 5 जुलाई 76

मोहर ;

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई 1976

निदेश नं० 1603 :—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो खौआसपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री सुरिन्द्र नाथ सुपुत्र श्री रोशन लाल सुपुत्र श्री हंसराज जैन, मोहल्ला गढ़ी, होशियारपुर अपने लिये तथा जैनर्ल अटार्नी पुष्पा रानी अलीभास पुष्पा रानी कान्ता, प्रेमलता सगी बहनें तथा मोहिन्द्र नाथ सगाभाई 72 कैनिंग स्ट्रीट कलकत्ता (कलकत्ता) (अन्तरक)

(2) श्री ओमेश कुमार सुपुत्र श्री मगन नाथ सुपुत्र श्री हंस राज, अचल कुमार, अरुन कुमार, सुपुत्र श्री जालिन्दरपाल सुपुत्र श्री मगन नाथ, कसम लता पत्नी श्री कुलभूषण तथा सरीता रानी पत्नी श्री क्रांति कुमार सुपुत्र श्री मगन नाथ, मोहल्ला खरादीयान, होशियारपुर । (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3349 दिसम्बर, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में लिखा है

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई 1976

निदेश सं० 1604:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सेवा सिंह सुपुत्र श्री गुल्ला सिंह, दयाल नगर, जालन्धर । (अन्तरक)

(2) श्री गुरदेक सिंह सुपुत्र श्री गुरवित्त सिंह, एन० के० 218, चरणजीत पुरा, जालन्धर । (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7937 दिसम्बर, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-7-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/III/एस० आर० III नम्बर/446 (8) /75-76 :—अतः मुझे, एस० सी० पारीजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 5526, प्लॉट नं० 474, गली नं० 73-74, ब्लाक बी०, रहगरपुरा, करौल बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-11-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गणेश राम, सुपुत्र श्री मोहन लाल, मकान नं० 5526, गली नं० 73-74, रहगरपुरा, करौल बाग नई दिल्ली । (अन्तरक)

(2) श्री राम किरपास, सुपुत्र श्री भुवन सरन तथा सुरेन्द्र कुमार, सुपुत्र श्री आनन्द प्रकाश, निवासी मकान नं० 2303, धरमपुरा, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक डबल स्टोरी ब्लिडिंग का 1/2 भाग जिसका मकान नं० 5526 तथा प्लॉट नं० बी-474, गली नं० 73-74 है, रहगरपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली में 75 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जोकि निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : मकान नं० 5527

पश्चिम : प्लॉट नं० 5526 का शेष भाग

उत्तर : गली नं० 73

दक्षिण : गली नं० 74

एस० सी० पारीजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती सारती, पत्नी स्वर्गीय श्री मीर सिंह, निवासी
रासूलपुर गांव, दिल्ली ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यु०/III/एस० आर०-II/
नवम्बर / 1075(11) /75-76 :—अतः मुझे, एस० सी०
पारीजाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० कृषि भूमि 50 बीगा तथा 11 बिसवा
है तथा जो रासूलपुर गांव, दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-11-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(2) श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री श्रीराम रामपुर कुंदल
गांव, जिला सोनीपत (हरियाणा)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि का भूमि 1/2 जिसका क्षेत्रफल 101 बीगा तथा 2
बिसवा है, खसरा नं० 1/23 (3-15), 24 (5-1), 3/4
(5-12), 5/22 (3-8), 23 (5-0), 13/25 (4-16),
14/21 (4-13), 14/3 (4-13), 8 (4-16), 12 (4-12),
13 (4-16), 19 (4-16), 20 (4-16), 22 (4-16), 16/3/1
(1-12), 19/5 (4-13), 20 (4-14), 11 (4-14), 12
(4-16), 13 (4-10), 18 (4-14), 26/51 (0-18), है,
रासूलपुर गांव, दिल्ली राज्य में स्थित है ।

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III दिल्ली, नई दिल्ली -1

तारीख : 17-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14-क आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/III/एस० आर०-III/नवम्बर/440 (2)/75-76:—अतः मुझे, एस० सी० पारीजा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

और जिसकी सं० बुकान नं० 45 है तथा जो बैयरड रोड, नेहरू बाजार, पहाड़गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-11-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अमर नाथ, सुपुत्र श्री जवाला दास, निवासी डब्ल्यू० जैड-43, मिनाकशी गार्डन, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री तारसीम सिंह, सुपुत्र श्री उजागर सिंह तथा श्रीमती अमरजीत कौर, पत्नी श्री बिशन सिंह, निवासी एल०/161, राम नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बुकान जिसका क्षेत्रफल 19.7 वर्ग गज है, और नं० 45 है, बैयरड रोड, (नेहरू बाजार), पहाड़गंज, नई दिल्ली में स्थित है।

एस० सी० पारीजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एस० गोविन्दराजुलु और आदि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 जुलाई 1976

निदेश सं० 11 नवम्बर/75 :—यतः, मुझे, जी०
रामनाथन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 8 है, जो फेर लान्ड्स, अलगपुरम
सेलम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम
(पत्र सं० 4405/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 26) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(2) श्रीमती वी० पंखजम, टी० चन्द्रीका देवी और वी०
वसन्ता

(अन्तरिती)

(3) श्री एल० सोहनलाल चौदरी (वह व्यक्ति जिसके
अभिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सेलम, अलगपुरम गांव फेर लान्ड्स डोर सी० 8 एस०
सं० 115 में 6804 स्क्वयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामानाथन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 15-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री टी० वेंकटरामन (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती ती० आर० सरोजा (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 जुलाई 75

- (3) 1. एस० बी० ट्रेड्स,
2. टी० राजगोपाल
3. बी० हीरालाल
4. श्रीमती जैन मण्डल
5. मोतीलाल
6. लालचन्द
7. चम्पालाल
8. रामचन्द्रिया
9. तिरुवेकटाचारी

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

निदेश सं० 52/नवम्बर/75-76:—यतः मुझे, जी०
रामानाथन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

और जिसकी सं० 44 है, जो कृष्णप्प नायकन अग्रहारम
मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास
(पत्र सं० 842/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, तय पाया गया निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

मद्रास, कृष्णप्प नायकन अग्रहारम डोर सं० 44 (आर०
एस० 274) में एक ग्राउन्ड और 704 स्क्वयर फीट की भूमि
(मकान के साथ)।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख : 15-7-1976
मोहर।

जी० रामानाथन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज -I, मद्रास

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 जुलाई 1976

निदेश सं० 57/नवम्बर/75-76—यतः मुझे, जी० रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 187, है, जो पूनमल्ली है रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 3127/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—196GI/76

(1) श्री जी० रामेश्वर लाल शर्मा और लीला राम
(अन्तरक)

(2) श्री एम० बालसुब्रमणियम,
एम० रंयनाथन
एम० परमेश्वरन

(अन्तरिती)

(3) 1. श्री वी० एस० राजपान्डियन
2. एम० कुन्जीतपातम चेट्टीयार
3. गोविन्दराज
4. एम० सी० आर० सामि

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री अरुल मिगु एक्काम्बरेस्वरर दवस्तानम (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-29, पूनमल्ली है रोड, डोर सं० 187 (आर० एस० 70/2 भाग) में मकान।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 15-7-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

- (1) श्रीमती बी० रम्माल और के० पलनियप्पन
(अन्तरक)
- (2) श्री ए० पी० तमिल अरसु
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जुलाई 1976

निदेश सं० 67/नवम्बर/75-76 :—वतः, मुझे, जी० रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो चेंगपल्ली, सेलम जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेतूर (पत्र सं० 1668/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चेंगपल्ली गांव रास सं० 61/2 (2.61½ एकड़), 62/1, (0.06½), 63/2 II (0.29), 63/2 सी० (0.68), 64 (4.03½) 65/1ए (0.20½), 65/1डी (1.44), 65/1 ई० (1.04), 66/1 ए० (0.16½), 66/1 बी० (0.25), 566/1 डी० (0.14), 66/1 सी (0.90), 66-1 के० (0.46) और 66/3 (0.58½) में 12.86½ एकड़ की भूमि।

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 16-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1976

निर्देश सं० 75/नवम्बर/75-76 :—यतः मुझे, जी०

रामानाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 19 बी० है, जो नरासमह चेट्टीयार रोड सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (पत्र सं० 3342/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित भी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० जयराम, प्रेमराज शण्मुगसुन्दरम और शिवशंकरन । (अन्तरक)

(2) श्री आर० सत्यनारायणन और संकरन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सेलम, तिरुमलैगिरि रोड डोर सं० 19 बी०, टी० एस० सं० 27/2 में 1364 स्क्वियर मीटर की भूमि (मकान के साथ) ।

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 17-7-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० कृष्णन चिन्ना लपट्टी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जुलाई 1976

निदेश सं० 92/नवम्बर, /75-76 :—यतः मुझे, जी०
रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं०

है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण और रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, मदुरै (पत्र सं० 3327/75) में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर,
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री कलैमोहन मदुरै

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कीलक्कोट्टे गांव सखे सं० 14 (डोर सं० 10/13, 9,
10, 11,) में 2.34 एकड़ की भूमि (और मकान) और डोर
सं० 15/1.35 में 21'×26' की भूमि (और मकान) और
डोर सं० 15/5, 16 में 27'×26' की भूमि (और मकान)
और मदुरै पाप्पाकुडि गांव सखे सं० 353/2 सी० में 5 सेन्ट
की भूमि ।

जी० रामानाथन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 14-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) पी० कृष्णन्

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जुलाई 1976

निर्देश सं० 93/नवम्बर/75-76:—यतः मुझे, जी० रामानाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है,

जो [में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै (पत्र सं० 3328/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 ((1908 का 16) के अधीन 16 नवम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(2) श्री शिवसुब्रमणियम मदुरै

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कीलक्कोट्टे गांव सर्वे सं० 14 (डोर सं० 10/13,9,10, 11) में 2.34 एकड़ की भूमि (और मकान) और डोर सं० 15/1.35 में 21'×26' की भूमि (और मकान), और डोर सं० 15/5, 16 में 27'×26' की भूमि (और मकान) और मदुरै पाप्पाकुडि गांव सर्वे सं० 353/2 सी० में 5 सेन्ट की भूमि।

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 14-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० कृष्णन्

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कलैनेसन, मदुरै

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जुलाई 1976

निदेश सं० 94/नवम्बर/75-76:—यतः मुझे, जी० रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं०

है,

जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै (पत्र सं० 3334/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 16 नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में, कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कीलक्कुडि गांव सखे सं० 14 (डोर सं० 10/13, 9, 10, 11) में 2.34 एकड़ की भूमि (और मकान) और डोर सं० 15/1.35 में 21' × 26' की भूमि (और मकान) और डोर सं० 15/5, 16 में 27' × 26' की भूमि (और मकान) और मदुरै पाप्पाकुडि गांव सखे सं० 353/2 सी० में 5 सेन्ट की भूमि।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 14-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० कृष्णन

(अन्तरक)]]

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कलैसेलवन, मदुरै

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जुलाई 1976

निदेश सं० 95/नवम्बर/75-76:—यतः मुझे, जी०
रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं०

है,

जो _____ में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै (पत्र सं० 3335/75)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 16 नवम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

कीलक्कुडि गांव सर्वे सं० 14 (डोर सं० 10/13, 9,
10,11) में 2.34 एकड़ की भूमि (और मकान) और डोर
सं० 15/1.35 में 21'×26' की भूमि (और मकान) और डोर
सं० 15/5.16 में 27'×26' की भूमि (और मकान) और
मदुरै पाप्पाकुडि गांव सर्वे सं० 353/2 सी० में 5 सेन्ट की भूमि।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 14-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, 123 माऊंट रोड, मद्रास 600006

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1976

निर्देश सं० 2788/75-76:—यतः मुझे, एस० राजरटनम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० नया टी० एस० सं० 3/541 अशोका
नगर ले आउट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जे० एस० आर० III कोयम्बतूर (डाकुमेन्ट 4022/75) में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अशोका चेरिटीस (मेनेजिंग ट्रस्टी एम० ए० गोविन्द
राजलु के द्वारा)

(अन्तरक)

(2) श्री पी० बालन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, कोमरपालयम गांव, अशोका नगर ले आउट
में 45 सेंट और 75 स्क्वियर फीट की भूमि, कुआँ और रोड।
(नया टी० एस० 3/541)

एस० राजरटनम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 17-7-1976

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री कन्त पिल्ले

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 123 माऊंड रोड, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1976

निवेश सं० 3468/75-76:—यतः मुझे, एस० राजरदनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4 ए, बनिकर स्ट्रीट, कान्चिपुरम 40 सेन्ट की भूमि (मकान के साथ) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II कान्चिपुरम (डाकुमेण्ट 3142/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-11-75 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
5—196GI/76

(2) श्री ई० घनेसन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(1) कान्चिपुरम बनिकर स्ट्रीट, डोर सं० 4 ए में 9 सेन्ट की भूमि और मकान (सर्वे सं० 550)।

(2) सर्वे सं० 555 में 0.31 सेन्ट की भूमि। और

(3) कुम्रा, मोटार में 1/3 भाग।

एस० राजरदनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 6-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री शिव शंकर पिल्लै

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ई० सेलवराजू

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 123 माऊंट रोड, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

निर्देश सं० 3468/75-76:—यतः मुझे, एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 4 ए० वनिकर स्ट्रीट, कान्चिपुरम 40 सेन्ट की भूमि (मकान के साथ) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II, कान्चिपुरम (डाकु-मेण्ट 3145/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(1) कान्चिपुरम, वनिकर स्ट्रीट, डोर सं० 4 ए में 9 सेन्ट की भूमि और मकान (सर्वे सं० 550)।

(2) सर्वे सं० 555 में 0.31 सेन्ट की भूमि। और

(3) कुआँ, मोटार में 1/3 भाग।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

तारीख : 6-7-1976

मोहर :

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री शम्भुप्प सन्दरम पिल्लै

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ई० सैडैयान्छि

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1976

निदेश सं० 3468/75-76:—यतः मुझे, एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० वनिकर स्ट्रीट, कानचिपुरम (40 सेन्ट की भूमि (मकान के साथ) में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II, कान्चिपुरम (डाकुमेण्ट 3140/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

- (1) कान्चिपुरम, वनिकर स्ट्रीट, डोर सं० 4 ए० में 9 सेन्ट की भूमि और मकान (सर्वे सं०-550)
- (2) सर्वे सं०-555 में 0.31 सेन्ट की भूमि। और
- (3) कुआं, मोटार में 1/3 भाग।

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 6-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री शन्मुगा सुन्दरम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती कम्मल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 123, माऊन्ट रोड, मद्रास-600006

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

मद्रास-600006 दिनांक 6 जुलाई 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 2800/75-76:—यत मुझे, एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है

और जिसकी सं० तोलुवन तण्डलम गांव और आरिया पेरुम्बाक्कम में भूमि (12.03 एकड़) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिग कान्चिपुरम (आकुमेण्ट 3141/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तोलुवन तण्डलम गांव में 8.57 एकड़ की भूमि जिसका एस० सं० 72/1 (1-22); 73/3 (0.64); 84/3 ए० (0.76); 86/1 (1-15); 86/2 (0-61); 87/1 (0.21); 87/2 (0.34); 87/3 (0.75); 87/4 (0.24); 87/5 (0.92); 87/6 ए० (1-64); 87/6 बी० (0.09);

आरिया पेरुम्बाक्कम गांव में 3.46 एकड़ की भूमि जिसका एस० सं० 34 (1-40); 27/3 (1-12); 28/2 (0-75); 37/5 (0-19)

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 6-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री कन्त पिल्लै

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जी० देविका रानी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 123, माऊन्ट रोड, मद्रास-600006

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास-600006, दिनांक 6 जुलाई 1976

निदेश सं० 2800/75-76:—यतः मुझे, एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० आरिय मेरम्बाक्कम गांव में 15-08 एकड़ की भूमि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिग कान्चिपुरम (डाकुमेण्ट 3143/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आरिय मेरम्बाक्कम में 15.08 की भूमि जिसका एस० सं० -1/23 (0.49); 9 (0.15); 29/4 (0.64); 30 (0.39); 36 (1-15); 321/4 (0.10); 32/2 (331); 35 (2-98); 326 (0-63); 327/1 (5-24)।

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 6-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री सिवसंकरम पिल्लै

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 123, माऊन्ट रोड, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 6 जुलाई 1976

निदेश सं० 2800/75-76:—यतः मुझे, एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० तोलुवन तण्डलम और आरिय पेस्वाक्कम में भूमि (15-77एकर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विंग कान्चिपुरम (शकुमेण्ट 3146/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्रीमती सरस्वति अम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तोलुवन तण्डलम में 5.58 एकड़ की भूमि जिसका एस० सं० 84/3बी० (0-33); 84/3सी० (0-37); 91/1 (1-60); 91/2 (1-36); 91/3 (0-14); 91/4 (0-84); 91/5 (0-12) 91/6 (0-82)।

आरिय पेस्वाक्कम में 10-19 एकड़ की भूमि जिसका एस० सं० 29/1 (0.46); 29/2 (3-10); 318 (0-19); 323 (1-61); 324/1 (2-15); 324 (2-07); 330/1 (0-31); 330/3 (0-30)।

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 6-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री वैलायुदम पिल्लै

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती देविका रानी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेंज-II, 123, माउन्ट रोड, मद्रास-600006

मद्रास-600006; दिनांक 6 जुलाई 1976

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

निर्देश सं० 2800/75-76:—यतः राजरदनम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० आरिय मेरुम्बाक्कम में 5-76 एकड़
की भूमि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिग
कान्थिपुरम (शकुमेण्ट 3147/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-11-1975 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

आरिय मेरुम्बाक्कम में 5-76 एकड़ की भूमि जिसका
एस० सं० 327/2-सी० (0-78); 351/4 (0-64); 351/
6 (0-97); 351/8 (0-45); 351 (0-12); 352/
1 ए० (2-58) और 352/1 बी० 1 (0-22)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

एस० राजरदनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 6-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० एम० कोशि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती बी० लक्ष्मी रेड्डी

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 123, माउन्ट रोड, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 12 जुलाई 1976

निदेश सं० 1991/75-76 :—यतः मुझे, एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 9, बी० ओ० सी० स्ट्रीट, कोडम्बाक्कम, मद्रास (आर० एस० सं० 9/6 (भाग) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, को डम्बाक्कम (डाकुमेण्ट 3468) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

डोर सं० 9, बी० ओ० सी० स्ट्रीट, कोडम्बाक्कम, मद्रास (8 ग्राउण्ड और 32 स्क्वियर फीट की भूमि और मकान जिसका आर० एस० सं० 9/6 (भाग) कोडम्बाक्कम ब्लॉक सं०-14, टी० एस० सं० 30/1

एस० राजरटनम
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 12-7-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्री टी० गोविन्दस्वामि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 जुलाई 1976

निदेश सं० 1999/75-76—यतः, मुझे, एस० राजरतनम अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० बी०, वीनस जो कालनि, मद्रास-18 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाकुमेण्ट 1571/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—196GI/76

(2) श्रीमती लीला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास -18 प्लॉट सं० -1 बी०, वीनस कालनि -3 ग्राउण्ड और 4 स्क्वयर फीट (आर० एस० सं० 1553/1 भाग)।

एस० राजरतनम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 15-7-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जुलाई 1976

निदेश सं० 5034/75-76 :—यतः, मुझे, एस० राजरतनम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 38, लायस रोड, है तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-11-75

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० टी० शन्मुखसुन्दरम, पी० एस० अरमुधम और रामलिंगम ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० नीता; एन० धीता; ए० हेमा और एन० राजेश ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास, लायस रोड, डोर सं० 38 में भूमि और मकान ।

एस० राजरतनम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 16-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(किराएदारों की सूची)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1976

निर्देश सं० अ० ६० 2/2069/4138/75-76— अतः,
मुझे, जी० ए० जेम्स,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है और जिसकी

सं० एस० सं० 29 ए०, हि० सं० 1 (पार्ट) प्लॉट सं० 4 है, जो
विले पार्ले अंधेरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में प्लॉट सं० 3 भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-11-75 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा के (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री लीला ग्राम नागपाल 111, सोमेरेस्ट हाउस
61 जी० वार्डन रोड, बम्बई-26 (अन्तरक)
- (2) नागपाल प्राईवेट लि० 303, अष्टम मेम्बर, तारदेव
रोड, बम्बई-34 (अन्तरिती)

- (3) 1. श्री के० एम० गांधी
2. श्री व्ही० डी० मेहता
3. श्रीमती पी० के० ठक्कर
4. श्रीमती एच० एम० बोरा
5. श्रीमती जे० व्ही०, कानानी
6. श्री के० के० शेट

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जिला बम्बई उपनगर अब वृहत्तर बम्बई क्षेत्र के रजिस्ट्रेशन
उपजिला बांद्रा में विलेपले, अंधेरी में स्थित वह सभी भूखंड
पैमाइश में 710 वर्गगज अर्थात् 539.65 वर्गमीटर के लगभग
हैं और खंडूभाई गोपालजी देसाई द्वारा तैयार किए गए "दि०
गुलाब बाग स्कीम" नामक निजी नक्शे या स्कीम का सर्वेक्षण
सं० 29 ए, हिस्सा सं० 1 (अंश) और प्लॉट सं० 4 साथ
में उस पर निमित्त हवेली, मकान और भवन है उसका म्युनि-
सिपल के० वार्ड सं० 8212(2), प्लॉट सं० 4, जी० बी० रोड,
खंडूभाई स्कीम है और उसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हुई
हैं, उत्तर में या उत्तर की ओर उक्त स्कीम का प्लॉट सं० 5
है, दक्षिण में या दक्षिण की ओर उक्त स्कीम का प्लॉट सं० 3 है
पूर्व में या पूर्व की ओर सर्वेक्षण सं० 262 हिस्सा सं० 5 की
जमीन है, पश्चिम में या पश्चिम की ओर उक्त स्कीम का खंडूभाई
देसाई नामक रोड का एक हिस्सा 30 फीट चौड़ा रोड है ।

जी० ए० जेम्स

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बम्बई

तारीख : 14 जुलाई, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1976

निर्देश सं० अ० इ० 4/ए० पी० 225/76-77 :—अतः

मुझे, जी० ए० जेम्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है और जिसकी सं० 137, सी० टी० एस०, 1317 प्लॉट सं० 154 है, जो बरसोवा व्हिलेज में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. कु० तेहमीना तेहमुराम घाडीअली, बोटवाला बिल्डिंग, पहला मंजला सामने : कालबादेवी पो० आफिस, बम्बई-400002 ।

2. कु० पीरोजा तेहमुराम घाडीअली, बोटवाला बिल्डिंग, पहला मंजला सामने : कालबादेवी रोड, बम्बई-400002 । (अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती मणीबेन श्यामलाल
2. श्रीमती शांती पह्लाजरै

3. प्रजीवन मणीलाल मेहता
4. आश्विन मालुकचन्द मेहता
5. चन्दुलाल मालुकचन्द मेहता
6. मुराज मालुकचन्द मेहता
7. श्रीमती लक्ष्मीबाई जमनादास
8. अशोक उद्धवदास
9. कुमार परमानन्द
10. विजय कुमार धीरजलाल मेहता
11. विनोद बन्सीलाल
12. महेन्द्र धीरजलाल मेहता

मैसर्स महावीर कन्स्ट्रक्शन नं०, 285, शिव शक्ति, 12 वां रोड, खार, बम्बई-400052 नामक फर्म में साझेदारी में व्यापार करते हैं। (अन्तरिती)

(4) श्री धीरजलाल मनीलाल मेहता, केअर आफ महावीर कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

रजिस्ट्रेशन जिला बम्बई में तालुका अन्धेरी के गांव बरसोवा में सरकारी दखलकारी खाली जमीन का वह सभी खण्ड या भाग स्थित है उसका सर्वेक्षण सं० 1377 प्लॉट सं० 154 तथा स्ट्रीट सं० 30 है और बरसोवा ग्रीक लैंड का हिस्सा है, पैमाइश में 6173 वर्गगज अर्थात् 5161.30 वर्गमीटर के लगभग हैं और उसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हुई हैं अर्थात् उत्तर में या उत्तर की ओर सी० टी० एस० सं० 1316 की भूमि का प्लॉट है, दक्षिण में या दक्षिण की ओर सी० टी० एस० सं० 1318 की भूमि का प्लॉट है, पश्चिम में या पश्चिम की ओर एक रोड है, पूर्व में या पूर्व की ओर शिव तथा अंबीवली गांव की सीमा है ।

जी० ए० जेम्स

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 14-7-76

अर्जन रेंज-4, बम्बई

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 118/76-77:—यतः मुझे, के० एस०
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है और सं० सर्वे नं०
129/39 है, जो शेखपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 21-11-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहम्मद समीद मिरजा स्व० अजीज मिरजा,
रोड नं० 5, बंजारा हिल्स हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) 1. श्री काजीम आर० पापा पुत्र स्व० ए० आर०
पापा 1938, वैस्ट ग्लीवियोन, अपार्ट
मेन्ट-1 चिक्कागो इलियोनिस 60626 (अमरीका)
किक्कागो इलियोनिस—60626 (अमरीका)

2. शकीला पापा—वही—

3. अमजाद हुसेन हैदरी पुत्र डाक्टर ए० एच०
हैदरी 1/12, जगन्नाथ रोड, नंगम्बक्कम् मद्रास-
600034।

4. शाहैद हुसैन हैदरी पुत्र —वही—

4. अनीस ताहेर पत्नी सिराज अहमद ताहेर
6-3-249/3, बंजारा हिल्स, हैदराबाद -500034

6. श्री झाफर हुसेन हामदरी पुत्र —वही—

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

बंजारा हिल्स, रोड नं० 12 पर जमीन जिसका क्षेत्रफल
5000 वर्गगज है जो सर्वे नं० 129/39 शेख पेट मोजे पर
स्थित है।

उत्तर—अन्तरक की सम्पत्ति सर्वे नं० 129/39।

दक्षिण—ग्राम रास्ता।

पूर्व—घर नं० 8-2-684/2।

पश्चिम—30' रास्ता।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 76

सं० आर० ए० सी० 119/76-77 :—यतः मुझे, के० एस०-
वेंकटरमन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 6-3-1186 है, जो खैराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-11-75

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० ए० रामचन्द्रा रेड्डी (2) एम० विष्णु कुमार रेड्डी (3) एम० विष्णु कुमार रेड्डी 6-3-871 बेगमपेट, हैदराबाद । (अन्तरक)

(2) श्रीमती रमदेवी पत्नी सुन्दर रामी रेड्डी 6-3-1186, बेगमपेट, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3, क्षेत्रफल 888.5 वर्गगज जो "लक्ष्मीनिवास" घर नं० 6-3-1186, बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है ।

के० एस० वेंकटरमन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-7-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

(1) मिरजा हबीबुल्ला बेग (2) हसीमा बेगम (3) एम०
झाफरुल्ला बेग (4) एम० गालीब बेग 11-5-
625/626 ए० सी० गार्ड, हैदराबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्रीमती वाहजुद्दीसा बेगम पत्नी महबूब हुसेन,
5-3-983, फसीजंग लेन, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

सं० आर० ए० सी० 120/76-77 —यतः मुझे, के०

एस० वेंकटरमन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11-4-625/626 है, जो ए० सी० गार्ड
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
30-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में जिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 -क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 11-4-625 और 626 का भाग जिसका क्षेत्रफल
489-50 वर्ग गज है जो ए० सी० गार्ड, हैदराबाद में स्थित है।
जिसका चौहदी :-

उत्तर—श्री मुस्तफा अली खान की संपत्ति।

दक्षिण—श्री हबीब फैज अली।

पूरब—श्री मिरजा गाली बेग।

पश्चिम—श्री मुस्तफा अली खान।

के० एस० वेंकटरमन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-7-76

मोहर :

प्ररूपाई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 121/76-77:—यतः मुझे, के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-108/5 है, जो नाम पल्ली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
30-11-1075

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाभा चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहम्मद सुल्तानुद्दीन खान पुत्र स्व० मोहम्मद
रहीम खान (2) आयेशा फरजाना पत्नी मोहम्मद
सुल्तानुद्दीन खान 6-3-346/2 खैरताबाद हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री डी० वेंकटाचलम पुत्र स्व० रामय्या 3-4-488,
लिंगम्पल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स हैण्ड लूम सेंटर (ग्रान्धा हैण्डलूम सेंटर)।
श्री डी० वेंकटा चलम भागीदार द्वारा
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तल मजले पर की भलगी नं० 5-8-108/5, स्टेशन राज,
नामपल्ली, हैदराबाद, जिसमें 2 शटर्स; 3 खिड़कियां; 1
तनखी है जिसका क्षेत्रफल 128 वर्ग गज है।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-7-76

मोहर :

प्ररूप आर्द्ध० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269B
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 111/76-77—यतः, मुझे, के०

एस० वेंकटरामन,

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3 सर्वे नं० 39/3 है, जो
अमीरपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7—196GI/76

(1) श्री उमरावलाल, मामा जमीला, चारकमान, हैदराबाद ।
(अन्तरक)

(2) मैसर्स अमर कन्स्ट्रक्शन श्री तोताराम सागरलाल
एण्ड सन्स द्वारा, आबीद रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3 जो 1019 वर्गगज है जो अमीरपेट, हैदराबाद
में स्थित है जिसका चौहद्दा निम्न प्रकार है ।

उत्तर—अन्तरक का प्लॉट

दक्षिण—श्रीमती गीगीबाइ के प्लॉट

पूरब—ग्राम रास्ता

पश्चिम—ग्राम रास्ता ।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री मगन लाल गुप्ता, राष्ट्रपती रोड, सिकन्दराबाद ।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना(2) मैसर्स अमर कन्स्ट्रक्शन 4-1-968, आबादी रोड,
हैदराबाद । (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

सं० आर० ए० सी० 112/76-77—यतः, मुझे, के० एस०
वेंकटरामन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का धारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो अमीरपेट में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
नवम्बर, 1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितध्व
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 1002 वर्गगज है जो
अमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है जिसका चौहद्रा निम्न है :—

उत्तर—ग्राम रास्ता

दक्षिण—श्री उमरावलाल की जमीन ।

पूरब—ग्राम रास्ता ।

पश्चिम—ग्राम रास्ता ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबादधतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्थात् :—

तारीख : 8-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सी० एस० आर० वी० पी० मूर्ति राज पी० जे०,
10 आफ़ीसर्स कालोनी, पंजागुटआ, हैदराबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

(2) श्री आगा मसर, मीर आलम मंडी, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 113/76-77:—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11-2-422/ए है, जो रोड हिल्स में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-11-75 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य शक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 11-5-422/ए०, का भाग नं० 2, जो रोड हिल्स, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 114/76-77 :—यतः मुझे, के० एस०
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 11-5-422/ए० है, जो रेड हिल्स में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
14-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सी० एस० आर० बी० पी० मूर्ती राजू पी० जे०
10 आफीसर्स कालनी च० पंजामुट्टा, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती झमरुद् बेगम पत्नी सय्यद मोहम्मद प्रोप्टा-
यर गंगा जमना होटेल स लकडीका फूल रदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग नं० 2, घर नं० 11-5-422/ए० रेड हिल्स, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 115/76-77:—यतः मुझे, के० एस०
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11-5-422/ए० भाग नं० 2, है, जो रेड हिल्स में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-11-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सी० एस० आर० बी० पी० मूर्ती राजु पी० जे० 10, आफीसर्स कालोनी, पंजा गुट्टा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री सैय्यद आबीद रक्षा पुत्र सैय्यद मोहम्मद रक्षा, पोटायर, शालीमार केफ, पंजागुट्टा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अर नं० 11-5-422/ए० भाग नं० 1, रेड हिल्स, हैदराबाद ।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 116/76-77:—यतः मुझे, के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 10-1-137/1 है, जो सिकन्दराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एम० एल० साबारी युसूफ (2) श्री जे०
ए० साबारी (3) श्रीमती फातीमा बेगम 10-1-
137, मारेड पल्ली, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० रंगाचारी (2) श्री बी० सीनीवासूलू
(3) श्री बी० हनुमन्तराव 8-3-320, शिवाजी
नगर, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

धर नं० 10-1-137/1 जो पट्टा नं० 52/ए० पर स्थित
है जिसका क्षेत्रफल 213 वर्गगज है वह पश्चिम मारेड पल्ली,
सिकन्दराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-7-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 117/76-77 :—यतः, मुझे, के०
एस० वेंकटरामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 8/89 है, जो अलवाल ग्राम
पंचायत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
पश्चिम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेसर्स पटेल अमीन एण्ड कंपनी राष्ट्रपति रोड,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बी० सत्यावती तथा अन्य व्यक्ति 62/बी०
सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

3. श्री के० श्रीनीवासराव, 43/बी०, बन्सीलाल पेट
सिकन्दराबाद ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

नगर पालिका नं० 8/89, 8/100, 8/101, 8/102, 8/103,
8/104, 8/105, पर प्लॉट नं० 1/ए० जिसका क्षेत्रफल 4840
वर्गगज है जिस पर सत्य टाकीज नाम से ईमारत खड़ी है तथा
उसे लगा हुआ सभी वस्तु जे० सर्वे नं० 183, जो गोल नाका
के नजीक, जो अलवाल मौजो में स्थित है ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-7-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) मैसर्स स्वस्तीक कनस्ट्रक्शन कंपनी, 111 सरोजिनी देवी रोड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 122/76-77:—यतः, मुझे, के०
एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 136, चन्द्र लोक है, जो सरोजिनी देवी
रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दरा-
बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री ई० मंगाराम ए-2/5 चन्द्र लोक, 111, एस० डी०
रोड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय का कमरा जो पहला मंजले पर है जिसका नं०
136 है और जो चन्द्रलोक के ईमारत में स्थित है जो 111 एस०
डी० रोड सी० सिकन्दराबाद में स्थित है जिसका क्षेत्रफल
780 वर्गगज है।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) मैसर्स स्वस्तीक कनस्ट्रक्शन कंपनी, 111 एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 123/76-77:—यतः मुझे, के० एस०
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० कमरा नं० 227, दूसरी मंजिल है, जो
एस० डी० रोड में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8—196GI/76

(2) 1. कुमारी प्रशान्ती पुत्री डाक्टर रामभूपाल
2. कुमारी विजयवती पुत्री कृष्णा भूपाल 3-6-
417/3 हिमायत नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय का कमरा नं० 227, जो दूसरी मंजिल पर स्थित
है और वह चन्द्रलोक के ईमारत में हैं जो की 111, एस०
डी० रोड, हैदराबाद में है जिसका क्षेत्रफल 806 वर्गफुट है।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-1976

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जुलाई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1089 (458)/1-1/75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 197 बी०, तथा 415 बी०, (भाग) एफ० पी० नं० 227, सब प्लॉट नं० 31, टी० पी० एस० नं० 14, है, तथा जो दरीयापुर काजीपुर, शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या बिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के उपधारा (1) के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्रावण कुमार परमानंद भाई पटेल, गोल बाजार, जबलपुर मध्य प्रदेश ।

(2) सिद्धार्थ कुमार परमानंद भाई पटेल, मिल बाजार, जबलपुर, मध्य प्रदेश । की ओर से : पावर आफ एटारनी : श्री लालजी भाई मगनलाल पटेल, ताया लाल कालोनी, स्टेडियम रोड, नवजीवन, अहमदाबाद (अन्तरक)

2. श्री पांच भाई भूराभाई सुखाडीया, सरसापुर, वासण शेरी, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 471 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 197-बी० तथा 415-बी० (भाग) एफ० पी० नं० 227 (भाग) सब प्लॉट नं० 3/1, टी० पी० एस० नं० 14, है तथा जो दरीयापुर काजीपुर, शाहीबाग, अहमदाबाद, में स्थित है ।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 15-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद,

अहमदाबाद, दिनांक 15 जुलाई 1976

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू० 23-I-1090(459)/1-1
75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 197बी० तथा 415बी० (भाग)
एक० पी० नं० 227 (भाग) सब प्लॉट 3/2 टी० पी० एस०
14 है, तथा जो वरीयापुर-काजीपुर, शाहीबाग, अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 7-11-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री श्रावण कुमार परमानंद भाई पटेल, गोल
बाजार, जबलपुर, मध्य प्रदेश ।

(2) श्री सिद्धार्थ कुमार परमानंद भाई पटेल, मिल
बाजार, जबलपुर, मध्य प्रदेश की ओर से पावर आफ एटारमी
श्री लालजी भाई मगनलाल पटेल, नाथा लाल कॉलोनी,
स्टेडियम रोड, नवजीवन, अहमदाबाद (अन्तरक)

2. (1) श्री प्रह्लादभाई राम दास पटेल,

(2) कान्ताबेन तुलसीदास पटेल, जय हिन्द स्वीट मार्ट,
माणिक चोक, अहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 392 वर्ग
गज है तथा जिसका सर्वे नं० 197बी० तथा 415-बी० (भाग)
एक० पी० नं० 227 (भाग) सब प्लॉट नं० 3/2 है तथा
टी० पी० एस० नं० 14 है तथा जो वरीयापुर—काजीपुर,
शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है ।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 15-7-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 15 जुलाई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-आई०-1091(460)
1-1/75-76—यत्, मुझे, जे० कथूरिया,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० सर्वे नं० 197बी०, तथा 415 बी० (भाग)
एफ० पी० नं० 227 (भाग) सब प्लॉट 3/4, टी० पी० एस०
14 है, तथा जो दरीयापुर काजीपुर, शाहीबाग, अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 19-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने,
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्रावण कुमार परमानंद भाई पटेल, गोल बाजार
जबलपुर, मध्य प्रदेश ।

(2) श्री सिद्धार्थ कुमार परमानंद भाई पटेल, मिल बाजार,
जबलपुर, मध्य प्रदेश, की ओर से पावर आफ एटारनी
श्री लालजी भाई मंगनलाल पटेल, नाथा लाल कालोनी,
स्टेडियम रोड, नवजीवन, अहमदाबाद (अन्तरक)

2. केशव लाल
भोतीराम पटेल, पलवित को० क्रो० हाऊसिंग सोसायटी, शाही
बाग, अहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 298-5
वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 197-बी० तथा 415 बी०,
(भाग), एफ० पी० नं० 227 (भाग) सब प्लॉट नं० 314,
टी० पी० एस० नं० 14 है तथा जो दरीयापुर काजीपुर, शाहीबाग,
अहमदाबाद में स्थित है ।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 15-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जुलाई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23आई-1092(461)/1-1/75-76—यत, मुझे, ज० कथूरिया, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० सर्वे नं० 197बी तथा 415-बी० (भाग) एफ० पी० नं० 227 (भाग) सब प्लॉट 3/5 टी० पी० एस०-14 है, तथा जो दरीयापुर काजीपुर, शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व, में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री श्रावण कुमार परमानंद भाई पटेल, गोल बाजार, जबलपुर, मध्य प्रदेश।

(2) श्री सिद्धार्थ कुमार परमानंद भाई पटेल, मिल बाजार, मध्य प्रदेश, की ओर से : पावर आफ एटारनी :

श्री लालजी भाट्ट मगन लाल पटेल, नाथा लाल कालोनी स्टेडीयम रोड, नवजीवन, अहमदाबाद (अन्तरक)

2. अम्बा लाल केशव लाल पटेल, मारफ़्त निरमाण आरकी-टेक्ट, अजन्ता कर्मशियल सैंटर, आश्रम रोड, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 267 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 197-बी० तथा 415बी० (भाग), एफ० पी० नं० 227 (भाग), सब प्लॉट नं० 3/5, टी० पी० एस०-14, है, तथा जो दरीयापुर काजीपुर, शाही बाग, अहमदाबाद में स्थित है।

ज० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 15-7-1976

मोहर :

प्रभु आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269B
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जुलाई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-1093 (462)/1-1/
75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा, 269B के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 197-बी० तथा 415-बी० (भाग)
एफ० पी० नं० 227 (भाग) सब प्लॉट नं० 3/9 टी० पी०
एस०-14 है, तथा जो दरीयापुर काजीपुर, शाहीबाग, अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुपूर्वी में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 19-11-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आवण कुमार परमानंद भाई पटेल, गोल बाजार
जबलपुर, मध्य प्रदेश,

(2) श्री सिद्धार्थ कुमार परमानंद भाई पटेल, मिल बाजार
जबलपुर, मध्य प्रदेश, की ओर से पावर ओफ एटारनी :
श्री लालजी भाई मगन लाल पटेल, नाथा लाल कालोनी
स्टेडीयम रोड, नवजीवन, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. श्री जयंती लाल डाह्या भाई पटेल,

(2) श्री कनु भाई नारानदास पटेल, 16, उत्तर गुजरात
पटेल सोसायटी, विभाग नं० 1, जहानगीरपुरा रोड, असारवा,
अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुपूर्वी

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 298
वर्गज है तथा जिसका सर्वे नं० 197-बी०, तथा 415-बी०
(भाग) एफ० पी० नं० 227 (भाग) सब प्लॉट नं० 3/9,
टी० पी० एस० नं० 14 है, तथा जो दरीयापुर काजीपुर,
शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 15-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जुलाई 1976

निर्देश सं० ए० सी० न्यू०-23-I-1094 (263)/1-1
75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 197-बी० तथा 415-बी० (भाग
एफ० पी० 227 (भाग) सब प्लॉट 3/12 टी० पी० एस०-
14 है, तथा जो दरीयापुर काजीपुर, शाहीबाग, अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 7-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री श्रावण कुमार परमानंद भाई पटेल, गोल बाजार
जवलपुर, मध्य प्रदेश,

(2) श्री सिद्धार्थ कुमार परमानंद भाई पटेल, मिल बाजार,
जवनपुर, मध्य प्रदेश, की ओर से : पावर ऑफ एटारनी :
श्री लालजी भाई मगनलाल पटेल, नाथा लाल कालोनी
स्टेडीयम रोड, नवजीवन, अहमदाबाद (अन्तरक)

2. (1) श्री दशरथ लाल नटवर लाल पटेल,
(2) श्री मंगलभाई मोहन लाल पटेल,
(3) श्री डायाभाई मोहन लाल पटेल,
(4) श्री चिमन लाल मोहन लाल पटेल,

19, असारवा को० ओप० हाऊसिंग सोसायटी लि० गेली
चकला, सिविल अस्पताल के पास, असारवा, अहमदाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में सभागत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 37
वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 197-बी० तथा 415-बी०
(भाग), एफ० पी० नं० 227 (भाग), सब प्लॉट नं०
3/12, टी० पी० एस० नं० 14, है तथा जो दरीयापुर काजीपुर
शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 15-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जुलाई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1095 (464)/1-1/75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 197-बी० तथा 415-बी० (भाग), एफ० पी० नं० 227 (भाग) सब प्लॉट 3/13 टी० पी० एस०-14 है, तथा जो दरीयापुर-काजीपुर, शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री श्रावण कुमार परमानंद भाई पटेल, गोल बाजार जबलपुर, मध्य प्रदेश I,

(2) श्री सिद्धार्थ कुमार परमानंद भाई पटेल, मिल बाजार जबलपुर, मध्य प्रदेश, की ओर से। पावर आफ एटारनी : श्री लालजी भाई मंगन लाल पटेल, नाथा लाल कालोनी, स्टेडीयम रोड, नवजीवन, अहमदाबाद (अन्तरक)

2. श्री कान्ती लाल देवचंदभाई पटेल, रीटा पार्क सोसायटी रचना स्कूल के सामने, शाही बाग, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 298 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 197-बी० तथा 415-बी० (भाग), एफ० पी० नं० 227 (भाग) सब प्लॉट नं० 3/13 टी० पी० एस०-14, है तथा जो दरीयापुर-काजीपुर, शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 15-7-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जुलाई 1976

निर्देश सं० ए० सी० न्यू० 23-I-1096 (465)/1-1
75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० सञ्च नं० 197-बी० तथा 415-बी० (भाग)
एफ० पी० नं० 227 (भाग) सब प्लॉट 3/14, टी० पी०
एस०-14 है, तथा जो दरीयापुर काजीपुर, शाही बाग, अहमदाबाद
में स्थित है 'और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के
अधीन, तारीख 7-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
9—196GI/76

1. (1) श्री श्रावण कुमार परमानंद भाई पटेल, गोल बाजार,
जबलपुर, मध्य प्रदेश,

(2) श्री सिद्धार्थ कुमार परमानंद भाई पटेल, मिल बाजार,
जबलपुर, मध्य प्रदेश, की ओर से पावर ऑफ एटारनी :
श्री लालजी भाई मगनलाल पटेल, नाथा लाल कालोनी,
स्टेडीम रोड, नवजीवन अहमदाबाद (अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र कुमार पोपट लाल सोनी, रीटा पार्क सो-
सायटी, रचना स्कूल के सामने, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 298
वर्ग गज है, तथा जिसका सर्वे नं० 197-बी० तथा 415बी०
(भाग), एफ० पी० नं० 227 (भाग) सब प्लॉट नं० 3/14,
टी० पी० एस० 14 है तथा जो दरीयापुर—काजीपुर, शाही है
बाग, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 15-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 15 जुलाई 1976

निदेश सं० ए० सी० ब्यू० 23-1-1097 (466)/1-1/75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक सर्वे नं० 197 बी तथा 415 बी (भाग), एफ० पी० नं० 227 (भाग) सब प्लॉट 3/15, टी० पी० एस०-14 है, तथा जो दरीयापुर काजीपुर, शाही बाग अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री श्रावण कुमार परमानंद भाई पटेल, गोल बाजार, जबलपुर, मध्य प्रदेश,

(2) श्री सिद्धार्थ कुमार परमानंद भाई पटेल, मिल बाजार, जबलपुर, मध्य प्रदेश की ओर से : पावर शोक एटार्नी :

श्री लालजी भाई मगन लाल पटेल, नाथा लाल कालोनी, स्टेडीयम रोड, नवजीवन, अहमदाबाद (अन्तरक)

2. श्री चिमन लाल बेचरदास पटेल, विठ्ठलनगर सोसायटी, सिविल अस्पताल रोड के पीछे, शाही बाग, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 197-बी० तथा 415-बी० (भाग), एफ० पी० नं० 227 (भाग) सब प्लॉट नं० 3/15, टी० पी० एस०-14, है तथा जो दरीयापुर काजीपुर, शाही बाग अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 15-7-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जुलाई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू-23-10-1098 (467)/1-1/
75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के
अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 197-बी० तथा 415-बी० (भाग)
एफ० पी० नं० 227 (भाग), सब प्लॉट 3/16, पी० एस०-
14 है, जो दरीयापुर-काजीपुर, शाहीबाग, अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 7-11-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री श्रावण कुमार परमानंद भाई पटेल, गोल बाजार,
जबलपुर, मध्य प्रदेश,

(2) श्री सिद्धार्थ भाई परमानंद भाई पटेल, मिल बाजार,
जबलपुर, मध्य प्रदेश, की और से : पावर ऑफ एटारनी :

(3) श्री लालजी भाई मंगन लाल पटेल, नाथा लाल कालोनी,
स्टेडीयम रोड, नवजीवन, अहमदाबाद (अन्तरक)

2. (1) रणछोडलाल कांती लाल पटेल,

(2) श्री गोपाल भाई कांतीलाल पटेल,

[(3) श्री नाराणभाई कालीदास पटेल, उत्तर गुजरात
पटेल सोसायटी विभाग-2, असारवा, जहानगीर पुरा रोड,
अहमदाबाद (अन्तरिणी)]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 497
वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 197बी० तथा 415-बी०
(भाग), एफ० पी० नं० 227 (भाग) सब प्लॉट नं० 3/16,
टी० पी० एस० नं० 14, है तथा जो दरीयापुर—काजीपुर,
शाही बाग, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 15-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

1. आई० पी० मिशन, ट्रस्ट, आई० पी० मिशन कम्पाऊन्ड,
राएजड़, अहमदाबाद (अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 15 जुलाई 1976

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू० 1099 (468)/185/75-76—यतः, मुझे, जे० कयूरिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 4747 है, तथा जो बल्लभभाई पटेल रोड, सुरेन्द्रनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरेन्द्रनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्री एम० ए० शुक्ला, बल्लभभाई पटेल रोड, मिस्त्री
गैरेज के पास, सुरेन्द्रनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अवल सम्पत्ति जो बांध काम सहित है तथा जो 583 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 4747 है तथा जो बल्लभभाई पटेल रोड, पर, सुरेन्द्रनगर में स्थित है।

जे० कयूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 15-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1976

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू० 23-1-1100 (473)/1-1/75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 531, 532, 533, ब्लोक नं० 1, है, जो बटवा, तालुका दस्क्रोई, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मेहरू दरदशा अदाजाणीया, बरदशा हाऊस, अम्बेडकर रोड, बम्बई-14 (अन्तरक)

2. मैसर्स नांदोलिया इन्डस्ट्रीयल डेवलपमेन्ट कार्पोरेशन, की ओर से : भागीदार :

(1) श्री युसुफ नूरमोहमद नांदोलिया तथा अन्य : 2-ए सरिता दर्शन सोसायटी कराक, बिल्डिंग के पास, आश्रम रोड, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल लगभग 9014.50 वर्ग गज है (जो कुल 40975 वर्ग गज भूमि का 22 प्रतिशत का अविभक्त भाग है) तथा जिसका सर्वे नं० 531, 532, 533, ब्लोक नं०-1 है तथा जो बटवा, तालुका दस्क्रोई, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 17-7-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1976

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू० 23-I-1101 (474)/1-1/75-76 यतः, मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे न० 1550 तथा 1551 ब्लॉक न० II प्लॉट न० 23 से 28 तक, 112, 131, 132, 141, तथा 154 से 159 तक है, जो बटवा तालूका दस्क्रोई, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मेहरू दरदशा अदाजाणीया, दरदशा हाऊस, अम्बेडकर रोड, बम्बई-14 (अन्तरक)

2. मैसर्स नांदोलिया इन्डस्ट्रीयल डेवलपमेन्ट कॉर्पोरेशन, की ओर से भागीदार :—

श्री युसुफ नूरमोहमद नांदोलिया तथा अन्य : 2-ए०, सरिता दर्शन सोसायटी, कराक, बिल्डिंग के पास, आश्रम रोड, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

[अनुसूची

खुलो जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 13736 वर्ग गज है (जो कुल 62436 वर्ग गज भूमि का 22 प्रतिशत का अविभक्त भाग है) तथा जिसका सर्वे न० 1550 तथा 1551, ब्लॉक न०-II, प्लॉट न० 23 से 28 तक, 112, 131, 132, 141 154 से 159 है, तथा जो बटवा, तालूका दस्क्रोई, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 17-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1976

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू० -23-I-1102 (475)/1-1/
75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 531, 532, 533, ब्लॉक नं० I,
है, जो बटवा, तालूका दस्क्रोई, अहमदाबाद में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. कुर्मी खस्तमजी वाडीया, दरदशा हाऊस, अम्बेडकर
रोड, बम्बई-14 (अन्तरक)

2. मैसर्स नांदोलिया इन्डस्ट्रीयल डेवलपमेन्ट कॉर्पोरेशन,
की ओर से भागीदार :—

श्री युसुफ नूरमोहमद नांदोलिया तथा अन्य : 2-ए०,
सरिता दर्शन सोसायटी, कराका बिल्डिंग के पास, आश्रम रोड,
अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खूली जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 8195 वर्ग गज है
(जो कुल 40975 वर्ग गज भूमि का 20 प्रतिशत का अविभक्त
भाग है) तथा जिसका सर्वे नं० 531, 532, 533, ब्लॉक नं०
I है तथा जो बटवा, तालूका दस्क्रोई, अहमदाबाद में स्थित
है ।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 17-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1976

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू० 23-1-1103 (476)/1-1/75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 1550 तथा 1551, ब्लॉक नं० 2, प्लॉट नं० 23 से 28 तक, 112, 131, 132, 141, 154 से 159 तक है, जो बटवा, तालूका दस्क्रोई, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-11-1975

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. कुम्मी हस्तमजी वाडीया, दरदशा हाऊस, अम्बेडकर रोड, बम्बई-14 (अन्तरक)

2. मैसर्स नांदोलिया इन्डस्ट्रीयल डेवलपमेन्ट कार्पोरेशन, की ओर से भागीदार:—

श्री युसुफ नूरमोहमद नांदोलिया तथा अन्य : 2-ए०, सरिता दर्शन सोसायटी, कराका बिल्डिंग के पास, आश्रम रोड, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 12487 वर्ग गज है (जो कुल 62436 वर्ग गज भूमि का 20 प्रतिशत का अवशिष्ट भाग है तथा जिसका सर्वे नं० 1550 तथा 1551, प्लॉट नं० 23 से 28 तक, 112, 131, 132, 141, 154 से 159 तक है तथा जिसका ब्लॉक नं० II है तथा जो बटवा, तालूका दस्क्रोई, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 17-7-1976

सोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-आई-1104 (477)
1-1/75-76—यत्तः, मुझे, जे० कथूरिया,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 531, 532, 533 प्लॉट नं० I है,
जो वटवा, तालूका दस्क्रोई, अहमदाबाद में स्थित है (और
इससे उपान्वद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25-11-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—196 GI/76

1. अलामाय केखुशइ अदाजाणीया, दरदशा हाऊस,
अम्बेडकर रोड, बम्बई-14 (अन्तरक)

2. मैसर्स नांदोलिया इन्डस्ट्रीयल डेवलपमेन्ट कार्पोरेशन,
की ओर से भागीदार :

श्री युसुफ नूरमोहमद नांदोलिया तथा अन्य : 2-ए०, सरिता
दर्शन सोसायटी, कराका बिल्डिंग के पास, आश्रम रोड,
अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 7375.50 वर्ग गज
है (जो कुल 40975 वर्ग गज भूमि का 18 प्रतिशत का
अविभक्त भाग है) तथा जिसका सर्वे नं० 531, 532, 533,
प्लॉट नं० 1 है तथा जो वटवा, तालूका दस्क्रोई, अहमदाबाद
में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 17-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू-23-आई०-1105(478)/1-1/75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 1550 तथा 1551, ब्लॉक नं० 23 से 28 तक, 112, 131, 132, 141, 154 से 159 तक है, जो बटवा तालूका दस्कोई, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गत्, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आलामाय केखुशइ अदाजाणीया दरदशा हाऊस अम्बेडकर रोड, बम्बई-14 (अन्तरक)

2. मैसनांदोलिया इन्डस्ट्रीयल डेवलपमेन्ट कार्पोरेशन की ओर से भागीदार :

श्री युसुफ नूरमोहमद नांदोलिया तथा अन्य : 2-ए०, सरिता दर्शन सोसायटी, कराका बिल्डिंग के पास, आश्रम रोड, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 11238 वर्ग गज है (जो कुल 62436 वर्ग गज भूमि का 18 प्रतिशत का अविभक्त भाग है। तथा जिसका सर्वे नं० 1550 तथा 1551, ब्लॉक नं० 2, प्लॉट नं० 23 से 28 तक, 112, 131, 132, 141, 154 से 159 तक है, तथा जो बटवा, तालूका दस्कोई, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 17-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-आई०-1106(479)/1-1/75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 531, 532, 533, 1550 तथा 1551, ब्लोक नं० I तथा II, प्लॉट नं० 23 से 28, 112, 131, 132, 141, 154 से 159 तक है, जो बटवा, तालूका दस्क्रोई, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जेनोबिया जरूर अदाजाणीया, दरदशा हाऊस, अम्बेडकर रोड, बम्बई-14 (अन्तरक)

2. मैसर्स नांदोलिया इन्डस्ट्रीयल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, की ओर से भागीदार :

श्री युसुफ नूरमोहमद नांदोलिया तथा अन्य : 2-ए०, सरिता दर्शन सोसायटी, कराका बिल्डिंग के पास, आश्रम रोड अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 8233 वर्ग गज है (जो कुल 103,411 वर्ग गज भूमि का 8 प्रतिशत का अविभक्त भाग है) तथा जिसका सर्वे नं० 531, 532, 533, 1550, 1551, ब्लोक नं० I तथा II, प्लॉट नं० 23 से 28 तक, 112, 131, 132, 141, 154 से 159 तक है तथा जो बटवा, तालूका दस्क्रोई, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 17-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-आई०-1107 (480)/1-1/
75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 531, 532, 533, 1550, 1551,
ब्लॉक नं० I तथा II, प्लॉट नं० 23 से 28 तक,
112, 131, 132, 141, 154 से 159 तक है, जो
वटवा तालूका, दस्क्रोई, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-11-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जरीर दरदशा अदाजाणीया, दरदशा हाऊस,
अम्बेडकर रोड, बम्बई-14 (अन्तरक)

2. मैसर्स नांदोलिया इन्डस्ट्रीयल डेवलपमेन्ट कार्पोरेशन,
की ओर से भागीदार :—

श्री युसुफ नूरमोहमद नांदोलिया तथा अन्य : 2-ए०, सरिता
दर्शन सोसायटी कराका बिल्डिंग के पास : आश्रम रोड,
अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 9100 वर्ग गज है
(जो कुल 1,03,411 वर्ग गज भूमि का 8.8 प्रतिशत का
अविभक्त भाग है) तथा जिसका सर्वे नं० 531, 532, 533,
1550, 1551, ब्लॉक नं० I तथा II प्लॉट नं० 23 से
28 तक, 131, 132, 141, 154 से 159 तक है तथा जो
वटवा, तालूका दस्क्रोई अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 17-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1976

निर्देश सं० ए० सी० ५५-23-I-1108 (481)/1-1/75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 531, 532, 533, 1550 तथा 1551 ब्लॉक I तथा II, प्लॉट नं० 23 से 28 तक, 131, 133, 141, 154 से 159 तक, है, तथा जो बटवा तालूका दस्क्रोई, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-11-1975 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. अस्पी दरदशा अदाजाणीया, दरदशा हाऊस, अम्बेडकर रोड, बम्बई-14 (अन्तरक)

2. मैसर्स नांदोलिया इन्डस्ट्रीयल डेवलपमेंट कार्पोरेशन, की ओर से भागीदार :—

श्री युसुफ नूरमोहमद नांदोलिया तथा अन्य : 2-ए०, सरिता दर्शन सोसायटी, कराका बिल्डिंग के पास, आश्रम रोड, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 9100 वर्ग गज है (जो कुल 1,03,411 वर्ग गज भूमि का 8.8 प्रतिशत का अविभक्त भाग है) तथा जिसका सर्वे नं० 531, 532, 533, 1550, 1551 ब्लॉक I तथा II, प्लॉट नं० 23 से 28 तक, 131, 132, 141, 154 से 159 तक है तथा जो बटवा, तालूका दस्क्रोई, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 17 जुलाई 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1976

निर्देश सं० ए० सी० न्यू०-23-1-1109 (482)/1-1 75-76—यतः मुझे, जे० कथूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 531, 532, 533, 1550, 1551 ब्लॉक नं० 1 तथा 2, प्लॉट नं० 23 से 28 तक 112, 131, 132, 141, 154 से 159 तक, तथा जो बटवा, तालूका दस्क्रोई, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री परसीस अस्पी अदाजाणीया, दरदशा हाऊस; अम्बेडकर रोड, बम्बई-14 (अन्तरक)
2. मैसर्स नांदोलिया इन्डस्ट्रीयल डेवलपमेन्ट कार्पोरेशन, की ओर से भागीदार :— (अन्तरिती)

श्री युसुफ नूरमोहमद नांदोलिया तथा अन्य : 2-ए०, सरिता दर्शन सोसायटी, कराका बिल्डिंग के पास, आश्रम रोड, अहमदाबाद

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 7446 वर्ग गज है (जो कुल 1,03,411 वर्ग गज भूमि का 7.2% का अविभक्त भाग है) तथा जिसका सर्वे नं० 531, 532, 533, 1550, 1551, ब्लॉक नं० I तथा II, प्लॉट नं० 23 से 18 तक, 112, 131, 132, 141, 154 से 159 तक है तथा जो बटवा, तालूका दस्क्रोई, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 17-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1976

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू०-1110 (483)/1-1/75-76

---यतः मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 531, 532, 533, 1550, 1551 ब्लॉक नं० 1 तथा 2, प्लॉट नं० 23 से 28 तक, 112, 131, 132, 141, 154 से 159 तक है, तथा जो बटवा, तालूका दस्त्रोई, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री जहांगीर जाल नेत्रवाला, दरदशा हाऊस, अम्बेडकर रोड, बम्बई-14 (अन्तरक)

2. मैसर्स नांदोलिया इन्डस्ट्रीयल डेवलपमेन्ट कार्पोरेशन, की ओर से भागीदार :--

श्री युसुफ नूरमोहमद नांदोलिया तथा अन्य, 2-ए०, सरिता दर्शन सोसायटी, कराका बिल्डिंग के पास, आश्रम रोड, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 7446 वर्ग गज है (जो कुल 1,03,411 वर्ग गज भूमि का 7.2 प्रतिशत का अविभक्त भाग है) तथा जिसका सर्वे नं० 531, 532, 533, 1550, 1551, ब्लॉक नं० 1 तथा 2, प्लॉट नं० 23 से 28 तक, 112, 131, 132, 141, 154 से 159 तक है, तथा जो बटवा, तालूका दस्त्रोई, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 17-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-1-1111(484)/1-1/75-76—यतः मुझे, जे० कथूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 198 है, तथा जो भेभनगर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तःसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री खोड़ा भाई मणी लाल पटेल, भेभनगर, अहमदाबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती सरोजबेन चूनी लाल पटेल, 5-दिनेश नगर सोसायटी, रेलवे क्रोसींग के पास, नारणपुरा, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 9 1/2 गुंठा है तथा जिसका सर्वे नं० 198 है और जो भेभनगर, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 17-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, भोपाल]

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1976

निवेश सं० आई०ए०सी०एकवी०/भोपाल/76-77/671—

मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अधूरा मकान है जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-11-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

11—196GI/76

1. श्री राम स्वरूप पुत्र श्री राधा किशन 17/1 पारसी मोहल्ला, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री रमेश चन्द्र, 55, अग्रवाल नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अधूरा मकान जो कि प्लॉट नं० 55, अग्रवाल कालोनी, नौलखा पर स्थित है।

वी० के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 6-7-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जान रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1976

निदेश सं० आई०ए० सी० एनबी०/भोपाल/76-77/673--

प्रतः मुझे, वी० के० सिन्हा !

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-2-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री ओम प्रकाश खण्डेलवाल पुत्र श्री रतन लाल जी खण्डेलवाल निवासी महात्मा गांधी मार्ग, म० नं० 9 इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री रतन लाल पुत्र राम प्रसाद खण्डेलवाल निवासी म० नं० 9 महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भाग 9/1 प्लॉट नं० 1 जोकि महात्मा गांधी रोड, इन्दौर में स्थित है।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जान रेंज, भोपाल

दिनांक 6-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1976

निदेश सं० आई०ए०सी०एक्यू०/भोपाल/76-77/674--

अतः मुझे, वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-3-76

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ओम प्रकाश खण्डेलवाल पुत्र श्री रतन लाल खण्डेलवाल निवासी 9, तुर्की गंज, मेन रोड, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स एस० जी० एंड कम्पनी निवासी 389, जवाहर मार्ग इन्दौर, पत्नी श्री गुरुमुख सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही प्रर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति क्रमांक 9/1, प्लॉट नं० 1, का भाग—जो कि महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

वी० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 6-7-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1976

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77/675—

अतः मुझे, बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 18-2-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री रजिन्दर सिंह पुत्र श्री सुगर्नमल जी भंडारी द्वारा
दिलीप कुमार पुत्र श्री रजिन्दर सिंह जी निवासी इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री अशीश कुमार पुत्र श्री रजिन्दर सिंह भंडारी द्वारा
—माता जी पुष्पा कुमारी पति श्री रजिन्दर सिंह भंडारी—
निवासी 9/2 महात्मा गांधी रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,
के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1, महात्मा गांधी रोड नं०-ए०-1/2 इन्दौर।

बी० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6 जुलाई 1976

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल,

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1976

निदेश सं० आई० ऐ० सी० एक्वी०/भोपाल-76-77/676

—अतः मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-2-76 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुगनमल जी भंडारी द्वारा
दिलीप कुमार—इन्दौर ।

(अन्तरक)

2. मेसर्स भंडारी क्रास फील्ड लि० भंगलियां, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मन्दनवन का भाग नं० सी० 1/2 जो कि महारमा गांधी रोड
इन्दौर में स्थित है ।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6 जुलाई 1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एनबी०/भोपाल/76-77/677—
अतः मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 18-2-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिषों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह जी पुत्र श्री सुमन मलजी भंडारी
द्वारा—दिलीप कुमार भंडारी, इन्दौर ।

(अन्तरक)

2. श्री दिलीप कुमार पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह भंडारी, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

नन्दनवन का क्रमांक बी०-9/2 जो कि महात्मा गांधी रोड
इन्दौर में स्थित है ।

वि० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 6 जुलाई 1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/76-77/678—

अतः मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो इन्दौर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-3-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रायोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुशीला बाई पत्नि श्री छोटे लाल 118 जावरा-कम्पाउण्ड, इन्दौर

(अन्तरक)

2. मेसर्स ग्वालियर ग्राहल मिल—

(अन्तरिती)

1. श्री अमृत लाल छोटे लाल जी
शील नाथ कैम्प, इन्दौर ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्री होल्ड प्लॉट जो कि चितवा रोड, नौ लखा, इन्दौर में स्थित है ।

वि० कु० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6 जुलाई 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/679—

अतः मुझे, बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-3-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स सांघी ब्रेवरीस प्रा० लि० इन्दौर ।

(अन्तरक)

2. मेसर्स सांघी स्टाफ हादर्स को० प्रा० सा०

लि०, 6 भमारमा गंज इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

6. 32 एकड़ भूमि को को कोला फेक्टरी आगरा बाम्बे रोड, इन्दौर ।

बि० कु० सिन्हा

सक्षम, प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

[अर्जन रेंज, भोपाल]

तारीख : 6 जुलाई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/680—

अतः मुझे, वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-3-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
12—196GI/76

1. श्रीमति भद्र बाई पत्नी ब्रिज लाल कटारिया ।

(ii) श्री मोहन लाल पुत्र श्री बहलराम निवासी पालसीकर कालोनी इन्दौर । (अन्तरक)

2. (i) श्री श्याम लाल (ii) श्री मोहन लाल पुत्र दुलहन-मल, निवासी 65 जयरामपुर कालोनी-इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्री होल्ड प्लॉट न. 2 सापू नगर, मानिक बाग रोड इन्दौर ।

वि० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6 जुलाई 1976 ।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1976

निर्देश सं० आई० ऐ० सी० एस्वी०/भोपाल 76-77/681—
अतः मुझे, बी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 2-3-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (i) श्रीमति भद्र बाई पत्नी बृज लाल कटारिया
(ii) श्री मोहन लाल पुत्र श्री बहलराम निवासी श्री
पालीसकर कालोनी इन्दौर । (अन्तरक)

2. (1) श्री जगदीश भद्र (2) श्री रमेश भद्र, इन्दौर ।

3. श्री पुत्र श्री दुल्हन मल द्वारकादास, 65, जयराम पुर
कालोनी इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

श्री होल्ड प्लॉट भूमि नं० 2 साधूनगर, मानिक बाग रोड,
इन्दौर ।

बी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6 जुलाई 1976 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1976

निदेश सं० आई० ऐ० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/682--

अतः मुझे, वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी से० पक्का मकान है, जो रामपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, रामपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 20-3-76 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री लक्ष्मण दास माखीजा पुत्र श्री भरदूराम माखीजा
सिविल लाईन रामपुर। (अन्तरक)

2. श्री सत्यनारायण गुप्ता पुत्र श्री गोपाल श्री गुप्ता तातिथा-
पारा, रामपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला पक्का मकान न० 403, म्यूनिसिपल वाई न०
13, नया पारा, रामपुर।

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 6 जुलाई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1976

निदेश सं० आई०ए०सी० एक्वी०/भोपाल/76-77/672—

यतः, मुझे, वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो पिपरिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, पिपरिया में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री सिधई केवल चन्द्र
(2) श्री सिधई महेन्द्र कुमार
(3) श्री सिधई राजकुमार पुत्र श्री सिधई बाबूलालजी जैन
(4) श्री सिधई जवाहर लाल पुत्र श्री सिधई सुभा लाल जैन, निवासी जवाहर गंज, जबलपुर।
(अन्तरक)

2. श्री खाधोरी शाह कोहली पुत्र लाला लखी शाह कोहली निवासी 41/1 बार्ड का बगीचा—कोहली बिल्डिंग, जबलपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एन० बी० नं० 218, पिपरिया तहसील व जिला जबलपुर,
खसरा नं० 76-77 रकबा० 2. 43 एकड़, जबलपुर।

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 12-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 17 जुलाई 1976

निर्देश सं० 118/76-77/ए सी क्यू०—यतः, मुझे, एस० नरसिंहन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० काफी एस्टेट सं० नं० 55, 98 और 100 है, जो चिकमगलूर जिला के मलिन उलिमावल्ली ग्राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिकमगलूर में डाकुमेंट नं० 1592 के अंतर्गत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-11-1975 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जे० ई० सि० वासु गिरि इंजीनियरिंग वर्क्स,
चिकमगलूर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम्नेस पेरीरा काफी प्लांटर ग्रीनवल्ली एस्टेट
मल्लन बल्लावल्ली ग्राम ता० चिकमगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) - इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलिनबल्लावल्ली ग्राम चिकमगलूर जिला में स्थित इमारतें, यंत्र और काफी एस्टेट जिसकी सं० नं० 55 (17 एकड़ और 4 गुंठे), 98 (41 एकड़ और 12 गुंठे) और 100 (2 एकड़ और 17 गुंठे) हैं।

एस० नरसिंहन्,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, धारवाड़

दिनांक 17-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 17 जुलाई 1976

निर्देश सं० 119/76-77/एसीक्यू०—यतः, मुझे एस०
नरसिंहन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सुन्दरवल्ली काफी एस्टेट है, जो चिकमगलूर जिला,
मूडिगेरे ताल्लुक बालूर ग्राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, मूडिगेरे में डाकुमेंट नं० 623 के अंतर्गत में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधिन दिनांक 17-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती ओफीलिया नोरोन्हा जो एल० एम० नोरोन्हा
की पत्नी है, 5 किलपाक गार्डन रोड, मद्रास-600010।

(2) दि० ए० लोबो की पत्नी श्रीमती एल० लोबो,
4, प्राइम मार्ग, लांगफोर्ड टाउन, बंगलूर-560025।

(2) दि० ए० लोबो का पुत्र श्री पी० एफ० लोबो (अब
अमेरिका के संयुक्त गणराज्य में है) जिसके प्रतिनिधि उसकी मां
श्रीमती एल० लोबो, 4 प्राइम मार्ग, लांगफोर्ड टाउन, बंगलूर-
560025 है।

(अन्तरक)

2. (1) दिग्दर्शन चंद्रगौड़ा के पुत्र श्री ए० सी० नंजुड़े गौड़ा,
काफी प्लाटर, स्पैन्सर रोड, चिकमगलूर।

(2) विष्णुगत्त यू० पी० हिरेगोडा का पुत्र मु० एच० बसवेगौड़ा,
अग्रहार, चिकमगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चिकमगलूर जिला, मूडिगेरे ताल्लुक, बालूर ग्राम में स्थित,
'सुन्दरवल्ली एस्टेट' नामक काफी एस्टेट, जिसके सं० नं० 153, 147
144, 145, 286, 258/पी, 151, 152 146, 143, 285,
154/पी, 243, 154 और 263 है।

एस० नरसिंहन्,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

दिनांक 17-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 20-7-1976

निर्देश सं० 121/76-77/ए०सी०क्यू०—यतः मुझे, एस०
 नरसिंहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
 इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की
 धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
 करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
 बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
 और जिसकी सं० काफी एस्टेट जो 29 एकड़ और 36 गुंठे हैं और
 जिसके सं० नं० 121, 122, 124, 125/1, 78-पी 123-पी है
 जो चिकमागलूर जिला के अरुमंथलगूर ग्राम में स्थित है (और इससे
 उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
 कारी के कार्यालय, मूडिगेरे में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, डाकुमेंट नं० 635 के
 अंतर्गत 25-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
 का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
 अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
 उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

के० रामय्या का पुत्र श्री के० आर० आदिनारायण गौडा,
 भारती विलास, नं० 5, कनकपुर रास्ता बंगलूर।

(अन्तरक)

2. डी० सुन्दरेश की पत्नी के० जी० श्रीलिता जी० पी० ए०
 होल्डर श्री सुन्दरेश अरुमंथलगूर ग्राम बालूर होबली मूडिगेरे
 तालूक चिकमागलूर जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
 भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चिकमागलूर जिला, मूडिगेरे तालूक, अरुमंथलगूर ग्राम में स्थित
 काफी एस्टेट जिसकी सं० नं० 121 (7 II-26 गुं); 122 (1 II
 39 गुं); 124 (6 II-11 गुं); 125/1 (6 II); 78 पी०
 (6 II) और 123 पी (2 II) है।

एस० नरसिंहन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, धारवाड़

दिनांक 20-7-1976
 मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

श्री भीमसेन राव का पुत्र श्री डी० रामाव, आदोनी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 20 जुलाई 1976

निर्देश सं० 120/76-77/ए०सी०क्यू०—यतः, मुझे एस०
नरसिंहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है,

और जिसकी सं० नं० 198-डी, 194-बी, और 195 है, जो
15 वार्ड, होसपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होसपेट
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन डाकुमेंट नं० 1151 के अंतर्गत 5-11-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये शय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री नारायण इनामदार की पत्नी डा० णशिकला रेनुका
क्विकनिक होसपेट जिल्ला, बत्सारी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

खुल्ला जगह जिसकी सं० नं० 198-डी, 194बी और 195
है जो XV वार्ड होसपेट में है और जिसकी सीमाएं इस प्रकार है ।

पूर्व—प्लाट नं० 60 से 65

पश्चिम —रास्ता

उत्तर—अन्तरक का प्लाट और रास्ता

दक्षिण —रास्ता

एस० नरसिंहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

दिनांक : 20-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 20 जुलाई 1976

निर्देश सं० 122/76-77/ए०सी०क्यू०—यतः, मुझे एस०
नरसिंहन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० घर नं० 5-1-67 है, जो स्टेशन एरिया यादगिर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, यादगिर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
आकुमेंट नं० 1168 के अंतर्गत 5-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
13-196GI/76

- (1) मल्लिकार्जुनप्पा की पत्नी गंगम्मा कंदकूर,
- (2) मल्लिकार्जुनप्पा के पुत्र सदाशिव रेड्डी
- (3) मल्लिकार्जुनप्पा के पुत्र नागनगौडा
- (4) मल्लिकार्जुनप्पा के पुत्र सिद्यनगौडा सभी यादगिरि के
वासी। (अन्तरक)

2. रुक्मैय्या के पुत्र श्री बसवराजप्पा एक्सार्डिंग कंट्रैक्टर
यादगिर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्टेशन भाग यादगिर में स्थित घर नं० 5-1-67

एस० नरसिंहन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़।

दिनांक : 20-7-1976
मोहर :

रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जुलाई 1976

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/347—यतः मुझे,
सी० एस० जैन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट्स है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्वश्री पारसमल व सरदार मल कांकरिया पुत्रान श्री
किशन लाल कांकरिया निवासी 2/ए क्वीन गार्ड, कलकत्ता ।
(अन्तरक)

(2) श्री शांति प्रिय गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड,
प्लाट नं० 100 बगत सागर स्कीम, जोधपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए
जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 32 से 43, 155 से 166 कुल 24 प्लाट्स टी० बी०
सेनेटोरियम मसूरिया जोधपुर के पीछे जो अधिक विस्तृत रूप से
उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रमांक 2343 दिनांक 12-11-75
को पंजीबद्ध विक्रय पत्र में विवरणित है ।

सी० एस० जैन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर ।

दिनांक : 15-7-76

मोहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जुलाई 1976

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/348—यतः मुझे सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट्स है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) सर्व श्री पारसमल व सरदारमल कांकरिया पुत्रान श्री किशनलाल कांकरिया निवासी 2/ए बवीन पार्क, कलकत्ता।
(अन्तरक)

(2) श्री शांति प्रिय गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड प्लाट नं० 100, बगत सागर स्कीम, जोधपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 127 से 136, 143 से 154 कुल 22 प्लाट्स टी० बी० सेनेटोरियम मसूरिया जोधपुर के पीछे जो कि अधिक विस्तृत रूप से उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रमांक 2347 दिनांक 12-11-75 को पंजीबद्ध विक्रयपत्र में विवरणित है।

सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 15-7-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जुलाई 1976

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/349—यतः मुझे,
सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट्स है तथा जो जोधपुर में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
13-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखत
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों;
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री पारसमल व सरदार मल कांकरिया पुतान
श्री किशनलाल कांकरिया निवासी 2/ए भवीन पार्क, कलकत्ता।
(अन्तरक)

(2) श्री शांति प्रिय गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड
प्लॉट नं० 100 बगत सागर स्कीम जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 121 से 125, 114 से 118, 102, 103,
104 तथा 92 से 99 कुल 21 प्लाट्स टी० बी० सेनेटोरियम
मसूरिया जोधपुर के पीछे, जो कि अधिक विस्तृत
रूप से उप पंजियफ, जोधपुर द्वारा क्रमांक 2355 दिनांक
13-11-75 को पंजियफ विक्रय पत्र में विवरणित है।

सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 15-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जुलाई 1976

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/350—यतः मुझे,
सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट्स है तथा जो जोधपुर में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
20-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के
अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्वश्री पारसमल व सरदारमल काँकरिया पुत्रान
श्री किशनलाल काँकरिया निवासी 2/ए क्वीन पार्क, कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) श्री शांति प्रिय गृह निर्माण सहकारी समिति
लिमिटेड, प्लॉट नं० 100 बगत सागर स्कीम, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 44 से 55 कुल 12 प्लॉट्स टी० बी० सेने-
टोरियम मसूरिया जोधपुर के पीछे जो कि अधिक विस्तृत
रूप से उप पंजीयक, जोधपुर, द्वारा क्रमांक 2360 दिनांक
20-11-75 को पंजीबद्ध विक्रयपत्र में विवरणित है।

सी० एस० जैन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 15-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/351—यतः मुझे,
सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट्स है तथा जो जोधपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
26-11-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें, भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री पारसमल व सरदारमल कांकरिया पुत्रान
श्री किशनलाल कांकरिया निवासी 2/ए क्वीन पार्क, कलकत्ता।
(अन्तरक)

(2) श्री शांति प्रिय गृह निर्माण सहकारी समिति
लिमिटेड प्लॉट नं० 100 बगत सागर स्कीम, जोधपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1 से 5, 69 से 79, 89 से 91 कुल 19
प्लॉट्स टी० बी० सेनेटोरियम मसूरिया जोधपुर के पीछे जो कि
अधिक विस्ताररूप से उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रमांक
2369 दिनांक 26-11-75 को पंजिबद्ध विक्रयपत्र में विवरणित
है।

सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 15-7-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/352--यतः मुझे,
सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट्स है तथा जो जोधपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
27-11-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्वश्री पारसमल व सरदारमल कांकरिया पुवान
श्री किशनलाल कांकरिया निवासी 2/ए क्वीन पार्क, कलकत्ता।
(अन्तरक)

(2) श्री शांतिप्रिय गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड,
प्लाट नं० 100 बगत सागर स्कीम, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 56 से 59, 61 से 67 कुल 11 प्लाट्स टी० बी०
सेनेटोरियम मसूरिया जोधपुर के पीछे जो कि अधिक विस्तृत
रूप से उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रमांक 2373 विनांक
27-11-75 को पंजीबद्ध विक्रयपत्र में विवरणित है।

सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 15-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 19 जुलाई 1976

निर्देश सं० सी० ए० 5/बंबई (धुलिया) नोव्हेंबर 75/289/76-77—यतः मुझे, व्ही० एस० गायतोंडे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० क्र० 1529 है तथा जो धुलिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-11-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती लक्ष्मीबाई विष्णु वेलणकर
- (2) श्री सदाशिव विष्णु वेलणकर
- (3) श्रीमती प्रभावती गजानन घोडगांवकर
- (4) श्रीमती विद्या रामचंद्र कोन्ही

(5) श्रीमती लीला रामचंद्र रेभोटकर

(6) श्रीमती सुमीत्रा डी० अकूत

(7) श्रीमती कुमुद मुकुंद देशपांडे
सभी सी०/54/201 उल्हास नगर-3।

(अन्तरक)

2. (1) श्री गीरधर हरिलाल सोलंकी

(2) श्री राजेन्द्र कुमार विसानजी सोलंकी

(3) श्रीमती हेमंतकुमार विसानजी सोलंकी

(4) श्री गोपाल विसानजी सोलंकी

(5) श्री देवानंद विसानजी सोलंकी

सभी हरीकुंज, गांधी नगर, धुलिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री-होल्ड जमीन और मकान सं० क्र 1529, धुलिया जिसका क्षेत्रफल 289.3 वर्ग मीटर है।

जो निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर के तरफ—सार्वजनिक रास्ता

दक्षिण के तरफ—सी० टी० एस० क्र० 1528

पूर्व के तरफ—गली और सार्वजनिक रास्ता

पश्चिम के तरफ—सार्वजनिक रास्ता।

(जैसी की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1199 नवम्बर 1975 में सबरजिस्ट्रार बम्बई के दफ्तर में लिखा है)।

व्ही० एस० गायतोंडे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 19-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री महावीर मेहता पुत्र रायभाहब डा० जैमीराम मेहता
निवासी 59-60 वेगम बाग, मेरठ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 जुलाई 1976

निर्देश सं० अर्जन/961-ए०/मेरठ/75-76--यतः मुझे,
विजय भार्गव
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 17-11-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--
14-196GI/76

3. श्री हीरालाल खन्ना व श्री अशोक कुमार खन्ना पुत्रगण
लाला चन्द्रभान खन्ना निवासी 56-वेगम बाग, मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं० 56 जिसकी माप 250 वर्गगज है
जो वेगम बाग मेरठ में स्थित है इसका हस्तान्तरण 94,000/-
में किया गया है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 13-7-76

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 जुलाई 1976

निदेश सं० 14-टी/अर्जन—यतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० फार्म 37-जी के अनुसार 30 गाटा 51 1/3 : 4 1/8 बम होता है तथा जो अराजी मौजा शंकरपुर परगना पञ्चेत्तर जिला गाजीपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-11-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सतीश चन्द्र
(अन्तरक)
2. श्री खिलोकी नाथ एवं अन्य
(अन्तरिती)
3. श्री सतीश चन्द्र
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री सतीश चन्द्र
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसके सं० एवं रकबा का कुल योग फार्म 37-जी के अनुसार 30 गाटा 51 1/3 : 4 1/8 बम होता है जो कि अराजी मौजा शंकरपुर परगना पञ्चेत्तर जिला गाजीपुर में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, लखनऊ

तारीख : 12-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 22 जुलाई 1976

निर्देश सं० अ० ई०-1/1413-5/नवम्बर, 1975—

अतः मुझे, व्ही० आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एम० 2सी० 1/699 अंश है, तथा जो पेडर रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री बेनी पी० कामोरिया
(2) मुरलीधर कामोरिया
(3) श्रीमती भगवान देवी कामोरिया !

(अन्तरक)

2. श्री विश्वनाथ गोपाल शर्मा

(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी भाडोली

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पेडर रोड, बम्बई-26 पर स्थित "हरी कुंज" नायक बिल्डिंग समेत अविभाजित आधार शेयर. माप में 2051.79 वर्ग मीटर है तथा जिसका सलवार एवं कम्बाला हील डिवाजन की सी० एस० 201/699 (अंश) है।

व्ही० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 22 जुलाई 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-V, बम्बई

बम्बई, दिनांक 22 जुलाई 1976

निर्देश सं० आई० 1/1426/18/नवम्बर 75—अतः

मुझे, बी० आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० 200 फीट डीज़ीजन है, जो 10, बैंक क्रॉस लेन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-11-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) अबीदअली अमीरुद्दीन तय्यबजी
(2) मस्तान अमीरुद्दीन तय्यबजी
(3) मंसूर अमीरुद्दीन तय्यबजी (अन्तरक)
2. श्री जेठालाल मोतीचंद ट्रस्ट (अन्तरिती)
3. (1) श्रीमती पुष्पादेवी आर० सराफ
(2) श्री ग्लोमिंग ट्रेडिंग कम्पनी

(3) श्री सीताराम एंड कम्पनी

(4) श्री रतम इंडस्ट्रीज

(5) भगवती मूलजी अय्या

(6) सर्वश्री एप्रोमेक स्पेस कंपनी

(7) श्री रजनीकांत जे० पटेल

(8) श्री जशवंतभाई बी० मुच्छल्ला।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई के रजिस्ट्रेशन उपजिला में बम्बई-1 में फोर्ट में मरीन तथा अपोलो स्ट्रीटों के बीच स्थिति और अवस्थित विमुक्त एवं घरातल काश्तकारी जमीन का वह तमाम भाग या खंड उस पर बनी हवेली, मकान या इमारत समेत, जो पैमाइश में 236 वर्गगज अर्थात् 197 वर्गमीटर या उसके आसपास है, जिसका कलेक्टर का पुराना सं० 18, नया नं० 4854, पुराना सर्वेक्षण सं० 9/445, नया सर्वेक्षण सं० 9540 और फोर्ट डिवीजन का कैडेट्रेल सर्वेक्षण सं० 200 है, और जिसकी इमारत बम्बई नगर निगम द्वारा ए बाड सं० 1297 और स्ट्रीट सं० 10, बैंक क्रॉस लेन, के अधीन निर्धारित है और उसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हुई हैं: पूर्व में या पूर्व की ओर "शाले बिल्डिंग" नामक विक्रेताओं की संपत्ति है, पश्चिम में या पश्चिम की ओर प्राणजीवनदास लक्ष्मीदास की संपत्ति है, उत्तर या उत्तर की ओर इलाहाबाद बैंक लि० की संपत्ति है, और दक्षिण में या दक्षिण की ओर बैंक क्रॉस लेन है।

बी० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-V, बम्बई

दिनांक : 22-7-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली-1

4/14, क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 24 जुलाई 1976

निर्देश सं० आई० ए० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०-III
1066/जनवरी-1(15)/75-76/ —यतः मुझे, चं० वि०
गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ब के
अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० एस०-478 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 16-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और आन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाईटेड लि०, 40-ए
कनाट पलैस, नई दिल्ली-1।

(अन्तरक)

2. श्रीमती निमल गुप्ता, पत्नी श्री आर० के० गुप्ता,
निवासी 99-डी, ब्लॉक 'एफ' न्यू अलीपुर, कलकत्ता-53।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट की भूमि जिसका नं० एस०-478 है, और
क्षेत्रफल 471 वर्ग है, ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में निम्न
प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : रोड

उत्तर : प्लॉट नं० एस-478-ए

दक्षिण : प्लॉट नं० एस-480

चं० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24-7-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/1196/76-77/

यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 96 है तथा जो गाड़ोदिया मार्किट, खारी
बाग़ली, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269अ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सीता राम, सुपुत्र श्री दाता राम, निवासी,
20/62, शक्ती नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी श्री राम अवतार निवासी
4/27, रूप नगर, दिल्ली।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, ही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

गाड़ोदिया मार्किट की दूसरी मंजिल, खारी बाग़ली,
दिल्ली, जिसका प्राइवेट नं० 96 है, और क्षत्तफल 795.62
वर्ग गज है।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 24-7-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 24 जुलाई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्मु०/11/1197/76-77/

—यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7/1166 है तथा जो गली समोसेवाली, फराश खाना, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार नं०, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री ब्रह्मानन्द, सुपुत्र श्री इंदन दास, निवासी 25/6, ओल्ड राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली श्री मलिक लक्ष्मण दास जोकि इनके जर्नल अटारनी है, सुपुत्र श्री मलिक शंकर दास, निवासी एफ०-8, माडल टाउन, दिल्ली

(2) श्री नन्द लाल, सुपुत्र श्री मलिक लोक नाथ, निवासी एफ-8, माडल टाउन, दिल्ली

(3) श्री श्रीराम, सुपुत्र श्री लेखू राम, निवासी दुकान नं० 793, गली नं०-11, सदर बाजार, दिल्ली, इनके जर्नल अटारनी श्री मलिक लक्ष्मण दास, सुपुत्र श्री मलिक शंकर दास के द्वारा, निवासी एफ-8, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्र कला, पत्नी श्री नन्द लाल मलहोत्रा, निवासी एफ-8, माडल टाउन, दिल्ली-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जिसका नं० 7/1166 है, पार्ट नं० 1167-68 (पार्ट नं० 1166 तथा पुरा नं० 1167-68) है, गली समोसेवाली, फराश खाना, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० 7/1184-85

पश्चिम : गली कूआँवाली

उत्तर : जायदाद नं० 7/1165

दक्षिण : जायदाद नं० 7/1169

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 जुलाई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 24 जुलाई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/1198/76-77/—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7959-60 है तथा जो मोहल्ला खारियण, रोशनआरा रोड़, सब्जी मण्डी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिका-री के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दीना नाथ, सुपुत्र श्री गोविन्द राम, निवासी 7960, मोहल्ला खारियण, रोशनआरा रोड़ सब्जी मण्डी, दिल्ली-1 (अन्तरक)

2. श्री मदन लाल, सुपुत्र श्री दिनानाथ, निवासी-बी-1/106, फासे-II, अणोक बिहार, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड एक मंजिला मकान जोकि 175 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 7959-60 है, मोहल्ला खारियण, रोशनआरा रोड़, सब्जी मण्डी, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है।

पूर्व : गुरद्वारा मून्यसिपल नं० 7961

पश्चिम : मकान नं० 7958

उत्तर : ग्राम रास्ता

दक्षिण : गली तथा रेलवे की जायदाद।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II दिल्ली-1

4/14 असफजली मार्ग नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 24 जुलाई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1199/76-77—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एन-48 का 1/3 हिस्सा है तथा जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

15—196 जी० आई०/76

1. श्री लक्ष्मी नारायण, सुपुत्र श्री नथु राम, निवासी एन-47, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री किशन चन्द, सुपुत्र श्री राम चन्द, निवासी एन-48, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला बिल्डिंग का 1/3 भाग जोकि 293.30 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बनी हुई है, जोकि तीन तरफ से खुला प्लॉट है, और नं० एन-48 है, कीर्ती नगर, नई दिल्ली में है। यह बिल्डिंग निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लॉट नं० 49

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : 6.30' चौड़ी सड़क

दक्षिण : सर्विस भूमि तथा पार्क।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 24-7-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 24 जुलाई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एयू०/11/1200/76-77—

यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 77 का 1/2 है तथा जो राजा गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1975

को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री चूनी लाल, सुपुत्र अमिन चन्द, निवासी 77, राजा गार्डन, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश चौधरी, सुपुत्र स्वर्गीय श्री बहादुर चन्द चौधरी, निवासी जे-6/72, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक डेढ़ मंजिला मकान का 1/2 भाग जोकि 191 वर्ग गज क्षेत्रफल के फ्रीहोल्ड प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 77 है, राजा गार्डन कालोनी, नई दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : जायदाद नं० 78

पश्चिम : जायदाद नं० 76

उत्तर : रोड़

दक्षिण : जायदाद नं० 35 तथा 36।

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 जुलाई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1201/76-77/

अतः मुझे, एस० एन० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 77 का 1/2 भाग है तथा जो राजा गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री चूनी लाल, सुपुत्र श्री अमिन चन्द, निवासी 77, राजा गार्डन, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश चौधरी, सुपुत्र स्वर्गीय श्री बहादुर चन्द चौधरी, निवासी जे-6/72, राजीरी गार्डन, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक डेढ़ मंजिला मकान का 1/2 हिस्सा जोकि 191 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्रीहोल्ड प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 77 है, राजा गार्डन की कालोनी, नई दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० 78

पश्चिम : जायदाद नं० 76

उत्तर : रोड़

दक्षिण : जायदाद नं० 35 तथा 36।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 जुलाई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-III/1034/दिसम्बर/1 (6)/75-76 :—अतः मुझे, चं० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए० 942 है तथा जो नेहरू मार्ग, अर्जुन नगर, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-12-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (या 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती विद्या धती, पत्नी श्री भगत सिंह, निवासी मकान नं० 942-ए, नेहरू मार्ग, अर्जुन नगर, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली। इनके जनरल अटारनी श्री सतपाल राजपूत के द्वारा निवासी 12/200 आर० के० पुरम, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री ब्रिशन सिंह, सुपुत्र श्री लाधा सिंह, निवासी 942 ए०, नेहरू मार्ग, अर्जुन नगर, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो कि 200 वर्गगज क्षेत्रफल के फ्रीहोल्ड प्लॉट नं० 73 पर बना हुआ है, जिसका नं० 942-ए, खसरा नं० 319 है, जिसमें तीन कमरे, लैटरीन, बाथ रूम, रसोई तथा बरामदा भी हैं, नेहरू मार्ग, अर्जुन नगर, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० 74 तथा 75

पश्चिम : प्लॉट नं० 72

उत्तर : सार्वजनिक रास्ता

दक्षिण : सार्वजनिक रास्ता

चं० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 जुलाई, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1206/76-77:--

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 6926/105 है तथा जो कमला नगर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) 1. श्रीमती लक्ष्मी देवी जैपुरिया पत्नी श्री हरबचारी
लाल जैपुरिया निवासी जैपुरिया हाऊस, सब्जी
मण्डी, दिल्ली

2. श्रीमती पुष्प लता जैपुरिया पत्नी श्री जी०
एस० जैपुरिया निवासी-ए० 2/20, माडल
टाऊन, दिल्ली

3. श्री राजिन्दर कुमार जैपुरिया पुत्र श्री एच०
एल० जैपुरिया

4. श्रीमती मुन्नी देवी जैपुरिया पत्नी श्री एम० डी०
जैपुरिया निवासी जैपुरिया हाऊस, सब्जी मण्डी
दिल्ली

5. श्री बिजय जैपुरिया पुत्र श्री सी० एल० जैपुरिया
340, नया कटरा, चांदनी चौक, दिल्ली

6. श्रीमती चन्दा बाई पत्नी श्री पी० डी० जैपुरिया

7. श्री पी० डी० जैपुरिया पुत्र श्री बी० डी० जैपुरिया
निवासी जैपुरिया भवन, गली माता वाली,
मालीबारा, दिल्ली

सभी सह-स्वामी मैसराज लक्ष्मी चन्द जैपुरिया
स्पनिंग एण्ड वीविंग मिल्स कमला नगर
दिल्ली । (अन्तरक)

(2) मै० बी० के० इन्द्रा होजरी इन्डस्ट्री, कमला नगर,
दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जायवाद सं० 6926/105, जोकि कमला नगर, दिल्ली
में स्थित है ।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28 जुलाई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1976

निर्देश सं० आई० ए० भी०/एक्यू०/ 11/1205/76-77--

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6926/106 है तथा जो कमला नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) 1. श्रीमती लक्ष्मी देवी जैपुरिया पत्नी श्री हरदवारी लाल जैपुरिया निवासी जैपुरिया हाऊस, सब्जी मण्डी, दिल्ली
2. श्रीमती पुष्प लता जैपुरिया पत्नी श्री जी० एस० जैपुरिया निवासी ए० 2/20, माडल टाऊन, दिल्ली

3. श्री राजिन्दर कुमार जैपुरिया पुत्र श्री एच० एल० जैपुरिया

4. श्रीमती मुन्नी देवी जैपुरिया पत्नी श्री एम० डी० जैपुरिया निवासी जैपुरिया हाऊस, सब्जी मण्डी, दिल्ली

5. श्री विजय जैपुरिया पुत्र श्री सी० एल० जैपुरिया 340, नया कटरा, चांदनी चौक, दिल्ली

6. श्रीमती चन्दा बाई पत्नी श्री पी० डी० जैपुरिया

7. श्री पी० डी० जैपुरिया पुत्र श्री बी० डी० जैपुरिया निवासी जैपुरिया भवन, गली माता वाली, मालीबारा, दिल्ली

सभी सह-स्वामी मैसरज लक्ष्मी चन्द जैपुरिया स्पिनिंग एण्ड वीविंग मिल्स कमला नगर, दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) मै० बी० के० इन्द्रा हौजरी इन्डस्ट्रीज, कमला नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जायदाद नं० 6926/106, जोकि कमला नगर, दिल्ली में स्थित है ।

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28 जुलाई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1207/76-77---

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो प्रकाश ब्लाक, बलबीर
नगर, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) अधीन, नवम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गिरी लाल पुत्र श्री छज्जू राम निवासी 429,
पथधनपुरा, शाहदरा, दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार
निवासी 1254/6, प्रकाश ब्लाक, बलबीर नगर,
शाहदरा, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होधी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बलबीर नगर, प्रकाश ब्लाक, शाहदरा दिल्ली स्थित मकान
नं० 3, खसरा नं० 239, खेवट नं० 4। 144 वर्गगज प्लॉट
पर बना हुआ है। इस की सीमाय इस प्रकार है :—

उत्तर : लेन 4'

दक्षिण : सड़क 15'

पूर्व : प्लॉट नं० 4

पश्चिम : लेन 4'

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 जुलाई 76

निदेश सं० 6/दिस०/75-76 —यतः मुझे, जी० राम-
नाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 113 है, जो मन्नार कोर्डल स्ट्रीट मद्रास में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 8544/75)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 11-12-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से भुक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० शणमुगम चेट्टी, मद्रास-3

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० सेलवरानी

(अन्तरिती)

(3) तयागम गल्ली ट्रेड्स एन० के० भारती सोलन, पी०
रविचन्द्र गुप्ता और एस० शणमुगम

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) एगमोर बेनिफिट सोसायटी

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, मन्नार सामि कोर्डल स्ट्रीट डोर सं० 113 (आर०
एस० सं० 783) में 1054 स्क्वयर फीट की भूमि (मकान के
साथ)

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 31-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री एस० गंगदर चेटीयार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 जुलाई, 1976

निर्देश सं० 25/दिस०/75-76--यतः मुझे, जी० राम-
नाथन, आयकर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० टी० एस० सं० 1829/1 सी० है, जो तन्डारमपेट रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुवन्नमलै (पत्र सं० 1490/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

16-196GI/76

(2) जी० कल्लकुरिनि कोआपरेटिव ग्रुप मिम्स

(अन्तीरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुवन्नमलै, तन्डारमपेट रोड टी० एस० सं० 1829/
1 सी० में एक एकड़ की खाली भूमि।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 31-7-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती के० चेल्लम्माल और एस० के० बाल-
सुब्रमणियम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जुलाई 1976

निवेश सं० 95/विस०/75-76—यतः मुझे, जी०
रामनाथनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० 378 है, जो पीलीक्कल पालयम में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वेलूर (पत्र सं० 1848/
75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 16-12-1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित
महीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री पी० पलनियप्प गऊन्डर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, नामक्कल तालुक सेरुर, गांव, पीलीक्कल-
पालयम एस० सं० 378 में 2.22 एकड़ खेती की भूमि,
8½ सेन्ट मकान के भूमि और मकान।जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 29-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री के० मोहमद सलीम साहिब

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 जुलाई 1976

निदेश सं० 103/दिस०/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 36 और 37 है, जो कच्चेरी रोड वानियमबाडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वानियमबाडी (पत्र सं० 2671/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-12-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री जी० मोहमद असलाम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वानियमबाडी, कच्चेरी रोड टी० एस० सं० 36 और 37 में 13,910 स्क्वियर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 31-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 31 जुलाई 1976

निर्देश सं० 127/76-77/एक्यु०—यतः मुझे, एस० नरसिंहन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुल्ला जगह, मंत्त और फर्नीचर इत्यादि है, जो रामचूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामचूर डाकुमेंट नं० 1240 के अन्तर्गत भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-11-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मै० कीर्ति इंडस्ट्रीज ब्रेस्तवार पेट रायचूर उसके भागीदार प्रतिनिधि चन्द्रकुमार के पुत्र (1) पद्म-कुमार (2) अनंत कुमार (3) राजेन्द्र कुमार कीर्ति सदानन्द के पुत्र (4) सुधीर कुमार (5) संजीव कुमार कीर्ति और महावीर का पुत्र उदम कुमार कीर्ति

(अन्तरक)

(2) मै० डी० चन्द्रकान्त और ब्रदर्स उसके भागीदार से प्रतिनिधि:—

रणछोडलाल के पुत्र सर्वश्री

1. कौशिक भाई 2. चन्दकान्त भाई

3. दिनेश भाई 4. कार्तिक भाई

5. सौरभ भाई सभी ग्रहमवाबाद के रहवासी आजकल ब्रेस्तवारपेट, रायचूर में स्थित हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया था।

अनुसूची

गढ़वाल रोड, रायचूर में स्थित खुल्ला जगह, मंत्त, फर्नीचर फॅक्टरी बिल्डिंग सहित आस्ति जो कीर्ति इंडस्ट्रीज नाम से कहलाया जाता है।

एस० नरसिंहन्;
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जुन रेंज, धारवाड़

तारीख : 31-7-76

गोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 8th June 1976

No. A.12026/1/76-Admn.II.—Shri L. R. Sarin, Accounts Officer in the Office of Accountant General Haryana, Chandigarh, has been appointed, on deputation, as Finance and Accounts Officer in the office of the Union Public Service Commission for a period of three years w.e.f. the forenoon of 7th June 1976 or until further orders, whichever is earlier.

B. S. JOLLY, Under Secy.
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 15th July 1976

No. A.32014/1/76-Admn.III(1).—In continuation of this office notification of even number dated 21-6-76, the President is pleased to appoint Shri G. K. Samanta, a permanent Assistant of the Central Sectt. Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officer's Grade of the service for a further period from 1-7-76 to 31-7-76 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(2).—In continuation of this office notification of even number dated 21-6-76, the President is pleased to appoint Shri S. D. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-7-76 to 23-7-76 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secretary
(Incharge of Administration),
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 17th July 1976

No. A.32014/2/76-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission, has been pleased to allow S/Shri R. L. Thakur and K. Sundaram, permanent Personal Assistants (Grade C of CSSS) cadre of UPSC, who were appointed to officiate as Senior Personal Assistants upto 30-6-76 on purely temporary and *ad hoc* basis *vide* orders of even number dated the 24th April, 1976, to continue to officiate in the same capacity on purely temporary and *ad hoc* basis for a further period of one month w.e.f. 1-7-1976 to 31-7-1976 or until further orders, whichever is earlier.

2. S/Shri Thakur and Sundaram should note that their appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CS3S) is purely temporary and on *ad hoc* basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secretary,
for Chairman
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT
ENFORCEMENT DIRECTORATEDEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATION
REFORMS

New Delhi, the 19th June 1976

No. A-24/5/75.—The following Enforcement Officers have been appointed to officiate as Chief Enforcement Officers with effect from the date of their assumption of charge and until further orders.

Their places of postings and dates of assumption of charge are indicated against each :—

Their places of postings and dates of assumption of charge are indicated against each :—

S. No., Name, Place of posting & Date of assumption of Charge

1. Shri H. C. Gulati, Headquarters—2-6-76 (AN)
2. Shri T. M. V. Chari, Calcutta—20-5-76 (AN)
3. Shri N. K. Roy, Trivandrum—27-5-76.

S. B. JAIN, Director

New Delhi, the 21st June 1976

No. A-11/10/76.—Shri A. K. Lawande Assistant Enforcement Officer Goa Sub-zonal Office is appointed to officiate as Enforcement Officer in the Calcutta Zonal Office of this Directorate, with effect from 14-6-76 and until further orders.

The 3rd July 1976

No. A-11/24/76.—Shri Brij Raj Inspector of Police Delhi is appointed to officiate as Enforcement Officer in the Delhi Zonal Office of this Directorate with effect from 16-6-76 (FN) and until further orders.

J. N. ARORA, Dy Dir. (Admn.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 15th July 1976

No. A-31013/1/76-AD.I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Bhardwaj officiating Additional Legal Adviser, in the Central Bureau of Investigation as Additional Legal Adviser, Central Bureau of Investigation in a substantive capacity with effect from 19-2-76 (FN).

The 17th July 1976

No. PF/A-76/71-AD.I.—Shri A. R. Khan, an officer of Maharashtra State Police on deputation to CBI as Inspector of Police, has been relieved of his duties in the CBI Bombay Branch on the forenoon of 23-6-1976 on repatriation to the Maharashtra State Police.

V. P. PANDEY,
Administrative Officer (A), CBI

New Delhi, the 19th July 1976

No. A-31013/2/75-AD.I.—The President is pleased to appoint Shri Kirpal Singh, Officiating Deputy Legal Adviser, CBI, who is at present on deputation as Dy. Legal Adviser in the Directorate of Enforcement as Deputy Legal Adviser, Central Bureau of Investigation in a substantive capacity with effect from 19-2-76 (Forenoon).

No. A-31013/1/76-AD.I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Bhardwaj, officiating Additional Legal Adviser in the Central Bureau of Investigation as Additional Legal Adviser, Central Bureau of Investigation in a substantive capacity with effect from 19-2-76 (Forenoon).

This is in supersession of this office notification of even number dated 15-7-76.

G. L. AGARWAL,
Administrative Officer (E) CBI.

New Delhi, the 20th July 1976

No. A-19021/3/76-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Chaube, an IPS Officer from U.P. Cadre as Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation (Special Police Establishment) with effect from the forenoon of 8-7-1976 on deputation basis until further orders.

K. K. PURI,
Dy. Dir. (Admn.) CBI.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 6th July 1976

No. 2/35/76-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri R. K. Sharma, I.A.S., as Secretary, Central Vigilance Commission, with effect from the forenoon of 6th July, 1976, until further orders.

The 16th July 1976

No. 2/41/75-Adm.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. P. Chakraborty, I.A.S. (1966) as Commissioner for Departmental Enquiries in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, w.e.f. the forenoon of 1st July, 1976, until further orders.

The 19th July 1976

No. PF/B/3-NG.—On his attaining the age of superannuation Shri B. K. Bhatnagar, Section Officer, Central Vigilance Commission retired from Government service w.e.f. the afternoon of 30th June, 1976.

SHRI NIVAS, Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110001, the 14th July 1976

No. D.I-3/74-Estt.I.—The President is pleased to appoint on deputation Shri A. N. Bhatnagar, ACIO-I of Intelligence Bureau (MHA), as Dy. SP (Coy. Comdr./Q.M.) in the Central Reserve Police Force, in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post of Dy. S.P. (Coy. Comdr./Q.M.) in 28th Bn, CRPF on the forenoon of 11-6-76.

The 15th July 1976

No. O-II-8/76-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri P.C. Das, an IPS Officer of Assam Cadre, as IGP in the CRPF.

2. Shri Das took over charge of the post of IGP S/IV, CRPF Shillong on the afternoon of 28th June, 1976.

The 20th July 1976

No. O-II-426/69-Estt.—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri Nasib Chand, Assistant Commandant, 23rd Bn., CRPF retired from Government service on the afternoon of 30th June, 1976.

The 21st July 1976

No. T-IX-9/76-Estt.—Shri Sohan Singh, Dy. S.P. 3rd Sig. Bn. who was officiating in a temporary capacity against a short term vacancy, is reverted to the rank of Subedar w.e.f. 11-2-76.

II

The President is pleased to appoint on promotion Subedar Sohan Singh as Dy. S.P. (Coy. Comdr./Q.M.) in the CRPF w.e.f. the forenoon of the 14th April, 1976 in a temporary capacity against a short term vacancy, until further orders.

2. On promotion as Dy. S. P., Shri Sohan Singh is posted to 3rd Sig. Bn. He took over charge of his post on the forenoon of the 14-4-76.

No. O-II-18/70-Estt.—Consequent on his repatriation to parent state i.e. Rajasthan, Shri Raghunath Singh, IPS relinquished charge of the post of Deputy Director (Adm.) Dte. General, CRPF New Delhi on the afternoon of 5th June 1976.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Admn)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 7th July 1976

No. I-32015(3)/2/76-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Jain, Security Officer, Hindustan Zinc Limited, Visakhapatnam as officiating Assistant Commandant, Central Industrial Security Force and assumed the charge of the said post at Central Industrial Security Force Unit, Heavy Engineering Corporation, Ranchi with effect from the Forenoon of 10th June 1976.

L. S. BISHT, Inspector Gnl.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL

New Delhi-110011, the 15th July 1976

No. 10/19/75-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri A. K. Biswas, an Investigator in the office of the Registrar General, India, as Research Officer in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, with effect from the afternoon of 24 June 1976 to 9 August 1976.

The headquarters of Shri A. K. Biswas are at New Delhi.

BADRI NATH,
Deputy Registrar General India and
ex-officio Deputy Secretary.

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS
BANK NOTE PRESS

Dewas, the 18th July 1976

F. No. BNP/E/Spl/34.—In continuation of this Department's Notification No. BNP/Spl/34, dated 24-8-75, the deputation of Shri C. N. Laxman Rao as Assistant Engineer (Air-Conditioning) in Bank Note Press, Dewas (M.P.) is extended upto 31-7-76, on the same terms and conditions.

D. C. MUKHERJEA, Gnl. Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
WEST BENGAL

Calcutta-11, the 17th July 1976

No. Admn.I/1038-XIV/1840.—The Accountant General, West Bengal has been pleased to appoint Sri S. Chandrasekharan, permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in the temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 12-7-76 or any date thereafter on which he actually takes over charge as Accounts Officer in this office until further orders.

The inter-se seniority of the officer in the Accounts Officer's grade will be indicated in due course.

B. BHATTACHARYA,
Sr. Dy. Accountant General (Admn.),
West Bengal

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
BIHAR

(LOCAL AUDIT WING)

Ranchi-2, the 12th July 1976

No. L.A.U&P-Estt.I.2194.—The Accountant General, Bihar, Ranchi, has been pleased to promote Shri Kamdeo Mishra, a Substantive Section Officer (Audit) of Local Audit Wing to officiate as an Assistant Examiner with effect from the 12th July 1976 (FN) until further Orders.

No. L.A. U&P-Estt.I-2195.—The Accountant General, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Ramjee Prasad a Substantive Section Officer (Audit) of Local Audit Wing to officiate as an Asstt. Examiner with effect from the 12th July 1976 (FN) until further orders.

V. RAMANATHAN,
Examiner of Local Accounts, Bihar

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
KERALA, TRIVANDRUM

Trivandrum-695001, the 14th July 1976

No. Estt/Entt/VI/10-3.—Sarvashri N. Kulathu Iyer and P. R. Ranganathan, Accounts Officers of the Office of the Accountant General, Kerala, retired from service on superannuation in Afternoon of 30th June, 1976.

R. C. GHEI, Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
KARNATAKA

Bangalore, the 15th July 1976

No. ESI/A4/76-77/322.—The Accountant General is pleased to promote the following Two Permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in a purely temporary capacity until further without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the date of their taking charge.

S/Shri

1. B. PADMANABHAN
2. S. RAMANATHAN (1)

E. V. CHANDRASEKHARAN,
Sr. Dy. Accountant Gnl. (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE
CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 022, the 13th July 1976

No. 18258/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri C. G. Ramanathan, Assistant Controller General of Defence Accounts, will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department from the afternoon of 28th February, 1977.

S. K. SUNDARAM,
Additional Controller General
of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORY
D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE

Calcutta, the 14th July 1976

No. 48/76/G.—The DGOF is pleased to appoint the under-mentioned Permt. Superintendents to the Grade of Assistant Staff Officer (Class II Gazetted) in substantive capacity w.e.f. 1st March 1968 :—

1. Shri Samarendra Nath MITRA (Since retired).
2. Shri Biswanath CHATTERJEE (Since retired).
3. Shri Shambhu Nath SINHA (Since retired).
4. Shri Krishna Chandra BHATTACHARYA.
5. Shri Dharam Chand VERMA (Since expired).
6. Shri Dharendra Prasad SRIVASTAVA
7. Shri Ale HASAN (Since retired).
8. Shri K. A. V. LINGHAM (Since retired).

9. Shri Monoranjan BHATTACHARJEE (Since retired).

10. Shri Govinda Chandra BHATTACHARJEE

11. Shri Monmohan Lal NANDA

12. Shri Amulya Kr. GHOSH CHOWDHURY (Since retired).

13. Shri Rabindra Nath BOSF.

14. Shri Prakash Chandra DUTTA (Since retired)

2. This Directorate General Gazette Notification No. 12 /76/G dated the 13th Feb. 1976 is hereby cancelled.

No. 50/76/G.—The DGOF is pleased to appoint the under-mentioned Permt./Offg. Asstt. to the grade of Assistant Staff Officer (Class II Gazetted) in an Offg. capacity on *ad-hoc* basis for the period indicated against each :—

1. Shri Narayan GANGOPADHYAY from 7th Aug. 1974 to 27th Oct. 1974.
2. Shri Biswa Ranjan Gupta (i) from 13th June 1975 to 31st July 1975.
(ii) from 2nd August 1975 to 2nd October 1975.
3. Shri Lakshmi Narayan SAMANTA, from 5th July 1975 to 29th September 1975.
4. Shri Sudhir Kumar DUTTA, from 5th July 1975 to 3rd November 1975.
5. Shri Netai Pada MUKHERJEE, (i) from 23rd Dec. 1974 to 14th February 1975.
(ii) from 24th February 1975 to 28th May 1975.
(iii) from 1st February 1976 until further orders.
6. Shri Amal Kumar Saha from 13 June, 1975 to 31 July 1975.

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 16th July 1976

No. 50/76/G.—On attaining the age of superannuation, Shri M. L. Khattar, Offg. Asst. Manager (Subst & Permt. Foreman), retired from service with effect from 31st October, 1975 (A/N).

M. P. R. PILLAI,
Asstt. Dir. Gnl. Ord. Factories.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

New Delhi, the 15th July 1976

No. 6/393/56-Admn(G)/45/5.—Shri T. J. Parasram, Controller of Imports and Exports, in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta has been retired prematurely from Government service with effect from the afternoon of the 26th December, 1975, under clause (j) of rule 56 of the Fundamental rules.

No. 6/574/59-Admn(G)/4512.—The President is pleased to retire Shri D. S. Morkrima, Dy. Chief Controller of Imports and Exports, Kanpur from Government service with effect from 5-2-1976 (AN), under clause (j) of rule 56 of the Fundamental Rules.

The 19th July 1976

No. 6/873/69-Admn(G)/4646.—Shri M. M. Solanki, Assistant Iron and Steel Controller in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports Bombay who was under suspension, has been retired prematurely from Government service with effect from the afternoon of the 18th March, 1976 under clause (j) of rule 56 of the Fundamental Rules.

No. 6/1102/75-Admn(G)/4658.—Shri O. P. Dhawan, a temporary Grade I officer of the CSSS and Senior Personal Assistant in the Ministry of Commerce has been appointed as P. S. to the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi [selection Grade of the CSSS] with effect from 29-5-1976 (AN) on temporary basis, until further orders.

P. K. KAUL,
Chief Controller of Imports and Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-4000 20, the 19th July 1976

No. EST.I-2(472).—Shri A. N. Narayanan, Assistant Director Grade I (N.T.) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, retired from service from the afternoon of the 30th June 1976 on attaining the age of superannuation.

R. P. KAPOOR, Textile Commissioner

Bombay-400 020, the 13th July 1976

No. CER/3/76.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/3/69, dated the 19th September, 1969, namely :—

1. In sub-paragraph (2) of paragraph I, the following shall be inserted as item (f), namely :—

“(f) Cloth produced by a producer having no spinning plant and which is subject to further processing by a processor except the marketings required to be made in paragraph IIID below.”

2. In paragraph IIIC the words “fents and rags of cloth” and the words and marks, ‘fents and rags’ as the case may be’ shall be deleted.

3. After paragraph IIID the following shall be inserted as Explanation, namely :—

“Explanation. For the purpose of paragraph IIID the term “processed by a processor” would also include process of calendaring”.

G. S. BHARGAVA,
Jt. Textile Commissioner

OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 20th July 1976

No. Jute(A)/147/65.—On relinquishment of charge of the ad-hoc officiating post of Assistant Director (Jute Technology) Shri K. K. Das reverts to his non-gazetted substantive post of Inspector (Technical) Grade-I with effect from 16th July, 1976 (F/N) vice Shri D. K. Dutta resumed his duty after expiry of his earned leave on 15-7-76.

N. K. ROY,
Administrative Officer
for Jute Commissioner.

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF ACCOUNTS

DEPARTMENT OF SUPPLY

New Delhi, the 20th July 1976

No. A-32014/75-77/Admn(CDN)/202-203.—The Chief Pay & Accounts Officer, Department of Supply, Rehabilitation and Ministry of Food & Agriculture, New Delhi has appointed Shri Mirendra Nath Sen, Section Officer (Pay & Accounts) of his organisation to officiate as Pay & Accounts Officer, in the office of the Sr. Dy. Chief Pay & Accounts Officer, Department of Supply, Calcutta with effect from the forenoon of 14-6-76 until further orders.

His promotion is without prejudice to the rights and claims, of his seniors in the panel.

His promotion is subject to the conditions laid down in the Chief Pay & Accounts Officers Organisation (Pay & Accounts Officer) Recruitment Rules, 1974.

No. A-32014/75-77/Admn(CDN)/204-5.—The Chief Pay & Accounts Officer, Department of Supply, Rehabilitation and Ministry of Food & Agriculture, New Delhi has appointed—Shri K. K. Chaudhary, Section Officer (Pay & Accounts) of his Organisation to officiate as Pay & Accounts Officer in the office of the Dy. Chief Pay & Accounts Officer, Works and Housing Unit, Madras with effect from the forenoon of 23-6-76 till further orders.

His promotion is without prejudice to the rights and claim of his seniors in the panel.

His promotion is subject to the conditions laid down in the Chief Pay & Accounts Officers Organisation (Pay & Accounts Officer) Recruitment Rules, 1974.

JAI LAL,
Dy. Controller of Accounts

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 13th July 1976

No. 2251(SCS1)/19B.—Shri S. C. S. Iyengar received charge of the post of Driller in the Geological Survey of India an reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited, in the same capacity with effect from the forenoon of the 26th May, 1976.

No. 2222(KVM)/19A.—Shri K. V. Mohan received charge of the post of Assistant Geologist in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited, in the same capacity from the forenoon of the 27th April, 1976.

V. K. S. VARADAN, Dir. Gnl.

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 20th July 1976

No. F.70-2/74-Estt./12969.—On the recommendation of the D.P.C., the following Senior Zoological Assistants working as Assistant Zoologists on *ad-hoc* basis in the Zoological Survey of India, are appointed to officiate as Assistant Zoologists in the same Department with effect from 21st June, 1976, on a regular basis, in the scale of pay of Rs. 650/—1200 until further orders.

1. Shri S. K. Saha
2. Smt. Manisha Sen
3. Shri D. N. Tiwari
4. Dr. G. N. Saha

DR. S. KHERA,
Jt. Director-in-Charge,
Zoological Survey of India.

DIRECTORATE GENERAL : DOORDARSHAN

New Delhi, the 15th July 1976

No. A-19812/18/76-S II.—The Director General, Doordarshan hereby appoints Shri E. Ramaswamy, Senior Engineering Assistant as Assistant Engineer at Doordarshan Kendra, Madras with effect from 2-6-1976, in a temporary capacity, until further orders.

R. K. KHATTAR, Dy. Dir. Admn.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 7th July 1976

No. A19012/4/76-Est.I.—Shri N. Soma Sundaram, an Accounts Officer of the Defence Accounts Department has been appointed to officiate as Accounts Officer in the Films Division at Bombay from 1-7-1976 (FN) on deputation basis.

2. Shri K. S. Nayar, Officiating Accounts Officer stood reverted to the post of Chief Accountant from 1-7-1976 (FN).

The 13th July 1976

No. A.19012/5/76-Est.I.—Shri Ram Nath, an Accounts Officer of the Defence Accounts Department has been appointed to officiate as Accounts Officer in the Films Division at Bombay from 9-7-1976 (FN).

2. Shri V. R. Peswani, Offg. Accounts Officer stood reverted to the post of Superintendent from 9-7-1976 (FN).

No. A-19012/1/76-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri C. J. Reddy, to officiate as Newsreel Officer in the Films Division, Bombay with effect from the 7th July, 1976 (FN) until further orders.

M. K. JAIN,
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th July 1976

No. 20/1(26)/75-CGHSI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. T. M. Kuriakose to the post of Homeopathic Physician in the Central Govt. Health Scheme, Hyderabad on temporary basis with effect from the forenoon of 15th June, 1976.

No. 20/1(26)/75-CGHSI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Sri Ram Trivedi to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme, Hyderabad on temporary basis with effect from the forenoon of 21st June, 1976.

No. 21/6(1)/75-CGHSI.—Consequent on acceptance of resignation, Dr. S. H. Kerosenewalla, G.D.O. Grade II (*Ad hoc*) relinquished charge of the post of Junior Medical Officer on 1-5-75.

R. K. JINDAL
Deputy Director Administration (CGHS)

New Delhi, the 16th July 1976

No. A.32013/3/76(JIP)-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. S. Kasinath, Demonstrator, Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education and Research, Pondicherry, to the post of Lecturer in Zoology in the same Institute, with effect from the after-17—176GI/76

noon of the 23rd June, 1976, on an *ad-hoc* basis, and until further orders.

S. P. JINDAL
Deputy Director Administration

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi-1, the 16th July 1976

No. F.5(2)/71-Est.I.—Consequent on the termination of his appointment from the post of Assistant Director (Publicity) under the Department of Food, Shri S. K. S. Dhariwal assumed the charge of the post of Assistant Exhibition Officer (Grade I) in the Directorate of Extension with effect from forenoon of 5th July, 1976.

W. M. KAILASH
Deputy Director of Administration
for Director of Administration

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 21st July 1976

No. F.3-13(3)/75-A.I.—Shri R. R. Singh is appointed substitively to the permanent post of Statistical Officer in the Directorate of Marketing and Inspection with effect from 29-4-1974.

RAMADHAR
Agricultural Marketing Adviser

PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES

Dehra Dun, the 14th July 1976

No. 4-6/72-Adm.—Shri P. K. Onial, has been relieved of his duties of Assistant Conservator of Forests, Preinvestment Survey of Forest Resources Central Zone, Nagpur, w.e.f. the Afternoon of 21st May, 1976 on completion of his deputation term. His services stand replaced at the disposal of the State Forest Department of the Government of Madhya Pradesh on the expiry of his Earned Leave from 22-5-1976 to 21-8-1976.

ROMESH CHANDRA
Chief Coordinator

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 14th July 1976

No. E(I)04260.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri T. M. Sambamurthy, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-nine days with effect from the forenoon of 16-6-76 to 12-9-76.

Shri T. M. Sambamurthy, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

No. E(I)04321.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. S. V. Rajagopalan, Prof. Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-nine days with effect from the forenoon of 1-7-76 to 27-9-76.

Shri Rajagopalan, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

The 17th July 1976

No. A12026/1/76 E-I.—On being relieved by the respective Account Generals, the undermentioned Accountant Officers have assumed charge in the Pay & Accounts Offices under India Meteorological Department from the dates shown against their names :—

Name	Date of charge assumption	Office of posting
1. Shri A.C. Chakravarty (from Accountant General, West Bengal)	1-4-1976 (Forenoon)	Regional Meteorological Centre, Calcutta.
2. Shri R. Venkataraman (from Accountant General I, Tamil Nadu)	1-4-1976 (Afternoon)	Regional Meteorological Centre, Madras.
3. Shri M.B. Mahajan (from Accountant General, Maharashtra)	1-5-1976 (Forenoon)	Office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics) Poona.

No. E(1)00902.—On being relieved from the Office of the Accountant General, Commerce, Works & Miscellaneous, New Delhi, Shri S. K. Arora assumed charge as Accounts Officer in the C.P.&A.O., India Meteorological Department at New Delhi on the forenoon of 1st April, 1976.

an officiating capacity for a period of eightynine days with effect from the forenoon of 1-7-76 to 27-9-76.

Shri Gopinatha Rao, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Dy. Director General of Observatories, (Climatology & Geophysics), Poona.

No. E(1)04261.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri B. Gopinatha Rao, Prof. Assistant, Officer in the C.P. & A.O., India Meteorological Department (Climatology & Geophysics), Poona, as Assistant Meteorologist in

M. R. N. MANIAN

Meteorologist

for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 9th July 1976

No. A. 32013/9/75-ES.—The President is pleased to appoint the following Aircraft Inspectors to officiate as Senior Aircraft Inspectors, on a regular basis and until further orders, with effect from the date noted against each :—

S. No.	Name of the Officer	Date of Promotion	Station of present Posting
1.	Shri Man Singh, Inspection Office, Patna	16-6-76 (FN)	Directorate General of Civil Aviation, New Delhi.
2.	Shri M.S. Ibrahim, Inspection Office, Begumpet	31-5-76 (FN)	Inspection Office, Calcutta.
3.	Shri V.R.R. Arava, Inspection Office, Begumpet	24-5-76 (FN)	Inspection Office, Kanpur.

S. L. KHANDPUR,
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 13th July 1976

No. A.32013/5/75-EH.—The President has been pleased to appoint Shri S. K. Neogi, Controller of Communications as Director of Aeronautical Communication in the Civil Aviation Department on an *ad-hoc* basis for a further period from 1st June, 1976 to 30th September, 1976, or till regular appointment is made, whichever is earlier. This notification is in continuation of this Department notification No. A.32013/5/75-EH, dated the 26-3-1976.

T. S. SRINIVASAN
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 21st July 1976

No. A.32013/14/75-EC.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/14/75-EC, dated the 23-2-1976, the President is pleased to extend the *ad-hoc* promotion of S/Shri P. Paulose and R. H. Subramaniam as Communication Officer for a further period from the 1-5-1976 to 16-5-1976; and to post them at the same station.

No. A. 32013/6/75-EC.—The President is pleased to appoint the following Assistant Communication Officers to the grade of Communication Officers on regular basis with effect from the date indicated against each and until further orders and to post them to the station indicated below :—

S. No.	Name and Designation	Present Stn. of posting	Stn. to which posted	Date
1.	Shri J.C. Das, Asstt. Comm. Officer	Calcutta	Calcutta	30-6-1976 (FN)
2.	Shri B.M. Barari, Asstt. Comm. Officer	Calcutta	Calcutta	30-6-1976 (FN)

No. A. 32013/11/75-FC.—The President is pleased to appoint the following Technical Officers to the grade of Senior Technical Officer on *ad-hoc* basis upto the 31st December, 1976 or till regular appointments to the grade are made whichever is earlier with effect from the date indicated against each and to post them to the stations indicated against each :—

S. No.	Name and Designation	Present stn. of posting	Date	Stn. to which posted.
1.	Shri N.R. Swamy, Technical Officer	Regional Office, Safdarjung Air port, New Delhi.	24-6-76	Hyderabad
2.	Shri Praveen Seth, Technical Officer	R.C. & D.U., New Delhi	11-6-76	DGCA Headquarters, N. Delhi.
3.	Shri Risal Singh, Technical Officer	R.C. & D.U. New Delhi.	30-6-76	ACS, Nagpur.

The 22nd July 1976

No. A.32014/2/75-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri A. K. Misra, Technical Assistant, A.C.S., Belgaum as Assistant Technical Officer on an officiating capacity with effect from the 25th May, 1976 (FN) and until further orders and to post him at Civil Aviation Training Centre, Allahabad.

V. V. JOHRI
Asstt. Director (Administration)

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Allahabad, the 3rd July 1976

No. 35/1976.—Shri Dinesh Chandra Verma, an officiating Office Superintendent posted in the Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad and appointed to officiate as Administrative Officer of Central Excise, until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, vide this office Establishment order No. 123/1976, dated 7-5-1976 issued under endorsement C. No. 11 (3) 141-Et/76, dated 7-5-1976, took over charge of the Office of the Administrative Officer of Central Excise, Mirzapur in the Central Excise Integrated Divisional Office, Mirzapur on 31-5-1976 (forenoon), relieving Shri Bika Ram, Superintendent, Group 'B' of the additional charge.

H. B. DASS
Collector
Central Excise, Allahabad

Patna, the 9th July 1976

C. No. 11(7)5-ET/75/6562.—In pursuance of Board's letter F. No. A.12026/8/75-CERO(Adm) dated 30-3-76 and this office letter No. 11(3) 49-ET/76/3578-80 dated 26-4-76, Sri Ram Adhar Singh, Senior Translator in the Central Translation Bureau (Ministry of Home Affairs) K-76, Hauz Khas, New Delhi-110016 has been appointed until further orders on *ad-hoc* and temporary basis as Hindi officer in the time scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- plus usual allowances as admissible under Rules, Sri Ram Adhar Singh assumed charge as Hindi Officer, in the forenoon of 14-6-76 at the Hdqrs. Office, Patna.

H. N. SAHU
Collector
Central Excise, Patna

CUSTOMS ESTABLISHMENT

Calcutta, the 13th July 1976

Shri S. C. Dutta, P.O. Gr. 1(S)/G), Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House w.e.f. 21-5-75 (F.N.).

Shri V. S. Handa, P.O. Gr. 1(S)/G), Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 28-5-75 (A.N.).

Shri N. Bara, P.O. Gr. 1(S)/G), Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 4-7-75 (F.N.).

Shri J. C. Sen, Preventive Inspector, Calcutta Custom House, retired from service w.e.f. 31-12-73 (A.N.).

Shri R. Furtado, Preventive Inspector, Calcutta Custom House retired from service w.e.f. 9-7-74 (A.N.).

Shri P. K. Godwani, Preventive Inspector, Calcutta Custom House, retired from service w.e.f. 30-4-75 (A.N.).

Shri B. Arora, Preventive Inspector, Calcutta Custom House, retired from service w.e.f. 30-6-75 (A.N.).

Shri S. K. Banerjee, Preventive Inspector, Calcutta Custom House, retired from service w.e.f. 31-1-76 (A.N.).

[No. S34-67/54 Act.]

D. N. LAL
Collector of Customs
Calcutta

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi the 17th July 1976

No. 19012/454/73-Adm.V.—Consequent on his proceeding on foreign service with the Water and Power Development Consultancy Services (India) Ltd., Shri R. K. Khanna, Extra

Assistant Director, relinquished charge of his post in the Central Water Commission on the afternoon of the 6th July, 1976.

V. G. MENON
Under Secy.
for Chairman, C.W. Commission

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the 19th July 1976

No. 1/327/69-EC.IX.—Shri J. L. Sehgal, Senior Architect of this Department expired on 12th June 1976.

O. P. C. VERMA
Dy. Director of Administration

MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 14th July 1976

No. 73/W6/TK/34.—Ministry of Railways (Railway Board) have approved of the Transfer of the maintenance of the following track from Northern Railway to Western Railway, without transfer of any staff.

M. G. Track from Km. 1/7-8 to Km. 1/10 on Phulera-Kuchaman Road Section, Jurisdiction demarcation point would now be Kms. 1/10.

The adjustments have been made in the interest of proper maintenance of the Railway Track.

Railways may effect all necessary corrections.

B. MOHANTY
Secretary, Railway Board and
Ex-officio Joint Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

COMPANY PETITION No. 27 OF 1973

*In the matter of Chamber of Commerce, Aligarh
Section 445 of Companies Act, 1956*

NOTICE

Kanpur, the 14th July 1976

No. 1486/2180-Lign.—By an order dated 17-4-1974 in company Petition No. 27 of 1976 of the Hon'ble High Court of Judicature at Allahabad, it has been ordered to wind up the Chamber of Commerce, Aligarh and the Official Liquidator, Allahabad has been appointed its Official Liquidator.

S. NARAYANAN
Registrar

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Avdhut Maharashtra Sugarcane Industries Limited*

Bombay-2, the 14th July 1976

No. 5688/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Avdhut Maharashtra Sugarcane Industries Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Presidency Industrial Bank Limited*

Bombay-2, the 14th July 1976

No. 2566/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Presidency Industrial Bank Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Galileo Instruments Limited*

Bombay-2, the 15th July 1976

No. 12347/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Galileo Instruments Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Foremost Agencies Limited*

Bombay-2, the 15th July 1976

No. 15763/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Foremost Agencies Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

P. T. GAJWANI
Addl. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Damji Jethabhai & Brothers Pvt. Limited*

Ahmedabad, the 16th July 1976

No. 850/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Damji Jethabhai & Brothers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sanket Private Limited*

Ahmedabad, the 21st July 1976

Notice under section 445 (2)

No. 2174/Liquidation.—By an order dated 19-4-76 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 30 of 1975, it has been ordered to wind up M/s. Sanket Private Limited.

J. G. GATHA
Registrar of Companies
Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
London Cleaners & Dyers Private Limited*

Calcutta, the 21st July 1976

No. 24069/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the London Cleaners & Dyers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. NATH
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Meerut, the 20th March 1976

In pursuance of sub-section (I) of the Section 287 of the Income-Tax Act, 1961, it is expedient in the public interest to publish the names of the following persons :

CATEGORY A (i) : *Names and Particulars of the assessee being individual or Hindu undivided families who have been assessed on an income of more than one lakh of rupees during financial year 1974-75.*

Sl. No. Name & address of the assessee	Status	Asst. year	Income returned	Income assessed	Tax payable by the assessee	Tax paid by the assessee
1. B.S. Modi & Sons, Modinagar	H.U.F.	1974-75	1,38,330	1,39,550	1,06,549	1,06,549
2. Shri Radhe Mohan Khanna, c/o Mithan Lal & Sons Ghaziabad	Indl.	1974-75	1,28,830	1,29,600	87,032	87,032
3. Shri B. L. Kapoor, General Manager, Mowana Sugar Works, Mowana	Indl.	1974-75	1,38,482	1,40,680	97,226	97,226
4. Sir Shadi Lal & Sons, Shamli, Muzaffar Nagar	H.U.F.	1972-73	1,42,457	1,42,460	65,075	65,075
5. Narendra Lal Shadi Lal, Shamli Muzaffar Nagar	Indl.	1972-73	1,20,110	1,20,110	61,523	61,523
6. Sushila Devi Rajendra Lal, Shamli, Muzaffar Nagar	Indl.	1972-73	1,46,022	2,90,850	2,20,319	2,20,319

CATEGORY A (ii) : *Names and particulars of the assessee being firms association of persons or companies who have been assessed on income of more than 10 lakhs of rupees during financial year 1974-75.*

1. Rohm & Hass Co. of Philadelphia, U.S.A. c/o Alexander & Co., Jeevan Udyog, Bombay	Company	1974-75	34,49,500	34,49,500	25,35,378	25,35,378
2. M/s Delhi Iron & Steel Co (P) Ltd., Ghaziabad	Company	1973-74	17,34,230	17,80,900	10,69,467	10,69,467
3. Upper Doab Sugar Mills Ltd., Shamli	Company	1972-73	25,52,570	57,16,159	32,21,015	32,21,015
4. Janki Sugar Mills, Doiwala, Dehradun	R.F.	1974-75	14,46,155	14,60,440	4,17,320	1,59,425

CATEGORY B : *Names and particulars relating to assessee on whom a Penalty of not less than Rs. 5000/- was imposed during the F.Y. 1945-75.*

1. Janki Sugar Mills, Doiwala (Dehradun)	R.P.	1970-71	Amount of penalty :		Rs. 5000/-	
2. Shri Ram Saran, Prop., M/s Suhil Taxi Service, 65, Gandhi, Road, Dehradun	Indl.	1970-71	Do.		Rs. 6120/-	

CATEGORY C (i) : *Names of persons in default for periods exceeding 9 months but not exceeding one year and three months.*

Sl. No. Name and address of assessee	Status	Asst. year	Demand outstanding	Remarks
1. Bhagwati Devi, Deiwala (Dehradun)	Indl.	1972-73	54,211/-	—
2. Madho Lal, Deilal (Dehradun)	Indl.	1972-73	29,370/-	—
3. Sita Ram, Halwai, Dehradun	Indl.	1972-73	47,319/-	—

CATEGORY C (iii) : *Name of persons in default for a period of 2 years and 3 months and above.*

1. K. S. Rashid Ahmad, 77 Bank Street, Meerut	Indl.	1946-47	2,87,357/-	—
2. D. P. Bhatnagar, Khairnagar, Meerut	Indl.	1945-46	37,637/-	—
3. Manmohan Sehgal, Naj Mandi, Muzaffar Nagar	Indl.	1947-48 to 1958-59	1,44,095/-	—
4. Kripa Ram Sri Gopal, Naj Mandi, Muzaffar Nagar	U.R.F.	1956-57 to 1960-61	2,25,244/-	—
5. Kripa Ram c/o M/s Kripa Ram Sri Gopal, Naj Mandi, Muzaffar Nagar	Indl.	1960-61 to 1962-63	1,75,510/-	—

In pursuance of section 42A of the Wealth-tax Act, 1957, it is expedient in the public interest to publish the names of the following persons :

CATEGORY : Names and particulars of wealth tax assessee on net wealth exceeding rupees 10 lakhs during the financial year 1974-75.

Sl. No.	Name and address of the assessee	Status	Asstt. year	Wealth re- turned	Wealth assessed.	Wealth-tax payable	Wealth-tax paid.
1.	Smt. Raj Kumari Agarwal Modi Bhawan, Modinagar	Indl.	1974-75	10,35,022	10,44,200	16,326	16,326
2.	Shri Nasir Ali, C/o M/s Amjad Ali and Co., Tllak Road, Meerut	Indl.	9173-74	10,20,340	10,20,340	15,609	15,609
3.	Do.	„	1972-73	9,91,700	11,03,200	18,096	18,096

V. P. SHARMA
Commissioner of Income-tax

New Delhi the 13th July, 1976

INCOME TAX

F. No. JHR/DLI-II/76-77/15116—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers this behalf and modification of the earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax mentioned in Col. 1 of the Schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax under said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the I.T.Os of the Districts/Circles mentioned in Col. 2 of the said schedule —

SCHEDULE

RANGE	Income-tax Distt./ Circle
1	2
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range IX, XI and XXI, New Delhi.	Coys Circles I, IV, 4, VIII, VI(3), VI(4), VI(5), VI(6) VI(7), VI(8), VI(9) & VI (10), New Delhi.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range II-B, New Delhi	1. Districts VI(1), VI(2), VI(3), VI(4), VI(5), VI(6) VI(7), VI(8), VI(9) & VI (10), New Delhi. 2. Trust Circles I & II, New Delhi.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range II-C-cum-E.D. New Delhi	1. Companies Circles VI, XVII XVIII & XXI, New Delhi. 2. Special Circles I & I (Addl. II, II (Addl.) & VII, New Delhi 3. Contractors' Circle Wards AB, C, D & E, New Delhi. 4. Lawyers' Circles I & II, New Delhi. 5. Estate Duty-cum-Income-tax Circle and Addl. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, New Delhi.

This notification shall take effect from 19-7-1976.

No. JUR/DLI/II/76-77/14665.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling

him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi, hereby directs that the following Income-tax Range shall be created with effect from 19-7-1976.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Delhi Range II-C-cum-Estate Duty, New Delhi.

Note :—Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range IIB-cum-Estate Duty, New Delhi will be redesignated as Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range II-B, New Delhi.

JAGDISH CHAND
Commissioner of Income-tax
Delhi-II, New Delhi

MINISTRY OF COMMERCE

KANDLA FREE TRADE ZONE ADMINISTRATION

Gandhidham-Kutch, the 1st July 1976

Order of Termination of Services issued under the Proviso to Sub-Rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965

No. FTZ/AC/Con/1/75/9692.—In pursuance of the proviso to sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Service (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby terminate forthwith the services of Shri Krishnapratapsingh Chauhan, Upper Division Clerk in the Administration and direct that he shall be entitled to claim a sum equivalent to the amount of his pay plus allowances for the period of notice at the same rate at which he was drawing them immediately before the termination of his service.

N. VITTAL,
Development Commissioner,
Kandla Free Trade Zone.

MINISTRY OF LABOUR LABOUR BUREAU

Simla-4, the 14th August 1976

No. 23/3/76-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by one point to reach 291 (Two hundred and ninety one) during the month of June, 1976. Converted to base 1949=100 the Index for the month of June, 1976 works out to 354 (Three hundred and fifty four).

K. K. BHATIA,
Joint Director.

FORM ITNS—

(1) Shri Roshan Lal Khanna, s/o
Shri Gopi Chand, C/o
M/s. Gopi Chand Roshan Lal,
G. T. Road, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ramesh Kumar Goel, S/o
Shri Babu Ram,
Resident of Naulakha Cinema Road,
Goel Building, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 6th July 1976

Ref. No. LDH/C/1707/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 11-H, Sarabha Nagar, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11-H, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6374 of December, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 6-7-1976.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 5th July 1976

Ref. No. PTA/1507/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 6-B, Model Town, situated at Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kuldip Singh Johar, S/o
Shri Narain Dass,
Resident of C-5/5, Safdarjang Enclave Development
Area, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Parkash Watl, W/o S. Satinder Parkash,
Resident of 6-B, Model Town,
Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6-B, Model Town, Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3466 of December, 1975 of the Registering Officer, Patiala).

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 5-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th July 1976

Ref. No. AP-1603.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at V. Khuaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on December, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Surinder Nath son of Shri Roshan Lal s/o Shri Hans Raj Jain, Mohall Garhi, Hoshiarpur for self and G. A. on behalf of Pushpa alias Pushpa Rani, Kanta, Prem Lata his real sisters and his Mohinder Nath his real brother 72, Canning Street, Calcutta.
(Transferor)

(2) Shri Omesh Kumar s/o Maghan Nath s/o Hans Raj, Achal Kumar, Arun Kumar sons of Jalinderpal s/o Maghan Nath Kusham Lata w/o Kulbhushan and Sarita Rani w/o Kranti Kumar s/o Maghan Nath Moh. Kharadian, Hoshiarpur.
(Transferee)

* (3) at S. No. 2
(Person in occupation of the property).

* (4) Anybody interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 3349/ December, 1975 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sewa Singh s/o Ghula Singh,
Dial Nagar, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Gurtek Singh son of Shri Gurdit Singh
N. K. 218, Charanjit Pura, Jullundur City.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

*(3) At S. No. 2

(Person in occupation of the property)

*(4) Anybody interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Jullundur, the 15th July 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP-1604.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/1 and bearing

No. As per Schedule situated at Jullundur
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer
at Jullundur on December 1975

for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 7937/
December, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

18—196G1/76

Date : 15-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ganesh Ram, S/o Sh. Mohan Lal
H. No. 5526, Gali No. 73-74, Reharpura, Karol
Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ram Kirpal, s/o Shri Bhukan Saran & Shri
Surendra Kumar, s/o Sh. Anand Parkash H. No.
2303, Dharampura, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 17th July 1976

Ref. No. IAC/Acq.III/Sr.III/Nov./446(8)/75-76.—
Whereas, L. S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269-B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'Said Act') have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. H. No. 5526 Plot No. 474, situated at Gali 73-74, Block
'B' Reharpura, Karol Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 14-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
Said Act in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
Said Act shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of a double storey building H. No. 5526, Plot
No. B-474, Gali No. 73-74, Reharpura, Karol Bagh, New
Delhi on a plot of land measuring 75 sq. yds. and situated as
follows :—

East : H. No. 5527

North : Gali No. 73

West : Balance portion on plot No. 5526

South : Gali No. 74.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-7-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sarti, W/o Late Shri Mir Singh, Village Rasoolpur, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 17th July 1976

Ref. No. IAC/Acq.III/Sr.-II/Nov/1075(11)/75-76----

Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land meg. 50 Bigha, 11 Biswas, situated at Village Rasoolpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 14-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitions of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) Shri Om Parkash, s/o Shri Siri Ram
Village Rampur Kundal, Distt. Sonapat (Haryana)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share of agricultural land measuring 101 Bighas 2 Biswas comprising Khasra No.(s). 1/23 (3—15), 24 (5—1), 3/4 (5—12), 5/22 (3—8), 23 (5—0), 13/25 (4—16), 14/21 (4—13), 14/3 (4—13), 8 (4—16), 12 (4—12), 13 (4—16), 19 (4—16), 20 (4—16), 22 (4—16), 16/3/1 (1—12), 19/5 (4—13), 20 (4—14), 11 (4—14), 12 (4—16), 13 (4—10), 18 (4—14), 26/51 (0—18), situated at Village Rasoolpur, Delhi State.

S. C. PARIJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range III,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-7-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Amar Nath, s/o Shri Jawala Dass
r/o. No. WZ-43, Mecnakashi Garden, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tarsem Singh, s/o Sh. Ujagar Singh and Smt.
Amarjeet Kaur w/o Shri Bishan Singh, r/o No.
L/161, Ram Nagar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III.
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 17th July 1976

Ref No. IAC/Acq.III/SR.III/Nov./440(2)/75-76.—
Whereas I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter re-
ferred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 45, Baird Road, situated at Nehru Bazar,
Paharganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 10-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 45, Baird Road (Nehru Bazar), Paharganj, New
Delhi, the area of the said shop is 19.7 sq. yds.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th July 1976

Ref. No. 11/Nov/75.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-8 situated at Alagapuram village, S. No. 115-A, Fairlands, Salem District (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar, Salem (Doc. No. 4405/75) on November 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfers with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri S. Govindarajulu,
2. Smt. Thayarammal, W/o S. Govindaraju'u,
3. Smt. Shantha, D/o Govindarajulu,
Alagapuram village, Fairlands,
Salem-4.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. V. Pankajam, W/o R. Viswanathan
2. Smt. T. Chandrikadevi, W/o R. Thiagarajan,
3. Smt. V. Vasantha, W/o R. Vajravelu,
No. 61, Appasamy Pillai Street,
Shevapat, Salem District.

(Transferee)

- *(3) Shri L. Sohanlal Choudhary
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building bearing Door No. C-8, Alagapuram village, Fair lands, Salem District, measuring 6804 sq. ft. in S. No. 115.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 15th July, 1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri T. Venkataraman,
6/H, Warren Road,
Mylapore, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th July 1976

(2) Smt. T. R. Saroja,
No. 3, Vallabha Dasari Lane,
Pilliar Koil Street,
Madras 600 003.

(Transferee)

*(3) 1. S. V. Traders,
2. T. Rajagopal,
3. B. Heeralal,
4. Mrs. Jain Mandal,
5. Mr. Motilal,
6. Mr. Lalchand,
7. Mr. Champalal,
8. Mr. Ramachandra,
9. Mr. Thiruvengkatachari.

(Person in occupation of the property)

Ref. No. 52/Nov./75-76.—Whereas I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 44, situated at Krishnappa Naicken Agraharam, George Town, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 842/75) on November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 ground and 704 sq. ft. with building thereon at door No. 44 (R. S. No. 274), Krishnappa Naicken Agraharam, George Town, Madras.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 15th July, 1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th July 1976

Ref. No. 57/Nov./75-76.—Whereas I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 187, situated at Poonamallee High Road, Aminjikarai, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sembiam, Madras (Doc. No. 3127/75) on 13-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mr. G. Rameswarlal Sharma & his wife
2. Mrs. Lella Bai
7, North Kasa Thottam Street,
Aminjikarai, Madras-29.
(Transferor)
- (2) 1. Shri M. Balasubramaniam,
son of Shri K. Mookandi Nadar.
2. Shri M. Ranganathan } minors by father and
3. Shri M. Parameswaran } guardian, Shri Mookandi
Nadar,
29, Lubbai Street, Egmore,
Pudupet, Madras-2.
(Transferee)
- (3) 1. Shri V. S. Rajapandian, Propr. of Chandra Stores
2. Shri M. Kunjithapatham Chettiar,
Propr. of Radha Stores
3. Shri Govindaraj;
4. Shri M. C. R. Swamy.
(Person in occupation of the property)
- (4) Arul Migu Ekambareswarar Devasthanam,
Aminjikarai, Madras-29.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at No. 187, Poonamallee High Road (R. S. No. 70/2 part), Aminjikarai, Madras-29.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 15th July 1976.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 16th July 1976

Ref. No. 67/Nov./75-76.—Whereas I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as given in schedule, situated at Chengapalli village, Salem district and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Velur (Doc. No. 1668/75) on November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Veerammal,
W/o. K. Kalianna Gounder, and
Shri K. Palaniappan,
Karasapalayam, Vazhavandi post,
Namakkal taluk, Salem district.

(Transferor)

(2) Shri A. P. Tamil Arasu,
S/o. Athiappa Gounder,
Karasapalayam, Vazhavandi P.O.,
Namakkal taluk, Salem district.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with shed, etc.) measuring 12 acres and 86½ cents in Chengapalli village, Namakkal taluk bearing the following survey numbers :

Survey No. 61/2	2.61½ Acres
" No. 62/1	0.06½ "
" No. 63/2A	0.29 "
" No. 63/2C	0.68 "
" No. 64	4.03½ "
" No. 65/1A	0.20½ "
" No. 65/1D	1.44 "
" No. 65/1E	1.04 "
" No. 66/1A	0.16½ "
" No. 66/1B	0.25 "
" No. 66/1D	0.14 "
" No. 66/1-I	0.90 "
" No. 66/1-k	0.46 "
" No. 66/3	0.58½ "
	<hr/>
	12.86½ "

G. RAMANATHAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 16-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 17th July 1976

Ref. No. 75/NOV/75.—Whereas I. G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19-B, situated at Narasimha Chettiar Road, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Salem (Doc. No. 3342/75) on November, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the eludion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—
19—196GI/76

- (1) Shri R. Jayaraj 2. Premraj 3. Shanmugasundaram (minor) by father and guardian R. Jayaraj and Siva-sankaran (minor) by father guardian Premraj, 23-C, Madhayya Chetty St., Arisipalayam, Salem.

(Transferor)

- (2) Shri R. Sathyanarayanan
2. R. Sankaran,
No. 22, Subramania Chetty St.,
Solapadi, Shevapet, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1364 Sq. metres with building thereon at Door No. 19-B, T. S. No. 27/2, R. Narasimha Chettiar St., now known as Thirumalaigiri Road, Shevapet, Salem.

G, RAMANATHAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 17-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th July 1976

Ref. No. 92/NQV/75-76.—Whereas I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as given in the schedule, situated at as given in the schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madurai (Doc. No. 3327/75) in November, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri P. Krishnan,
S/o. P. V. B. Ponraj Chettiar,
Chinnalapatti, Dindigul taluk.

(Transferor)

(2) Shri Kalaimohan,
son of V. O. Sivasubramanian Chettiar,
22, Mahal 5th Street, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share in the following properties :

- (i) Land measuring 2.34 acres with building at Survey No. 14 (New Door No. 10/13, 9, 10, 11) Keezhakottai village;
- (ii) Land and building measuring 21'×28' (door No. 15/1.35 at Koezhakottai village;
- (iii) Land with tin shed, etc. measuring 27'×26' at door Nos. 15/5, 16, Keezhakottai village;
- (iv) Land measuring 5 cents at survey No. 353/2C Pappakudi, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 14th July 1976
Scul :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th July 1976

Ref. No. 93/NOV/75-76.—Whereas I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as given in schedule, situated at as given in schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madurai (Doc. No. 3328/75) on November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri P. Krishnan,
S/o. P. V. B. Ponraj Chettiar,
Chinnalapatti, Dindigul taluk.

(Transferor)

(2) Shri Sivasubramanian,
22, Mahal 5th Street,
Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st share in the following properties:

- (i) Land measuring 2.34 acres with building at Survey No. 14 (New Door No. 10/13, 9, 10, 11) Keezhakottai village;
- (ii) Land and building measuring 21'×26' (Door No. 15/1.35) at Keezhakottai village;
- (iii) Land with tin shed, etc., measuring 27'×26' at Door Nos 15/5, 16, Keezhakottai village;
- (iv) Land measuring 5 cents at Survey No. 353/2C, Pappakudi, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 14th July 1976

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri P. Krishnan,
S/o. P. V. B. Ponraj Chettiar,
Chinnalapatti, Dindigul taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

(2) Shri Kalai Nesan (minor),
by father & guardian Shri V. O. Sivasubramania
Chettiar, 22, Mahal 5th Street,
Madurai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th July 1976

Ref. No. 94/NOV/75-76.—Whereas I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as given in the schedule situated at as given in the schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Madurai (Doc. No. 3334/75) in November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

$\frac{1}{4}$ th share in the following properties:

- (i) Land measuring 2.34 acres with building at Survey No. 14 (Door No. 10/13, 9, 10, 11) Keezhakottai village;
- (ii) Land and building measuring 21'×26' (Door No. 15/1.35) at Keezhakottai village;
- (iii) Land with tin shed, etc., measuring 27'×26' at Door Nos. 15/5, 16, Keezhakottai village;
- (iv) Land measuring 5 cents at Survey No. 353/2C Pappakudi, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 14th July 1976

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri P. Krishnan,
Chinnalapatti,
Dindigul taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Kalai Selvan (minor)
by father and guardian Shri V. O. Sivasubramania
Chettiar, 22, Mahal 5th Street, Madurai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 14th July 1976

Ref. No. 95/NOV/75-76.—Whereas I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as given in schedule situated at as given in schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Doc. No. 3335/75) in November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share in the following properties :

- (i) Land measuring 2.34 acres with building at Survey No. 14 (Door No. 10/13, 9, 10, 11) Keezhakottai village;
- (ii) Land and building measuring 21'×26' (Door No. 15/135) at Keezhakottai village;
- (iii) Land with tin shed, etc., measuring 27'×26' at Door Nos. 15/5, 16, Keezhakottai village;
- (iv) Land measuring 5 cents at Survey No. 353/2C Pappakudi, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 14th July 1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 17th July 1976

Ref. No. 2788/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. New TS 3/541, situated at Asoka Nagar Lay Out (45 cents & 75 sq. ft. of site, well & shed) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III, Coimbatore (Doc. No. 4022/75) on November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269C of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Asoka Charities represented by its Managing Trustee
Shri M. A. Govindarajulu
11/43 Kalingarayar St., Coimbatore-9.
(Transferor)

(2) Shri P. Balan
S/o Shri Perlantha Gounder,
195 Cross Cut Road, Coimbatore.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4022/75 :

45 Cents & 75 sq. ft. of site, well and a shed situated at Asoka Nagar Lay Out, Komarapalayam village, Coimbatore (T. S. Old No. 3/1144, 1145 & 1146—New T. S. 3/541).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-7-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kandhapillai,
S/o Shri Shanmuga Pillai
No. 4, Vanikar St., Kancheepuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

(2) Shri E. Ganesan
S/o Shri Ekambara Naicker.
No. 60-E, Ekambara Nathar North Mada St.,
Kancheepuram-2.

(Transferee)

Madras-6, the 6th July 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. F. 3468/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-A, situated at Vanikar Street, Kancheepuram (40 cents of land & building)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J. S. R. II, Kancheepuram (Doc. No. 3142/57) on 1st November 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

1. 9 cents of land (with building) bearing Survey No. 550 situated at Door No. 4-A, Vanikar St., Kancheepuram;
2. 31 Cents of land bearing Survey No. 555; and
3. 1/3rd share in motor & well.

S. RAJARATNAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-7-1976.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madrass-6, the 6th July 1976

Ref. No. F. 3468/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-A, situated at Vanikar Street, Kancheepuram (land measuring 40 cents and building) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. II, Kancheepuram (Doc. No. 3145/75) on 1st November 1975 for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sivasankara Pillai
S/o Shri Vaikuntam Pillai
No. 4, Vanikar St., Kancheepuram.

(Transferor)

(2) Shri E. Selvaraju,
S/o Shri Ekambaram,
47-B Panchupettai Big St.,
Kancheepuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1. Land measuring 9 cents (with building) situated at Door No. 4-A, Vanikar St., Kancheepuram (Survey No. 550).
2. Land measuring 31 cents and bearing Survey No. 555.
3. 1/3rd share in well and motor.

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shanmugasundaram Pillai
No. 4, Vanikar St., Kancheepuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri E. Sadayandi,
42-B, Salai Street,
Kancheepuram-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madrass-6, the 6th July 1976

Ref. No. F. 3468/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 4-A, situated at Vanikar Street, Kancheepuram (land exceeding Rs. 25,000/- and bearing (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Kancheepuram (Doc. No. 3140/75) on 1st November 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—196GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1. Land measuring 9 cents (with building) situated at Door No. 4-A, Vanikar Street, Kancheepuram (Survey No. 550),
2. Land measuring 31 cents and bearing Survey No. 555 &
3. 1/3rd share in the well & motor.

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shanmugasundaram Pillai s/o Shri Paramasivam Pillai, No. 4, Vanikar St., Kancheepuram.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kannammal W/o Shri E. Sadayandi
42-B, Salai St., Kancheepuram.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 6th July 1976

Ref. No. F.2800/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Thozhuvanthandalam and Ariyaperumbakkam (12.03 acres of land) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Big Kancheepuram (Doc. No. 3141/75) on 1-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Document No. 3141/75)

8.57 acres of land in Thozhuvanthandalam [S. Nos. 72/1 (1-22); 73/3 (0-64); 84/3A (0-75); 86/1 (1-15); 86/2 (0-61); 87/1 (0-21); 87/2 (34); 87/3 (0-75); 87/4 (0-24); 87/5 (0-92); 87/6A (1-64); 87/6B (0-09)].

3.46 acres of land in Ariyaperumbakkam [S. Nos. 34 (1-40); 27/3 (1-12); 28/2 (0-75), 37/5 (0-19)].

S. RAJARATNAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Dated : 6-7-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kanthapillai,
No. 4A, Vanikar St., Kancheepuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Devika Rani W/o Shri Ganesan,
No. 60E, Ekambara Nathar North Mada St.,
Kancheepuram-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madrass-6, the 6th July 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. F.2800/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. situated at Ariya Perumbakkam (15.8 acres of land)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Big Kancheepuram (Doc. 3143/75) on 1-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Document No. 3143/75)

15.08 acres of land in Ariyaperumbakkam.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Survey No.	Extent
1/23	0.49
9	0.15
29/4	0.64
30	0.39
36	1.15
321/4	0.10
32/2	3.31
35	2.98
326	0.63
327/1	5.24
	<hr/> 15.08 <hr/>

S. RAJARATNAM,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 6-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sivasankaran Pillai S/o Shri Vaikundam Pillai,
No. 4A, Vanikar St., Kancheepuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Saraswathy Ammal,
47-B, Panchupettai Big St., Kancheepuram.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 6th July 1976

Ref. No. 2800/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Thozhuvandalam and Ariyaperumbakkam (15.77 acres of land) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Big Kancheepuram (Doc. No. 3146/75) on 1-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5.58 acres of land in Thozhuvandalam :—

Survey No.	Extent
84/3B	0-33
84/3C	0-37
91/1	1-60
91/2	1-36
91/3	0-14
91/4	0-84
91/5	0-12
91/6	0-82
	<hr/> 5.58 <hr/>

10-19 acres of land in Ariya Perumbakkam :—

Survey No.	Extent
29/1	0-46
29/2	3-10
318	0-19
323	1-61
324/1	2-15
324	2-07
330/1	0-31
330/3	0-30
	<hr/> 10-19 <hr/>

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Dated : 6-7-1976
Scul :

FORM ITNS—

(1) Shri Velayutham Pillai S/o Shri Sivasankaram Paillai,
No. 4, Vanikar St., Kancheepuram,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS 6

(2) Smt. Devika Rani W/o Shri Ganesan,
No. 60E, Ekambara Nathar North Mada St.,
Kancheepuram-2.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 6th July 1976

Ref No. F.2800/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at 5.76 acres of land in Ariya Perumbakkam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Big Kancheepuram (Doc. No. 3147/75) on 1-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3147/75

5.76 acres of land in Ariya Perumbakkam :—

Survey No.	Extent
327/2-C	0-78
351/4	0-64
351/6	0-97
351/8	0-45
351	0-12
352/1A	2-58
352/1B 1	0-22
	<hr/> 5-76 <hr/>

S. RAJARATNAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Dated : 6-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri K. M. Koshy,
14, Valliammal Street, Kilpauk Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. V. Lakshmi Reddy W/o Shri Thirumala Rao,
No. 9, V.O.C. Street, Kodambakkam, Madras.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 12th July 1976

Ref. No. 1991/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, situated at V.O.C. Street, Kodambakkam, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Document No. 3468) on November 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 8 grounds and 32 sq. ft. (with building) and bearing Door No. 9, V.O.C. Street, Kodambakkam, Madras [R.S. No. 9/6 (Part) Kodambakkam, T.S. No. 30/1—Block No. 14].

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12-7-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri T. Govindaswami,
No. 62-B, Mowbrays Road, Madras-18.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Leela Sathyanarayana Avenue Boat Club Road,
Madras-28.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 15th July 1976

Ref. No. F. 1999/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1-B situated at Veenus Colony, Madras-18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 1571/75) on 21-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site measuring 3 grounds and 4 sq. ft. and bearing Plot No. 1-B, Veenus Colony Madras-18 (R.S. No. 1553/1 Part).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Dated : 15-7-1976

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

MADRAS-6, the 16th July 1976

Ref. No. F.5034/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38 situated at Lloyds Road, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore on 26-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;

(1) Shri P. T. Shanmuga Sundaram;
Shri P. S. Arumugam; and Shri Ramalingam,
No. 60/23 Edwards Elliotts Road, Madras-4.
(Transferor)

(2) P. Neeta, N. Geeta; A. Hema and N. Rajesh,
No. 25, Jepore Nagar, Madras-86.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 38, Lloyds Road, Madras.

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Dated : 16-7-1976
Seal :

FORM I.T.N.S.

(2) Nagpal Private Limited,
303, Arun Chambers, Tardeo Road, Bombay-34.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II

SMT. KGMP AYURVED HOSPITAL BUILDING
5TH FLOOR, NETAJI SUBASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 14th July 1976

- (3) (1) Shri K. S. Gandhi
(2) Shri V. D. Mehta
(3) Smt. P. K. Thakkar
(4) Smt. H. M. Vora
(5) Smt. J. V. Kanani
(6) Shri K. K. Sheth.

[person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece of land admeasuring 710 sq. yds. or
thereabouts equivalent to 539.65 square metres or thereabouts
situate at Vile Parle, Andheri in the Registration Sub-District
of Bandra, District Bombay Suburban now in Greater Bombay
area and bearing Survey No. 29A, Hissa No. 1 (Part) and
Plot No. 4 of a Private Layout or Scheme called "The Gulab
Baug Scheme" laid out by one Khandubhai Gopalji Desai
together with the measures tenements and buildings erected
thereon bearing Municipal K-Ward No. 8212(2). Plot No. 4
G. B. Road, Khandubhai Desai Housing Scheme and bounded
on or towards the North by Plot No. 5 of the said Scheme
on or towards the South by Plot No. 3 of the said Scheme
on or towards the East by the land bearing Survey No. 262
Hissa No. 5 on or towards the West by a 30' wide road being
part of the said Scheme called Khandubhai Desai Road.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act, in respect of any income arising from
the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-
tax Act, 1957 (27 of 1975);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) Smt. Leela Shyam Nagpal,
111, Somerset House, 61G Warden Road, Bombay
26.

(Transferor)

G. A. JAMES,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Bombay

Date : 14th July 1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
SMT. KGMP. AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING
5TH FLOOR, ROOM NO. 524,
NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 14th July 1976

No. Acqn. Range-IV/AP. 225/76-77.—Whereas, I, G. A. JAMES, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 137 C.T.S. 1317 Plot No. 154 situated in Village Versova (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Miss. Tehmina Tehmuras Ghadiali,
Botawala Building, 1st Floor,
Opp : Kalbadevi Post Office,
Bombay-400 002.
- (2) Miss. Piroja Tehmuras Ghadiali,
Botawala Building, 1st Floor,
Opp : Kalbadevi Post Office,
Bombay-400 002.

(Transferor)

- (2) (1) Smt. Maniben Shyamlal,
(2) Smt. Shanti Pahalajrai,
(3) Shri Pranjivan Manilal Mehta,
(4) Shri Ashwin Malukchand Mehta,
(5) Shri Chandulal Malukchand Mehta,
(6) Shri Mulraj Malukchand Mehta,
(7) Smt. Laxmibai Jamnadas,
(8) Shri Ashok Udhavdas,
(9) Shri Kumar Parmanand,
(10) Shri Vijay Kumar Dhirajlal Mehta,
(11) Shri Vinod Bansilal,
(12) Shri Mahendra Dhirajlal Mehta.
Carrying on business in partnership in the firm name and style of M/s. Mahavir Construction Co., 275 Shiv Shakti, 12th Road, Khar, Bombay-400 052.

(Transferee)

- (3) Shri Dhirajlal Manilal Mehta, C/o. Mahavir Construction Co.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of Government occupancy vacant land bearing Survey No. 1377, Plot No. 154 and Street No. 30, situated in Village Versova, Taluka Andheri, in Registration District of Bombay and forming part of Versova Creek land, admeasuring 6173 square yards equivalent to 5161.30 sq. metres or thereabouts and bounded as follows that is to say, on or towards the North by plot of land bearing C.T.S. No. 1316 on or towards South by plot of land bearing C.T.S. No. 1318, on or towards the West by a road and on or towards East by the Village boundary of Shiv and Amboli.

G. A. JAMES,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14th July, 1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th July 1976

Ref. No. R.A.C.118/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Road No. 12 situated at S. No. 129/39 Sheikpet village, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 21-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohd. Abu Saeed Mirza (Saeed Jung) S/o of late Aiz Mirza Retired Chief Justice, residing at Road No. 5, Banjara Hills, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Kazim R. Papa S/o late A. R. Papa, Residing at 1938, West Albion, Apartment-1, Chicago Illinois 60626 (USA).
2. Smt. Shakila Papa W/o Kazim R. Papa, 1938, West Albion, Apartment-1, Chicago Illinois 60626 (USA).
3. Shri Amjad Hussain Hydari S/o Dr. A. H. Hydari, 1/12, Jaganathan Road, Nungambakam, Madras 600034, Tamilnadu.
4. Shri Shaded Hussain Hydari S/o Dr. A. H. Hydari, 1/12, Jaganathan Road, Nungambakam, Madras 600034, Tamilnadu.
5. Shri Anees Tuher W/o Shri Siraj Ahammed Taber, 6-3-249/3, Road No. 9, Banjara Hills, Hyderabad 500034.
6. Shri Zaffer Hussain Hydari S/o Dr. A. H. Hydari residing at 1/12, Jaganathan Road, Nungambakam Madras 600034, Tamilnadu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said moneys or other assets which have not been or date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Off Road 12, Banjara Hills, Hyderabad comprising an extent of 5000 square yards measuring 50 yards east to west and 100 yards north to south out of 6 acres and 13 guntas bearing No. 129/39, Sheikpet village, Hyderabad Urban bounded as follows :—

- On the north : By the vendors property bearing No. 129/39.
On the South : By public Road.
On the East : By house No. 8-2-684/2.
On the West : 30' proposed road.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-7-1976
Seal :

FORM ITNS

1. (1) Shri M. A. Ramachandra Reddy,
(2) Shri M. Vishnukumar Reddy,
(3) Shri M. Vijayakumar Reddy, residing at 6-3-871, Begumpet, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Smt. Ramadevi wife of Sundararami Reddy,
residing at 6-3-1186, Begumpet, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th July 1976

Ref. No. R.A.C.119/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 3 situated at 6-3-1186 Begumpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 15-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore,, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 measuring 888.5 square yards or 742.89 square metres situated within the premises "Lakshminivas" II. No. 6-3-1186 Begumpet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th July 1976

Ref. No. R.A.C. 120/76-77. —Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of house situated at 11-4-625 and 626, A. C. Guards, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub Registrar, Hyderabad on 30-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1. (1) Shri Mirza Habibullah Beig,
(2) Shri Haseena Begum,
(3) Shri M. Zufraullah Beig
(4) Shri M. Galib Beig,
Residing at 11-5-625 and 626, A. C. Guards,
Hyderabad. No. 4 represented by G. P. A.
Mirza Habibullah Beig.

(Transferor)

2. Smt. Wahajunnisa Begum w/o Shri Syed Mahaboob Hussain, residing at 5-3-983, Fasi Jung Lane, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of house bearing No. 11-4-625 and 626, situated at A. C. Guards, Hyderabad (admeasuring 489.50 square yards) bounded by:—

North : Property of Shri Mustafa Ali Khan.
South : Property of Habeeb Fais Ali.
East : Property of Mirza Gali Beig.
West : Property of Shri Mustafa Ali Khan.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-7-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th July 1976

Ref. No. R.A.C. 121/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-108/5 situated at Station Road, Nampalli, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub Registrar, Hyderabad on 30-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

1. Mohd. Sulthanuddin Khan S/o late Mohammed Rahim, Khan,
2. Smt. Ayesha Farzana Khanan wife of Mohd. Sulthanuddin Khan, residing at 6-1-346/2, Khairatabad, Hyderabad. (Transferor)
2. Shri Dasari Venkatachallan son of late Ramaiah, aged 45 years, residing at 3-4-488, Lingampalli, Hyderabad City. (Transferee)
3. M/s. Handloom Centre (Andhra Handloom Centre.) represented by partner Dasari Venkatachallan and D. Vikuntam. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor Mulgi bearing No. 5-8-108/5, Station Road, Nampalli, Hyderabad consisting of two shutters, three ventilators and one window admeasuring in all 128 square yards equivalent to 107.52 square metres.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Umraolal R/o Mama Jameela, Charkuman,
Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Amar Constructions C/o Totaram Sagarlal
and Sons, Abid Road, Hyderabad-500001.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 8th July 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

Ref. No. 111/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATA-
RAMAN,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. 3 S. No. 39/3 situated at Ameerpet, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908)
in the office of the Registering Officer
at Khairatabad on Nov. 1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 admeasuring 1019 sq. yds. situated at Ameerpet,
Hyderabad and bounded.

On the North : by Plot belonging to the Vendor.
On the South : by Plot belonging to Smt. Gigibai.
On the East : by Public Road.
On the West : by public Road.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-7-1976

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th July 1976

Ref. No. RAC.No. 112/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open land admeasuring 1002 sq. yds. situated at Ameerpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Khairatabad on Nov 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Shri Maganlal Gupta,
R/o Rashtrapathi Road, Secunderabad.
(Transferor)
- (2) M/s. Amar Construction, H. No. 4-1-968,
Abids Road, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 1002 sq. yds. in Ameerpet, Hyderabad and bounded.

On the North by Public Road.
On the South by land belonging to Umraolal.
On the East by Public Road.
On the West by Public Road.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-7-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri C. S. R. V. P. Murthy Raju,
P.J. 10, Officers Colony,
Panjagutta, Hyderabad.
R/o Mir Alam Mandi, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th July 1976

Ref. No. 113/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Portion No. 2 situated at H. No. 11-2-422/A Red Hills, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jt. Sub Registrar on 14-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22—196GI/76

*(3) Aga Mazhar,
R/o Mir Alam Mandi, Hyderabad.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 2 of H. No. 11-5-422/A, Red Hills, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sri C. S. R. V. P. Murthy Raju,
P. J. 10, Officers Colony, Panjagutta, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. Zamrud Begum W/o Syed Md. Aqeel,
Prop :—Ganga Jamna Hotel, Lakdikapul, Hydera-
bad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 8th July 1976

Ref. No. R.A.C. 114/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATA-
RAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the
Immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Portion No. 3 situated at H. No. 11-5-422-A Redhills,
Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer

at Jt. S.R.O. on 14-11-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said im-
movable property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 3 of H. No. 11-5-422/A, Red Hills, Hydera-
bad.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act in respect of any income arising from the
transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following
persons, namely :—

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) C. S. R. V. P. Murthy Raju,
P.J. 10, Officers Colony,
Panjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th July 1976

Ref. No. 115/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion No. 1 situated at H. N. 11-5-422/A, Red hills, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. SRO, Hyderabad on 25-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Portion No. 1 of H. No. 11-5-422/A, Red Hills, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri M. L. Sabari Yousuf,
Shri J. A. Sabari and Smt. Fatima Begum,
10-1-137/1 Marredpally Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1976

Ref No. 116/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10-1-137/1 situated at West Marredpally Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on Nov 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Municipal Number 10-1-137/1 Lease hold plot bearing No. 52/A admeasuring 213 square yards at West Marredpally, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 9-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Patel Amin and Co.
Rastrapati Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. B. Satyawati and others.
62 B, Sardar Patel Road.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

*(3) Shri K. Srinivas Rao 43B, Bansilal Pet Secunderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 9th July 1976

Ref. No. R.A.C.117/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8/89, 8/100 to 105 situated at Alwal Grampanchayat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad West on Nov. 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 1-A admeasuring 4840 sq. yds. and building standing there on comprising of 'Satya Talkies' and others structures attached thereto in Survey No. 183 near Golnaka, Alwal village in Gram Panchayath Alwal Taluka West Hyderabad District Municipal No. 8/89, 8/100, 8/101, 8/102, 8/103, 8/104 8/105.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-7-1976

Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Swastik Construction Co.,
111, Sarojini Devi Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Sri E. Mangaram, A-2/5, Chandralok,
111, Sarojini Devi Road, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th July 1976

Ref. No. R.A.C.122/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATA-
RAMAN, being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Room No. 136, situated at 111, S. D. Road, Secunderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at

Registering Officer

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said im-
movable property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Office room on first floor bearing No. 136, in Chandralok
Complex, situate 111, Sarojini Devi Road, Secunderabad,
having an plinth area of 790 sqft.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Swastik Construction Co.,
111, Sarojini Devi Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Prashanti D/o Dr. Rambhoopal
2. Vijayanthi D/o Krishna Bhoopal,
3-6-417/3, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th July 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Room bearing No. 227, situate on the 2nd floor in the Chandralok, Complex, 111, S.D. Road, Secunderabad, having a plinth area of 806 sq. ft.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-7-1976

Seal :

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 15th July 1976

Ref. No. P. R. No. 458Acq.23-I-1089(458)1-1/75-76.—
Whereas, I, J. KATHURIA,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a
fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Survey No. 197 B and 415-B part of P. No. 227 Sub Plot
No. 3/1 part of TPS No. 14 situated at Dariyapur Kazipur,
Shahibag, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 7-11-1975

for an apparent
consideration which is less than the fair market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) (1) Shri Shravan Kumar Parmanandbhai Patel,
Gol Bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh.

(2) Shri Sidharth Kumar Parmanandbhai Patel,
Mill bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh,
Through Power of Attorney
Shri Laljibhai Maganlal Patcl,
Nathalal Colony, Stadium Road,
Navjivan, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Panchabhai Bhurabhai Suhkadia
Saraspur, Vasansheri, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open of land admeasuring 471 Sq. Yards, bearing Sur-
vey No. 197B, and 415B (part) final plot No. 227 (part)
Sub plot No. 3/1 of T.P.S. 14, situated Dariyapur Kazipur,
Shahibag, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 15-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 15th July 1976

Ref. No. P.R. No. 459Acq.23-I-1090(459)/1-1/75-76.—
Whereas, I, J. KATHURIA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Survey No. 197-B and 415-B part, final Plot No. 227 Part of
Sub Plot No. 3/2 of TPS No. 14 situated at Dariyapur Kazi-
pur, Shahibag, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Ahmedabad on 7-11-1975
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23—196G1/76

- (1) (1) Shri Shravan Kumar Parmanandbhai Patel,
Gol Bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh.
- (2) Shri Sidharth Kumar Parmanandbhai Patel,
Mill bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh,
Through Power of Attorney
Shri Laljibhai Maganlal Patel,
Nathalal Colony, Stadium Road,
Navajivan, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Prahladbhai Ramdas Patel
2. Shri Kantaben Tulsidas Patel
Jai Hind Sweet Mart, Manekchowk, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 392 Sq. Yards bearing Survey No. 197-B and 415-B (Part) Final plot No. 227 Part Sub Plot No. 3/2 of TPS No. 14 Situated at Dariyapur, Kazi-pur, Shahibag, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 15-7-1976

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 15th July 1976

Ref. No. P.R. No. 460Acq.23-I-1091(460)/I-1/75-76.—
Whereas, I, J. KATHURIA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Survey No. 197 B and 415-B (Part) part, of P. No. 227 Sub
Plot 3/4 part of TPS No. 14 situated at Dariyapur Kazipur,
Shahibaug, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1808) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 7-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely:—

(1) (1) Shri Shravan Kumar Parmanandbhai Patel,
Gol Bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh.

(2) Shri Sidharth Kumar Parmanandbhai Patel,
Mill bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh,
Through Power of Attorney
Shri Laljibhai Maganlal Patel,
Nathalal Colony, Stadium Road,
Navajivan, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Keshavlal Motiram Patel,
C/o Parshottamdas Motiram Patel,
Pallavit Co. Op. Housing Society,
Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 298.5 Sq. Yards, bearing
Survey No. 197-B and 415-B (Part) Final plot No. 227 (Part)
Sub plot No. 3/4 of TPS No. 14 situated at Dariyapur, Kazi-
pur and Shahibaug, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 15-7-1976

Scal :

FORM ITNS—

- (1) (1) Shri Shravan Kumar Parmanandbhai Patel,
Gol Bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh.
- (2) Shri Sidharth Kumar Parmanandbhai Patel,
Mill bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh,
Through Power of Attorney
Shri Laljibhai Maganlal Patel.
Nathalal Colony, Stadium Road,
Navajivan, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

- (2) Shri Ambalal Keshavlal Patel
C/o Nirman Architect
Ajanta Commercial Centre,
Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380 009, the 15th July 1976

Ref. No. P.R. No. 461Acq.23-I-1092(461)/1-1/75-76.—
Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Survey No. 197 B and 415-B (Part) part, of F. P. No. 227
Sub Plot No. 3/5 part of TPS No. 14 situated at Dariyapur
Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 7-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the 'said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the follow-
ing persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 267 Sq. Yards, bearing
Survey No. 197-B and 415-B (Part) Final plot No. 227 (Part)
Sub-plot No. 3/5 of TPS No. 14. Situated at Dariyapur,
Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad.

J. KATHURIA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 15-7-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 15th July 1976

Ref. No. P.R. No. 642 Acq. 23-1-1093(462)/1-1/75-76.—
Whereas, I, J. Kathuria,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
No. Survey No. 197-B & 415-B (Part) Part of F.P. No. 227,
Sub Plot No. 3/9 of TPS situated at Dariyapur, Kazipur,
Shahibaug, Ahmedabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering
officer at Ahmedabad on 19-11-1975
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the pro-
perty as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely:—

- (1) 1. Shri Shrivankumar Parmanandbhai Patel, Gol
Bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh. 2. Shri Sidharth
Kumar Parmanandbhai Patel Mill Bazar, Jabalpur,
Madhya Pradesh.
Through Power of Attorney
Shri Laljibai Maganlal Patel Nathalal Colony, Sta-
dium Road, Navjivan, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Jayantilal Dahyabhai Patel 2. Shri Kanubhai
Narandas Patel 16, Uttar Gujarat Patel Society,
Vibhag No. I, Jahangirpura Road, Asarwa, Ahmeda-
bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 298 Sq. Yards, bearing
Survey No. 197-B and 415-B (part), final plot No. 227 (Part)
Sub plot No. 3/9 of TPS No. 14, Situated at Dariyapur, Kazi-
pur, Shahibaug, Ahmedabad.

J. KATHURIA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 15-7-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 15th July 1976

Ref. No. P.R. No. 463 Acq. 23-I-1094(463)/1-1/75-76.—

Whereas, I, J. Kathuria,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 197-B and 415-B (Part) part of F.P. No. 227, Sub Plot No. 3/12 of TPS. No. 14, situated at Dariyapur, Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-11-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Shrivankumar Parmanandbhai Patel Gol Bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh. 2. Shri Sidharth Kumar Parmanandbhai Patel, Mill Bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh.
Through Power of Attorney
Shri Laljibai Maganlal Patel Nathalal Colony, Stadium Road, Navjivan, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Dasrathlal Natwarlal Patel 2. Shri Mangalbhai Mohanlal Patel 3. Shri Dahyabhai Mohanlal 4. Shri Chimanlal Mohanlal Patel 15, Asarwa Co. Op. Housing Society Ltd., Holy Chakla, Near Civil Hospital, Asarwa, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open of land admeasuring 397 Sq. Yards, Bearing Survey No. 197-B and 415-B (Part) final Plot No. 227 (Part) Sub Plot No. 3/12 of TPS 14, Situated at Dariyapur, Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 15-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 15th July 1976

Ref. No. P.R. No. 464 Acq. 23-I-1095(464)/1-1/75-76.—
Whereas, I, J. Kathuria,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing
No. Survey No. 197-B&415-B, (Part) Part of F.P. No. 227, Sub Plot No. 3/13 of TPS No. 14, situated at Dariyapur, Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ahmedabad on 7-11-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Shrivankumar Parmanandbhai Patel, Gol Bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh. 2. Shri Sidharth Kumar Parmanandbhai Patel, Mill Bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh.
Through Power of Attorney
Shri Laljibai Maganlal Patel, Nathalal Colony, Stadium Road, Navjivan, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Kantilal Devchandbhai Patel, Rita Park Society, Opp. Rachna School, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 298 sq. Yards, bearing Survey No. 197-B and 415-B (Part) final plot No. 227 (Part) Sub Plot No. 3/13 of T.P.S. 14, situated at Dariyapur, Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad.

J. KATHURIA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 15-7-1976.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 15th July 1976

Ref. No. P.R. No. 465 Acq. 23-I-1096(465)/1-1/75-76.—
Whereas, I, J. Kathuria,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Survey No. 197-B and 415-B Part, F.P. No. 227 (Part)
Sub Plot No. 3/14 of T.P.S. No. 14 situated at Dariyapur
Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 7-11-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under subsec-
tion (1) of Section 269D of the Said Act to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Shri Shrivankumar Parmanandbhai Patel, Gol
Bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh. 2. Shri Sidharth
Kumar Parmanandbhai Patel, Mill Bazar, Jabalpur,
Madhya Pradesh.
Through Power of Attorney
Shri Laljibhai Maganlal Patel, Nathabhai Colony,
Stadium Road, Navjivan, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Shri Rajendrc Kumar Popatlal Soni, Rita Park
Society, Opp. Rachna School, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of
the said Act shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 298 Sq. Yards, bearing
Survey No. 197-B and 415-B (part) final plot No. 227 (part)
Sub plot No. 3/14, of T.P.S. 14 situated at Dariyapur, Kazi-
pur, Shahibaug, Ahmedabad.

J. KATHURIA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 15-7-1976.

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 15th July 1976

Ref. No. P.R. No. 466 Acq. 23-I-1097(466)/1-1/75-76.—
Whereas, I, J. Kathuria,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Survey No. 197-B and 415 (part) F.P. No. 227 (part),
Sub plot No. 3/15 of TPS No. 14, situated at Dariyapur,
Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 19-11-1975,
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property, and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed
by the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of
1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) 1. Shri Shrivankumar Parmanandbhai Patel, Gol
Bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh. 2. Shri Sidharth
Kumar Parmanandbhai Patel, Mill Bazar, Jabalpur,
Madhya Pradesh.
Through Power of Attorney
Shri Laljibhai Maganlal Patel, Nathalal Colony, Sta-
dium Road, Navjivan, Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Shri Chimanlal Bechardas Patel, Vitthalnagar Society,
Behind Civil Hospital Road, Shahibaug, Ahmedabad
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons, whichever period
expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 300 Sq. Yards, bearing
Survey No. 197-B and 415-B (Part) final plot No. 227 (part)
Sub Plot No. 3/15, of T.P.S. 14 situated at Dariyapur, Kazi-
pur, Shahibaug, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 15-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 15th July 1976

Ref. No. P.R. No. 467 Acq. 23-I-1098(467)/1-1/75-76.—
Whereas, I, J. Kathuria,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Survey No. 197-B & 415-B (part) F.P. No. 227, (part)
Sub Plot No. 3/16 of T.P.S. 14, situated at Dariyapur, Kazipur,
Shahibaug, Ahmedabad,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Ahmedabad on 7-11-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the Said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the Said Act, to the following per-
sons namely :—

24—196GI/76

- (1) 1. Shri Shrivankumar Parmanandbhai Patel, Gol
Bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh. 2. Shri Sidharth
Kumar Parmanandbhai Patel, Mill Bazar, Jabalpur,
Madhya Pradesh.
Through Power of Attorney
Shri Laljibhai Maganlal Patel, Nathalal Colony, Sta-
dium Road, Navjivan, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ranchhodlal Kantilal Patel 2. Shri Gopal-
bhai Kalidas Patel 3. Shri Naranbhai Kalidas Patel
Uttar Gujarat Patel Society Vibhag II, Asarwa
Jahangirpura Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXXA of the Said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 497 Sq. Yards bearing
Survey No. 197-B and 415-B (Part) final plot No. 227 (part)
Sub plot No. 3/16, of T.P.S. 14 situated at Dariyapur, Kazi-
pur, Shahibaug, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 15-7-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) I. P. Mission Trust. I. P. Mission Comopund, Raikhad, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. A. Shukla Vallabhbhai Patel Road, Surendranagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 15th July 1976

Ref. No. P.R. No. 468 Acq. 23-I-1099(468)/18-5/75-76.—
Whereas, I. J. Kathuria,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. S. No. 4747, situated at Vallabhai Patel Road, Surendra-
nagar,
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Wadhwan on 12-11-1975,
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per-
cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the trans-
fer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the trans-
feree for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth
Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, the following per-
sons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons whichever period expires
later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property with structure standing on land ad-
measuring, 583 Sq. Yards, bearing Survey No. 4747, situated
at Vallabhbhai Patel Road, Surendranagar.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 15-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mehru Daradsha Adajaniya, Daradsha House, Ambedkar Road, Bombay-14.

(Transferor)

(2) M/s. Nandoliya Industrial Development Corporation through its partners :

Shri Yusuf Noormohmed Nandoliya & others 2-A, Saritadrashan Soc. Near Karaka Building, Ashram Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 17th July 1976

Ref. No. P.R. No. 473 Acq. 23-1-1100(473)/1-1/75-76.—
Whereas, I, J. Kathuria,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Survey No. 531, 532, 533, Block No. 1, situated at Vatva,
Taluka Daskroi, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 25-11-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 9014.50 Sq. Yds. (being 22% un-
divided share of the total area of 40975 S. Yds) bearing Sur-
vey Nos. 531, 532 and 533, Block No. 1 and situated at
Vatva, Taluka Daskroi, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, J.R.B. Ahmedabad.

Dated : 17-7-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mehrn Darasha Adajaniya, Daradsha House, Ambedkar Road, Bombay 14.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 17th July 1976

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-1-1101(474)1-1/75-76.—
Whereas, I, J. Kathuria,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey Nos. 1550 & 1551, Block No. II, Plot Nos. 23 to 28, 112, 131, 132, 141, 154 to 159 situated at Vatva, Taluka Daskroi, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(2) M/s. Nandoliya Industrial Development Corporation through its partners :

Shri Yusuf Noormohmed Nandoliya & others 2-A, Saritadarshan Soc. Near Karaka Building, Ashram Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 13736 S. Yds. or thereabout (being 22% undivided share of the total area of 62436 S. Yds.) bearing Survey Nos. 1550 and 1551, Block No. II, Plot Nos. 23 to 28, 112, 131, 132, 141, 154 to 159 and situated at Vatva, Taluka Daskroi, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, J.R.B. Ahmedabad.

Dated : 17-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Kum. Rustamji Wadia, Daradsha House, Ambedkar Road, Bombay-14.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1976

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-1-1102(475)/1-1/75-76.—
Whereas, I. J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sr. No. 531, 532, 533, Block No. I, situated at Vatva, Taluka Daskroi, Ahmedabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s. Nandoliya Industrial Development Corporation through its partners.
Shri Yusuf Noor Mohamed Nandoliya & others 2-A, Saritadarshan Soc. Near Karaka Building, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 8195 sq. yards or thereabouts (being 20% undivided share of the total area of 40,975 sq. yards bearing Sr. No. 531, 532, 533, Block No. 1, situated at Vatva, Taluka Daskroi, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, J.R.B. Ahmedabad

Dated : 17-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Kumi Rustamji Wadia, Daradsha House, Ambedkar Road, Bombay-14.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD.(2) M/s. Nandoliya Industrial Development Corporation through its partners :
Shri Yusuf Noor Mohamed Nandoliya & others 2-A,
Saritadarshan Soc. Near Karaka Building, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1976

Ref. No. P. R. No. Acq. 23-1103(476)/1-1/75-76.—
Whereas, I, J. KATHURIA,
being the competent authority under
Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Sur No. 1550, and 1551, Block No. 2, Plot Nos. 23 to 28 112, 131, 132, 141, 154 to 159 situated at Vatva, Taluka Daskroi, Ahmedabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Regulation Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-11-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 12487 sq. yards or thereabouts (being 20% undivided share of total land of 62,436 sq. yards) bearing Sur. No. 1550, and 1551 plot No. 23 to 28, 112 131, 132, 141, 154 to 159, block No. 2, and situated at Vatva, Taluka Daskroi, Ahmedabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, J.R.B. Ahmedabad.

Dated : 17-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Alamai Kekhusharu Adajania, Daradsha House, Ambedkar Road, Bombay-14.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1976

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-1-1104(477)/1-1/75-76.—
Whereas, I. J. KATHURIA,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 531, 532, 533, Block, No. I, situated at Vatva, Taluka Daskroi, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-11-1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) M/s. Nandoliya Industrial Development Corporation through its partners.
Shri Yusuf Noor Mohmed Nandoliya & others 2-A, Saritadarshan Soc. Near Karaka Building, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 7375.50 sq. yards or thereabouts (being 18% of the undivided share of total area of 40,975 sq. yards) bearing Survey No. 531, 532, 533 Block No. I, situated at Vatva, Daskroi Taluka, Ahmedabad.

J. KATHURIA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, J.R.B. Ahmedabad.

Dated : 17-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Alamai Kekhusharu Adajania, Daradsha House,
Ambedkar Road, Bombay-14.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1976

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-1-1105(478)/1-1/75-76.—
Whereas, I, J. KATHURIA,
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter re-
ferred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 1550 and 1551 Block No. 2, plot Nos. 23 to 28, 112, 131,
132, 141, 154 to 159, situated at Vatva, Taluka, Daskroi,
Ahmedabad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer
at Ahmedabad on 25-11-1975,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
Parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(2) M/s. Nandoliya Industrial Development Corporation
through its partners :
Shri Yusuf Noor Mohmed Nandoliya & others 2-A,
Saritadarshan Soc. Near Karaka Building, Ashram
Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 11238 sq. yard or thereabouts (be-
ing 18% of undivided share of the total area of 62,436 sq.
yards) bearing survey Nos. 1550, 1551 Block No. II, Plot
Nos. 23 to 112, 131, 132, 141, 154 to 159 and situated at
Vatva, Taluka Daskroi, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
J.R.B. Ahmedabad

Dated : 17-7-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Zenobia Zarir Adajania, Daradsha House, Ambedkar Road, Bombay-14.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Nandoliya Industrial Development Corporation through its partners, Shri Yusuf Noor Mohmad, Nandoliya and others. 2-A, Saritardarshan Soc, Near Karaka Building, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380009, the 17th July 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 8273 sq. yards or thereabouts (being 8% of the undivided share of total area of 1,03,411, sq. yards) bearing Sur. No. 531, 532, 533, 1550, 1551, block No. I and II Plot Nos. 23 to 28 112, 131, 132, 141, 154 to 159 situated at Vatva, Taluka Daskroi, Ahmedabad.

Ref. No. P.R. Acq. 23-1-1106(479)/1-1/75-76.—

Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 531, 532, 533, 1550, 1551, Block No. I & II, Plot No. 23 to 28 112 131 132, 141, 154 to 159 situated at Vatva, Taluka Daskroi, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 15-11-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

25—196GI/76

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, J.R.B. Ahmedabad.

Dated : 17-7-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380009, the 17th July 1976

Ref. No. P.R. Acq. 23-1-1107(480)/1-1/75-76.—

Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Survey Nos. 531, 532, 533, 1550, 1551, Block No. I & 2, Plot No. 23 to 28, 112, 131, 132, 141, 154 to 159 situated at Vatva, Taluka, Daskroi Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad, on 25-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Zahir Daradsha Adajaniya, Daradsha House, Ambedkar Road, Bombay-14.

(Transferor)

(2) M/s. Nandoliya Industrial Development Corporation through its partners :
Shri Yusuf Noormohmed Nandoliya & others 2-A, Saritadarshan Society Near Karaka Building, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 9100 sq. yards or thereabouts (being 8.8% of the undivided shares of the total area of 103,411 sq. yards) bearing Survey No. 531, 532, 533, 1550, and 1551. Block No. I & II Plot No. 23 to 28 112, 131, 132, 141, 154 to 159 and situated at Vatva, Taluka Daskroi Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, J.R.B. Ahmedabad.

Dated : 17-7-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Aspi Daradsha Adajaniya, Daradsha House, Ambedkar Road, Bombay-14.

(Transferor)

(2) M/s. Nandoliya Industrial Development Corporation through its partners :
Shri Yusuf Noormohmed Nandoliya & others 2-A, Saritadershan Soc. Near Karaka Building, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 17th July 1976

Ref. No. P.R. Acq. 23-1-1108(481)-1-1/75-76.—

Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 531, 532, 533, 1550, 1551 Block No. I & II Plot Nos. 23 to 28 112, 131, 132, 141, 154 to 159 situated at Vatva, Taluka Daskroi, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 9100 sq. yards or thereabouts (being 8.8% of the undivided share of total area of 1,03,411, sq. yards) bearing survey Nos. 531, 532, 533, 1550, 1551 Block No. I & II, plot Nos. 23 to 28 112, 131, 132, 141, 154 to 159 and situated at Vatva, Taluka Daskroi, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, J.R.B. Ahmedabad.

Dated : 17-7-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Parsis Aspi Adajaniya, Daradsha House, Ambedkar Road, Bombay-14.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD.(2) M/s. Nandoliya Industrial Development Corporation through its partners :
Shri Yusuf Noormohmed Nandoliya & others 2-A,
Saritadarshan Soc. Near Karaka Buildings, Ashram Road Ahmedabad.

(Transferee)

Ahmedabad-380009, the 17th July 1976

Ref. No. P.R. Acq. 23-1-1109(482)/1-1/75-76.—

Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 531, 532, 533, 1550, 1551 Block No. I and II Plot No. 23 to 28, 112, 131, 132, 141, 154 to 159 situated at Vatva, Taluka Daskroi Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad, on 25-11-1975, **for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of :—**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 7446 sq. yards of thereabout (being 7.2% undivided share, of total area of 1,03,411, sq. yards) being Sr. No. 531, 532 533, & 1550, 1551 Block No. I and II plot Nos. 23 to 28, 112, 131, 132, 141, 154 to 159 and situated at Vatva, Taluka Daskroi, Ahmedabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, J.R.B. Ahmedabad.

Dated : 17-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Jahangir Jal Netrawala, Daradsha House, Ambedkar Road, Bombay-14.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 17th July 1976

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-1-1110(483)/1-1/75-76.—
Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 531, 532, 533, 1550, 1551, Block No. I and II Plot No. 23 to 28, 112, 131, 132, 141, 154 to 159 situated at Vatva, Taluka Daskroi, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad, on 25-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) M/s. Nandoliya Industrial Development Corporation through its partners :
Shri Yusuf Noor Mohmed Nandoliya & others 2-A, Saritadarshan Sc. Near Karaka Building, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 7446 sq. yards or thereabouts (being 7.2% undivided share of total area of land of 1,03,411 sq. yards) bearing Sr. No. 531, 532, 533, 1550, 1551, Block No. I & II, Plot Nos. 23 to 28, 112, 131, 132, 141, 154 to 159 and situated at Vatva, Taluka Daskroi, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, J.R.B. Ahmedabad.

Dated : 17-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Khodabhai Manilal Patel Memnagar, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND, FLOOR HANDLOOM
HOUSE; ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380009, the 17th July 1976

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-1-1111(484)/—75-76.—
Whereas, I. J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding at Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 198, situated at Memnagar, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed Registering Officer at Ahmedabad on 20-11-1975, the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the officer at Ahmedabad on 20-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Sarojben Chunilal Patel, 5-Dineshnagar Soc. Near Railway Crossing, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 9½ guntas bearing survey No. 198 and situated at Mamnagar, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, J.R.B. Ahmedabad.

Dated : 17-7-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramswarup S/o Shri Radhakrishnan 17/1, Parsi Mohalla, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rameshchandra, 55, Agarwal Nagar, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th July 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An incomplete house on plot No. 55, Agarwal, Nagar, Navlakha, Indore.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Dated : 6-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Omprakash Khandelwal S/o Ratanlalji Khandelwal R/o Mahatma Gandhi Marg, House No. 9, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ratanlal S/o Ramprasad Khandelwal R/o House No. 9, Mahatma Gandhi Road, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th July 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/673.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing a portion of property No. 9/1, open plot No. 1 situated at Mahatma Gandhi Road, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 4-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of property No. 9/1, Open Plot No. 1 situated at Mahatma Gandhi Road, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-7-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Omprakash Khandelwal S/o Shri Ratanlalji
Khandelwal R/o 9, Tukoganj Main Road, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. S. G. & Co. R/o 389, Jawahar Marg, Indore
through partner Shri Gurumukhdas S/o Gangaramji.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 6th July 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/674.—Whereas, I. V. K.
SINHA,

being the competent authority under section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

A portion of property No. 9/1, an open plot No. 1 situated
at Mahatma Gandhi Road, Indore situated at Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Indore on 24.3.76.

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of—

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act'
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor
to pay tax under the 'said Act', in respect of any
income arising from the transfer; and/or

A portion of property No. 9/1, an open plot No. 1 situated
at Mahatma Gandhi Road, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income of any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

26—105 GI/76

Date : 6-7-76.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL.

Bhopal, the 6th July 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/675.—Whereas, I. V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1, Mahatma Gandhi Road situated at Number A-1/2 area 12000 sq. ft. situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 18-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajendrasingh S/o Suganmalji Bhandari through Shri Dilipkumar S/o Rajendrasinghji Bhandari R/o Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ashish Kumar S/o Rajendrasingh Bhandari through Mother Pushpa Kumari w/o Rajendrasingh Bhandari R/o 1/2, Mahatma Gandhi Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1, Mahatma Gandhi Road situated at Number A-1/2 area 1200 sq. ft.

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-7-76.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rajendrasingh S/o Suganmalji Bhandari through Shri Dilip Rajendrasinghji Bhandari, R/o Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 6th July 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/676.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

The portion of Nandanvan, Mahatma Gandhi Road, Indore—Number C-1/2, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 18-2-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) M/s Bhandari Crosfield Ltd., Manglia, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The portion of Nandanvan, Mahatma Gandhi Road, Indore—Number C-1/2, Indore.

V. K. SINHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-7-76.

Seal :

FORM ITNS. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 6th July 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/677.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. the portion of Nandanvan, M.G. Road, Indore—Number B-1/2, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 18-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Rajendrasingh S/o Sugatmalji Bhandari through Shri Dilipkumar S/o Shri Rajendrasingh Bhandari R/o Indore.

(Transferor)

(2) Shri Dilip Kumar S/o Rajendrasingh Bhandari, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The portion of Nandanvan, M.G. Road, Indore—Number B-1/2, Indore.

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-7-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sushilabai W/o Chhotelal, 118 Jaora Compound, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Gwalior Oil Mills through Partner Shri Amitlal Chhotelalji, Shilnath Camp, Indore, M.P.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th July 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/678.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Free hold plot of land situated at Chitawad Road, Navlakha, Indore situated at Indore

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Indore on 4-3-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold plot of land situated at Chitawad Road, Navlakha, Indore.

V. K. SINHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-7-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Sanghi Beverages Pvt. Ltd., Indore Bombay
Agra Road, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th July 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/679.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6.32 Acres of land adjoining Coca-Cola Factory at Bombay Agra Road, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 12-3-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) The Sanghi Staff Housing Co-operative Society Ltd.,
6 Manoramaganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA. of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6.32 Acres of land adjoining Coca-Cola Factory at Bombay Agra, Road, Indore.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-7-76.
Seal :

FORM ITNS—

(1) (i) Smt. Chandrabai W/o Shri Brijlalji Kataria, (ii) Shri Mohanlal S/o Shri Tahelram, R/o Pulsikar Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (i) Shri Shyam Lal, (ii) Shri Mohanlal sons of Shri Dulhanmal R/o 65, Jairampur Colony, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 6th July 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/680.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Free-hold plot of land No. 2, Sadhu Nagar, Manik Bagh Road, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 2-3-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Free-hold plot of land No. 2, Sadhu Nagar, Manik Bagh Road, Indore.

V. K. SINHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-7-76.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) (1) Smt. Chandrabai W/o Shri Brijlalji Kataria,
(2) Shri Mohanlal S/o Shri Tehlram, R/o Palsi-
kar Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

- (2) (1) Shri Jagdishchand, (2) Shri Rameshchand S/o
Shri Dulhenmal Dwarkadas, 65, Jairampur Colony,
Indore.

(Transferee)

Bhopal, the 6th July 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/681.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Freehold plot of land No. 2, Sadhu Nagar, Manik Bagh Road, Indore situated at Indore.

(and more fully described in

the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 2-3-76

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Freehold plot of land No. 2, Sadhu Nagar, Manik Bagh Road, Indore.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 6-7-76.

Seal :

FORM ITNS.—

(1) Shri Laxmandas Makhija S/o Bhaduram Makhija
Civil Lines, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th July 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/682.—Whereas, I. V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One pakka three storied house No. 403, Municipal ward No. 13, Nayapara, Raipur situated at Raipur situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 20-3-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—196G1/76

(2) Shri Satyanarayan Gupta S/o Gopalji Gupta, Tatia-
yapara, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One pakka three storied house No. 403, Municipal Ward No. 13, Nayapara, Raipur.

V. K. SINHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-7-1976.

Seal ;

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Sindhai Kavalchand, 2. Shri Sindhai Mahendrakumar, 3. Shri Sindhai Rajkumar, S/o Shri Sindhai Babulaji Jain, 4. Shri Sindhi Jawaharlal S/o Shri Sindhai Junnalal Jain, R/o Jawaharganj, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

- (2) Shri Kadhori Shah Kohili S/o Lala Lakhi Kohili, R/o 41/1, Bai-ka-Bagicha, Kohili Building, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 12th July 1976

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/672.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. N. B. No. 218 Pipariya, Teh. & Distt. Jabalpur, Khasra No. 76, 77 Rekba 2.43 acres situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 20-11-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

N.B. No. 218, Pipariya, Teh. & Distt. Jabalpur Khasra No. 76, 77, Rekba, 2.43 Acres, Jabalpur.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1976.

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri J. E. C. Vaz,
C/o Giri Engineering Works,
Chikmagalur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMI-
SSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

(2) Mrs. Agnes Periera
Coffee Planter,
Greenvalley Estate,
Mallan Vallavalli Village
Taluka and Distt. Chikmagalur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Dharwar, the 17th July 1976

NOTICE No. 118/76-77/ACQ.—Whereas, I,
S. NARASIMHAN,
being the Competent Authority under section 269D of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
S. Nos. 55, 98 and 100 known as Coffee Estate situated at
Malin Ullavalli village of Chikmagalur Distt.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Chikmagalur Under Document Number 1592 on 25-11-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

The immovable property consisting of Buildings, Machin-
eries and Coffee Plantation at survey Numbers 55 (17 Acres
4 Gunthas), 98 (41 Acres 12 Gunthas) and 100 (2 Acres
and 17 Gunthas) situated at Malinullavalli village of Chikma-
galur Distt.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transferor;
and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

S. NARASIMHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date : 17-7-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 17th July 1976

NOTICE No. 119/76-77/ACQ.—Whereas, I,
S. NARASIMHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- known as Sundervalley Estate situated at Balur village Mudigere Taluk, Chikmagalur Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mudigere Under Document Number 623 on 17-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Mrs. Ophelia Noronha, W/o L. M. Noronha, 5, Kilpauk Garden Road, Madras-60010. (2) Mrs. L. Lobo, W/o Late Mr. A. Lobo, R/o 4, Prime Street, Longford Town, Bangalore-56025.
- (3) Mr. P. F. Lobo, S/o Late A. Lobo (now in U.S.A.) Represented by mother Mrs. L. Lobo, W/o late A. Lobo, 4, Prime Street, Longford Town, Bangalore-560025.

(Transferors)

- (2) (1) Shri A. C. Nanjunde Gowda, S/o late Chandregowda, Coffee Planter, Spencer Road, Chikmagalore.
- (2) Shri U. H. Basavegouda, S/o Late U. P. Hiregouda, R/o Agrahara, Chikmagalore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Coffee Estate known as "Sundervalley Estate" situated at Balur village, Mudigere Taluk, Chikmagalur District in Survey Numbers 153, 147, 144, 145, 286, 258/P, 151, 152, 146, 143, 285, 154/P, 243, 154 and 263.

S. NARASIMHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Dharwar

Date : 17-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri K. R. Adinarayana Gouda,
S/o K. Ramaiah, Bharathi Vilas,
No. 5, Kanakapur Road, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 20th July 1976

No. 121/76-77/ACQ.—Whereas, I, S. NARASIMHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. Nos. 121, 122, 124, 125/1, 78P and 123P Consisting an area of 29 Acres 36 Gunthas (Coffee Estate) situated at Arumanthalagur village of Chikmagalur District.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Mudigere Under Document Number 635 on 25-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. K. G. Srilatha, W/o D. Sundaresh,
G.P.A. Holder Shri D. Sundaresh,
Arumanthalagur village, Balur Hobli, Taluk Mudigere and Distt. Chikmagalur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Coffee Estate situated at Arumanthalagur village, Balur Hobli, Mudigere Taluk of Chikmagalur District under Survey Numbers 121 (7A-26G), 122(1A-39G), 124(6A-11G), 125/1 (6A), 78P (6A) and 123P (2A).

S. NARASIMHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date : 20-7-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri D. Rama Rao,
S/o Shri Bhimasena Rao,
Adoni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Shashikala,
W/o Shri Narayan Inamdar
Renuka Clinic,
Hospet, Distt. Bellary.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 20th July 1976

No. 120/76-77/ACQ.—Whereas, I, S. NARASIMHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 198 D, 194B and 195 situated at 15th Ward, Hospet (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hospet Under Document Number 1151 on 5-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable Property consisting of open Land bearing survey Numbers 198 D, 194B & 195, situated at Ward No. XV, Hospet and Bounded by :

East—Plot Nos. 60 to 65;

West—Road;

North—Road & Plots belonging to the Transferor.

South—Road.

S. NARASIMHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Dharwar

Date : 20-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) (1) Gangamma, W/o Mallikarajunappa Kandkur, R/o Yadgir, (2) Shri Sadashivareddy, S/o Mallikarjunappa, R/o Yadgir, (3) Shri Naganagouda, S/o Mallikarjunappa, R/o Yadgir, (4) Shri Siddannagouda, S/o Mallikarjunappa, R/o Yadgir.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 20th July 1976

No. 122/76-77/ACQ.—Whereas, I, S. NARASIMHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 5-1-67 situated at Station Area, Yadgir, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Yadgir Under Document Number 1168 on 5-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Shri Basavarajappa, S/o Rukmaiah, Excise Contractor Yadgir.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Number 5-1-67 situated at Station Area, Yadgir.

S. NARASIMHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date : 20-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sv. Shri Paras Mal and Sardarmal Kankaria
Ss/o Shri Kishan Lal Kankaria R/o 2A Queen
Park, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shanti Priya Grah Nirman Sehkari Samiti
Ltd., Plot No. 100 Bagat Sagar Scheme Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Jaipur, the 15th July 1976

No. Raj/IAC(ACQ)/347.—Whereas I, C. S. JAIN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Plots situated at Jodhpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Jodhpur on 12-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act' shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot Nos. 32 to 43, 155 to 166 Total 24 Plots Situated
at the back of T.B. Sanitorium, Masuria, Jodhpur more fully
described in conveyance deed Registered at Sl. No. 2343 on
12-11-1975 by Sub-registrar, Jodhpur.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said
Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Date : 15-7-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Sv. Shri Paras Mal and Sardar Mal Kankaria
Ss/o Shri Kishan Lal Kankaria R/o 2A Queen Park,
Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shanti Priya Grah Nirman Sehkari Samiti
Ltd., Plot No. 100 Bagat Sagar Scheme Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 15th July 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/348.—Whereas, I C. S. JAIN
being the competent authority under section 269B
of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plots situated at Jodhpur
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Jodhpur on 12-11-1975
for an apparent consideration
which is less than the fair market value
of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957).

Plot Nos. 127 to 136, 143 to 154 Total 22 plots situated
at the back of T.B. Sanitorium, Masuria, Jodhpur more fully
described in conveyance deed registered at Sl. No. 2347 on
12-11-1975 by Sub Registrar, Jodhpur.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—
28—196G1/76

Date : 15-7-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Sy. Shri-Parasmal and Sardar Mal Kankaria
Ss/o Shri Kishan Lal Kankaria R/o 2A Queen Park,
Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shanti Priya Grah Nirman Sehkari Samiti
Ltd., Plot No. 100 Bagat Sagar Scheme Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th July 1976

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/351.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plots situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 13-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. 121 to 125, 114 to 118, 102, 103, 104, 92 to 99
Total 21 plots situated at the back of T. B. Sanitorium, Masuria, Jodhpur more fully described in conveyance deed Registered at Sl. No. 2355 on 13-11-1975 by Sub Registrar, Jodhpur.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 15-7-1976
Seal,

FORM ITNS

- (1) Sv. Shri Paras Mal and Sardar Mal Kankaria
Ss/o Shri Kishan Lal Kankaria R/o 2A Queen Park,
Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Shanti Priya Grah Nirman Sehkari Samiti
Ltd. Plot No. 100 Bagat Sagar Scheme Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th July 1976

Ref. No. RAJ/IAC(Acq)/350.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plots situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 20-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. 44 to 55 Total 12 Plots situated at the back of T.B. Sanitorium, Masuria, Jodhpur more fully described in conveyance deed Registered at Sl. No. 2360 on 20-11-1975 by Sub Registrar, Jodhpur.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 15-7-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) **Sr. Shri Paras Mal and Sardar Mal Kankaria**
Ss/o Shri Kishan al Kankaria R/o 2A Queen Park,
Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) **Shri Shanti Priya Grah Nirman Sehkari Samiti**
Ltd., Plot No. 100 Bagat Sagar Scheme Jodhpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Jaipur, the 15th July 1976

Ref. No. Raj/IAC(Aco)/349.—Whereas, I, C. S. JAIN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Plots situated at Jodhpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Regis-
tering Officer at
Jodhpur on 26-11-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act, shall have the same meaning as
given in that chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act, in respect of any income arising from
the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
liability of the transferor to pay tax under
Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot Nos. 1 to 5, 69 to 79, 89 to 91 Total 19 Plots situated
at the back of T.B. Sanitorium, Masuria, Jodhpur more fully
described in conveyance deed Registered at Sl. No. 2369 on
26-11-1975 by Sub Registrar, Jodhpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

C. S. JAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 15-7-1976
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sv. Shri Parasmal and Sardar Mal Kankaria
Ss/o Shri Kishan Lal Kankaria R/o 2A Queen Park,
Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Shanti Priya Grah Nirman Sehkari Samiti
Ltd., Plot No. 100 Bagat Sagar Scheme Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th July 1976

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/352.—Whereas, I, C. S. JAIN
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason
to believe that the immovable property having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plots situated at Jodhpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Jodhpur on 27-11-1975
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen percent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said prop-
erty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act in respect of any income arising from
the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot Nos. 56 to 59, 61 to 67 Total 11 plots situated at the
back of T.B. Sanatorium, Masuria, Jodhpur more fully des-
cribed in conveyance deed Registered at Sl. No. 2373 on
27-11-75 by Sub Registrar, Jodhpur.

C. S. JAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 15-7-1976

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61,

ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004.

Poona, 411004, the 19th July 1976

Ref. No. CA5/Bombay(Dhulia)/Nov '75/289 of 76-77.—
Whereas, I, V. S. GAITONDE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C. S. No. 1529 situated at Dhulia

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 18-11-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Laxmibai Vishnu Velankar
2. Shri Sadashiv Vishnu Valankar
3. Smt. Prabhavati Gajanan Ghodgaonkar
4. Smt. Vidya Ramchandra Koshe
5. Smt. Lila Ramchandra Rembhotkar
6. Smt. Sumitra Dattatraya Akut
7. Smt. Kumud Mukund Deshpande
all at C/54/201 Ulhasnagar-3.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Girdhar Harilal Solanki
2. Shri Rajendrakumar Vissanji Solanki
3. Smt. Prabhavati Vissanji Solanki
4. Shri Hemantkumar Vissanji Solanki
5. Shri Gopal Vissanji Solanki
6. Shri Devanand Vissanji Solanki.
all at Hari Kunj, Gandhi Nagar, Dhulia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice of the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold, all that piece or parcel of land or ground with the messuages tenements or dwelling houses standing thereon situated lying and being at Dhulia in the Registration District and SubDistrict of Dhulia containing by admeasurement 289.3 square meters or thereabouts, City Survey No. 1529 and bounded as follows :—

i.e. to say

On or towards the North	by public road.
On or towards the South	by C.T.S. No. 1528.
On or towards the East	by a land and public Road
On or towards the West	by Public Road.

V. S. GAITONDE,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Poona.

Date 19-7-76

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahaveer Mehta s/o Rai Sahab Dr. Jayaisi Ram Mehta r/o 59-60, Begum Bagh, Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri Heera Lal Khanna 2. Sri Ashok Kumar Khanna sons of Lala Chander Bhan Khanna r/o 56 Begum Bagh, Meerut.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th July 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq/961/Meerut/75-76/693.—Whereas,

VIJAY BHARGAVA,

being the competent authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule

situated at As per schedule

(and more fully described in the schedule annexed

hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Meerut on 17-11-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Immovable property No. 56, measuring 250 sq. yds, situated at Begum Bagh, Meerut, transferred for an apparent consideration for Rs. 94,000/-.

VIJAY BHARGAVA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 13-7-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Satish Chandra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Triloki Nath & others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(3) Satish Chandra
[Person in occupation of the property](4) Satish Chandra
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Lucknow, the 12th July 1976

Ref. No. 14-T/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Total as per Form 37-G is 30 Gata 51S3 : 4 ½ Vova situated at Araj Manuja Shankerpur, Pargna Pechoteer Distt. Gazipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghazipur on 19-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring total as per 37-G is 30 Gata & 51S3 : 4 ½ Vova, which is situated at Araj Manuja Shankerpur Pargna Pechotar Distt. Ghazipur.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 12-7-1976

Seal :

FORM ITNS

1. (1) Shri Beni P. Kanoria, (2) Murlidhar Kanoria,
(3) Bhagwandevi Kanoria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Vishwanath Gopail Sharma,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AYURVED HOSPITAL BLDG.,
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY

3. Tenants

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay-400 002, the 22nd July 1976

Ref. No. ARI/1413-5/Nov.75.—Whereas, I. V. R. AMIN,
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. 2C1/699 (pt) of Malabar & Cumballa Hill Divn.
situated at Peddar Raod

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Bombay on 27-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Undivided half share with building known as "Hari Kunj"
at Peddar Road, Bombay-26, admeasuring 2051.97 square
metres. C.S. No. 2C1/699 (Part) of Malabar and Cum-
balla Hill Division.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957)

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

29—196GI/76

Date : 22-7-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AYURVED HOSPITAL BLDG.,
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY

Bombay-400 002, the 22nd July 1976

Ref. No. ARI/1426-18/No.75.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the competent authority under section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 200 of Fort Division situated at 10-Bank Cross Lane,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fort, Bombay on 20-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Abdeally Amiruddin Tyebjee, (2) Mastan Amiruddin Tyebjee & (3) Mansur Amiruddin Tyebjee.
(Transferor)
- (2) Shri Jethalal Motichand Trust
(Transferor)
- (3) 1. Smt. Pushpadevi R. Saref.
2. M/s Gleaming Trading Company.
3. M/s Sitaram & Co.
4. M/s Ratan Industries.
5. Bhagwati Mulji Aiya.
6. M/s Aggromac Space Co.
7. Rajnikant J. Patel.
8. Shri Jaswantbhai V. Muchhala.
(Persons in occupation of the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL the piece or parcel of land of ground of quit and Ground Tenure together with the messuages, tenements, or building therein, situate lying and being between the Marine and Appollo Streets, Fort, Bombay 1, in the Registration Sub District of Bombay containing by admeasurement 236 square yards i.e. 197 square metres or thereabouts, bearing collector's Old No. 18, New No. 4854 Old Survey No. 9/445 New Survey No. 9540 and Cadastral Survey No. 200 of Fort Division and the building where in assessed by Municipal Corporation of Greater Bombay under A Ward No. 1297 and Street No. 10, Bank Crozz Lane and bounded as follows: On or towards the East by the property belonging to the vendors known as "Shale Building", On or towards the West, by the property of Pranjivandas Laxmidas, On or towards the North, by the property Allahabad Bank Ltd. and On or towards the South, by the Bank Cross Lane.

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range-I, Bombay,

Date: 22-7-1976
Seal:

FORM ITNS

(1) M/s D.L.F. United Limited,
40-F, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Nirmal Gupta W/o Shri R. K. Gupta,
R/o 99-D, Block 'F' New Alipur, Calcutta-53.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 24th July 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/1066/Jan-I(15)/75-76.—

Whereas, I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-478, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. S-478, measuring 471 sq. yds. situated in Greater Kailash-II, New Delhi and bounded as under:—

East : S. Lane
West : Road
North : Plot No. S/478A
South : Plot No. S/480

C. V. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Date : 24-7-1976

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Sita Ram S/o Shri Data Ram
R/o 20/62, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. Shakuntala Devi W/o Sh. Ram Avtar
4/27 Roop Nagar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 24th July 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1196/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 96 situated at Gadodia Market, Khari Baoli, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Delhi in November, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

2nd floor of Gadodia Market, Khari Baoli, Delhi bearing No. 96 in all measuring 795.62 sq. ft.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 24-7-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 24th July 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1197/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. VII/1166 situated at Gali Samosewali Farash Khana, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in November 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act: to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Birmha Nand S/o Shri Idan Dass
R/o 25/6 Old Rajinder Nagar, New Delhi,
through his Genl. Attorney
Shri Malik Lachman Dass S/O
Shri Malik Shanker Dass
R/o F-8, Model Town, Delhi.
2. Shri Nand Lal S/o Sh. Malik Lok Nath
r/o F-8 Model Town, Delhi.
3. Shri Siri Ram S/o Shri Lekhu Ram
R/o Shop No. 793 Gali No. 11,
Sadar Bazar, Delhi,
through his Genl. Attorney
Shri Malik Lachman Dass S/o
Shri Malik Shanker Dass
R/o F-8, Model Town, Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Chander Kala W/o Shri Nand Lal Malhotra
R/o F-8, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storied house bearing property No. VII/1166 Part No. 1167-68 (Part of No. 1166 and full No. 1167-68) in Gali Samosewali, Farash Khana, Delhi and bounded as under :—

North : Property No. VII/1165

South : Property No. VII/1169

East : property No. VII/1184-85

West : Gali Kuanwali

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 24-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 24th July 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1198/76-77.—Whereas, I. S. N. L. AGARWALA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7959-60, Mohalla Kharian situated at Roshanara Road, Subzi Mandi, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dina Nath S/o Shri Gobind Ram
R/o 7960 Mohalla Kharian, Roshanara Road,
Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Madan Lal S/o Shri Dina Nath,
R/O B-1/106, Phase II, Ashok Vihar, Delhi

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storied house constructed on a free-hold plot of land measuring about 175 sq. yds. at No. 7959-60 in Mohalla Kharian, Roshanara Road, Delhi and bounded as under :—

North : Through fare passage

South : Gali and Railway property

East : Gurdwara Municipal No. 7961

West : House No. 7958

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,, Delhi/New Delhi.

Date : 24-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Lakshmi Narain S/o Sh. Nathu Ram,
R/O N-47, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishan Chand S/O Shri Ram Chander
R/o N-48, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 24th July 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1199/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/3rd share of N-48 situated at Kirti Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in November, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of a 2½ storied building constructed on a 3 side open plot of land measuring 293.30 sq. yds. at No. N-48, Kirti Nagar, New Delhi and bounded as under :—

North : Road 30 ft. wide

South : Service lane & Park

East : Plot No. 49

West : Service lane.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 24-7-1976

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Chuni Lal S/o Sh. Amin Chand,
R/o 77 Raja Garden, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 24th July 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1200/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 of 77 situated at Raja Garden, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in November, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Om Parkash Choudhry S/O
Late Shri Bahadar Chand Choudhary,
R/o J 6/72 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

One half share in 1½ storied house constructed on a free-hold plot of land measuring 191 sq. yds bearing Plot No. 77 situated in the colony known as Raja Garden New Delhi & bounded as under :—

North : Road

South : Property No. 35 & 36

East : Property No. 78

West : Property No. 76.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,, Delhi/New Delhi.

Date : 24-7-1976

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Chuni Lal S/o Sh. Amin Chand,
R/o 77 Raja Garden, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 24th July 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1201/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of 77 situated at Raja Garden, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in November, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

30—196GI/76

(2) Shri Om Parkash Choudhary S/o
Late Shri Bahadur Chand Choudhary,
R/o J 6/72 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share in 1½ storeyed house constructed on a free-hold plot of land measuring 191 sq. yds bearing Plot No. 77 situated in the colony known as Raja Garden, New Delhi & bounded as under :—

North : Road

South : Property No. 35 & 36

East : Property No. 78

West : Property No. 76.

S. N. L. AGARWALA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II., Delhi/New Delhi.

Date : 24-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 24th July 1976

Ref. No. JAC/Acq.I/SRIII/1034/Dec-1(6)/75-76.—

Whereas, I, C. V. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'Said Act') have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 942-A, Nehru Marg, situated at Arjun Nagar, Kotla
Mubarakpur, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at New
Delhi on 4th December 1975,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent consi-
deration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) of the said act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-
section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following
persons, namely :—

(1) Smt. Vidya Wati w/o Shri Bhagat Singh r/o H. No.
942-A Nehru Marg, Arjun Nagar, Kotla Mubarak-
pur, New Delhi through her General Attorney Shri
Sat Pal Rajput r/o XII/200, R. K. Puram, New
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bishan Singh s/o Shri Ladha Singh r/o 942-A,
Nehru Marg, Arjun Nagar, Kotla Mubarakpur, New
Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 942-A constructed on a freehold plot No. 73
measuring 200 sq. yds. Khasra No. 319, consisting of three
rooms, latrine, bath room, kitchen and verandah, situated at
Nehru Marg, Arjun Nagar, Kotla Mubarakpur, New Delhi
and bounded as under :

East : Plot No. 74 and 75

West : Plot No. 72

North : Public thoroughfare

South : Public thoroughfare.

C. V. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 24th July 1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 28th July 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1206/76-77.—Whereas I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6926/105 situated at Kamla Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in December, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Laxmi Devi Jaipuria wd/o Shri Hardwari Lal Jaipuria, r/o Jaipura House, Subzi Mandi, Delhi.
 2. Smt. Pushp Lata Jaipuria w/o Shri G. S. Jaipuria, r/o A-2/20 Model Town, Delhi.
 3. Shri Rajinder Kumar Jaipuria s/o Shri H. L. Jaipuria,
 4. Srimati Munni Devi Jaipuria wd/o Shri M. D. Jaipuria, residents of Jaipuria House, Subzi Mandi, Delhi.
 5. Sh. Vijay Jaipuria s/o Shri C. L. Jaipuria r/o 340 Naya Katra, Chandni Chowk, Delhi.
 6. Smt. Chanda Bai Jaipuria w/o Shri P. D. Jaipuria,
 7. Shri P. D. Jaipuria s/o Shri B. D. Jaipuria, residents of Jaipuria Bhawan, Gali Mata Wali, Maliwara, Delhi.
- co-owners of M/s Laxmi Chand Jaipuria Spinning and Weaving Mills, Kamla Nagar, Delhi.
(Transferor)

- (2) M/s. V. K. Indra Hosiery Industries, Kamla Nagar, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 6926/105 (Entire) situated in Kamla Nagar, Delhi with the land under the said property.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 28th July, 1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 28th July 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1205/76-779.—Whereas, I. S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6926/106 situated at Kamla Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in November, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Laxmi Devi Jaipuria wd/o Shri Hardwari Lal Jaipuria, r/o Jaipuria House, s/Mandi, Delhi.
 2. Smt. Pushp Lata Jaipuria w/o Sh. G. S. Jaipuria r/o A-2/20 Model Town, Delhi.
 3. Sh. Rajinder Kumar Jaipuria s/o Shri H. L. Jaipuria
 4. Smt. Munni Devi Jaipuria wd/o Shri M. D. Jaipuria residents of Jaipuria House, Subzi Mandi, Delhi.
 5. Sh. Vijay Jaipuria s/o Shri C. L. Jaipuria r/o 340 Naya Katra, Chandni Chowk, Delhi.
 6. Smt. Chanda Bai Jaipuria w/o Shri P. D. Jaipuria
 7. Shri P. D. Jaipuria s/o Shri B. D. Jaipuria residents of Jaipuria Bhawan, Gali Mata Wali, Maliwara, Delhi.
- co-owners of M/s. Laxmi Chaud Jaipuria Spinning and Weaving Mills, Kamla Nagar, Delhi.
- (Transferor)

- (2) V. K. INDRA Hosiery Industries Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 6926/106 situated in Kamla Nagar, Delhi with the land under the said property.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 28th July, 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Giri Lal s/o Shri Chhaju Ram r/o 429 Pathanpura, Shahdara, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Savitri Devi w/o Shri Narinder Kumar r/o 1254/6 Parkash Block, Balbir Nagar, Shahdara, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 28th July 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1207/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the competent authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 3 situated at Parkash Block, Balbir Nagar, Shahdara, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in November, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house built on plot No. 3 measuring 144 sq. yds. part of Khasra No. 239 Khewat No. 4 situated in the abadi of Parkash Block, Balbir Nagar, area of Village Sikdarpura, Illaqa Shahdara, Delhi and bounded as under :—

North : Lane 4 ft.

South : Road 15 ft.

East : Plot No. 4

West : Lane 4 ft.

S. N. L. AGARWALA,
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 28th July, 1976

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS 6

MADRAS-6, the 31st July 1976

Ref. No. 6/DEC/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

113 situated at Mannarsami Koil Street, Royapuram, Madras (R. S. No. 783)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 8544/75) on 11th December 1975 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri R. Shanmugham Chetty,
40, Nainiappan Maistry Street,
Park Town, Madras-3.

(Transferor)

(2) Smt. S. Selvarani,
W/o Shri K. Selvamani,
112, Solaiappan Street,
Old Washermanpet, Madras-21.

(Transferee)

* (3) 1. Thyagam Gunny Traders
2. Shri N. K. Bharathy Scelan
3. P. Ravichandra Gupta
4. Shri S. Shunmugam
(Person in occupation of the property).

* (4) Egmore Benefit Society, Madras.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1,054 sq. ft. with building thereon at door No. 113 (R. S. No. 783), Mannar Sami Koil Street, Madras.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
MADRAS-6.

Date : 31st July 1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. Gangadara Chettiar,
39, Thiruvoodal Street,
Tiruvannamalai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Kallakurichi Co-op. Sugar Mills Ltd.,
represented by its Spl. Officer
Shri N. Natarajan, Moongilthunapattu, 605702.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Madras-6, the 31st July 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 25/DEC/75.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing NO. T. S. No. 1829/IC, situated at Thandarampet Road, Tiruvannamalai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruvannamalai (Doc. No. 1490/75) in December 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Vacant land measuring 1 acre in T. S. No. 1829/IC, Thandarampet Road, Tiruvannamalai.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31st July 1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

MADRAS-6, the 29th July 1976

Ref. No. 95/DEC/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 378, situated at pilikkalpalayam, Salem district (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Velur (Doc. No. 1848/75) on 16th December, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. K. Chellammal, W/o S. S. Krishnamurthy Iyer
Shri S. K. Balasubramaniam, s/o S. S. Krishnamurthy Iyer
Pilikkalpalayam, Serur village,
Salem district.

(Transferor)

(2) Shri P. Palaniappa Gounder,
Vadugapalayam Pudur,
Namakkal taluk, Salem Dt.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2.22 acres, building site measuring 8½ cents and buildings & huts (with electrical fittings) in Survey No. 378, Pilikkalpalayam, Serur village, Namakkal, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-1,
MADRAS-6.

Date : 29-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri K. Mohamed Saleem Sahib,
539, Onji Modeen Street,
Muslimpur, Vaniyambadi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri G. Mohamed Aslam,
1091, Cutcheri Road,
Vaniyambadi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

Madras-6, the 31st July 1976

Ref. No. 103/DEC/75.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T. S. No. 36 & 37, situated at Kutchery Road, Vaniyambadi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vaniyambadi (Doc. No. 2671/76) on 22nd December 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land measuring 13,910 sq. ft. with building thereon in T. S. Nos. 36 & 37, Cutcheri Road (alias) P. J. Nehru Road, Vaniyambadi.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 31st July 1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 31st July 1976

No. 127/76-77/ACQ.—Whereas, I, S. NARASIMHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing being open land with machineries and furniture etc. situated at Raichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raichur under Document No. 1240, on 5-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Keerti Industries, Represented by its Partners : (1) Padmakumar S/o Chandra Keerti, (2) Anant Kumar s/o Chandra Keerti, (3) Sudhir Kumar, S/o Sadanand, (4) Sanjeev Kumar S/o Sadanand Keerti, (5) Uday Kumar S/o Mahaveer Keerti and (6) Rajendra Kumar, S/o Chandra Keerti Brestwarpet, Raichur.

(Transferor)

- (2) M/s. D. Chandrakant & Brothers, represented by its Partners : (1) Shri Koushik Bhai Ranchodlal, (2) Sri Chandrakant Bhai, S/o Ranchodlal, (3) Shri Dinesh Bhai, S/o Ranchodlal, (4) Shri Kartick Bhai, S/o Ranchodlal, (5) Shri Sourab Bhai, S/o Ranchodlal, residents of Ahmedabad, now resident at Brestwarpet, Raichur.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as M/s. Keerti Industries, Gadwal Road, Raichur together with open land machinery, furniture and factory buildings.

S. NARASIMHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Dharwar.

Dated : 31-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sardara Singh, s/o Shri Karam Singh, Resident of Village Jodhewal, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sardar Cold Storage & Rice Mills, Village Sekhewal, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 6th July 1976

Ref. No. LDH/C/1720/75-76.—Where, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant piece of land measuring 1 bigha 12 biswa 0 biswansi situated at about two furlongs away from Ambala Jullundur Bye-pass, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of

1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant piece of land measuring 1 bigha 12 biswa 0 biswansi situated at about two furlongs away from Ambala Jullundur Bye-pass, Jodhewal, Tehsil Ludhiana.

Khasra No. 985/26, Khata No. 438/466 Jamabandi No. 1970-71.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6452 of December, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 6-7-1976.

Seal:

